केरल निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर - 12

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 92 तक गिरकर 91.88 पर बंद -12

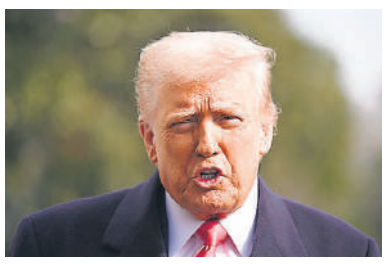

ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस से कनाडा के पीएम कार्नी का निमंत्रण वापस लिया - 13

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश के सामने छठे दौर में अब्दुसत्तोरोव की चुनौती - 14

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

9.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.04

सूर्यास्त 05.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:40 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 24 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 61, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पहाड़ों में भारी बर्फबारी, मैदानी इलाकों में बारिश और शीतलहर ने बढ़ाई कंपकंपी

श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ानें रद्द, वैष्णो देवी यात्रा रुकी, यूपी-दिल्ली समेत कई राज्यों में बारिश

- जम्मू कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड में कई इंच बर्फबारी, उत्तर भारत में घने काले बादलों ने डाला डेरा

जम्मू/नई दिल्ली/लखनऊ/देहरादून, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के शिमला में सड़क पर बिछी बर्फ की मोटी चादर।

उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से कड़ाके की ठंड वापस लौट आई है। हिमालय के राज्यों में गुरुवार रात से ही भारी बर्फबारी जारी है वहीं, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, चंडीगढ़ और दिल्ली में बारिश व तेज हवाओं ने कंपकंपी बढ़ा दी है। कई राज्यों में काले बादलों के डेरा डालने व बारिश होने से क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे शुष्क मौसम का अंत हो गया।

जम्मू-कश्मीर के मैदानी और पहाड़ी जिलों में बर्फबारी जारी है। श्रीनगर एयरपोर्ट पर 4 इंच तक बर्फ जम गई है, इससे शुक्रवार को सभी फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। श्रीनगर-जम्मू हाईवे भी बंद हो गया है। डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, रामबन और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा सहित जिलों में 2,500 मीटर से ऊपर हाई-डेंजर लेवल के एवलॉन्च की चातवनी दी है। वहीं, कटरा में बर्फबारी के कारण वैष्णो देवी यात्रा रोक दी गई है। पश्चिमी विक्षोभ पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके एक्टिव होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होती है। तापमान में गिरावट, पाला और कोल्डवेव के हालात बनते हैं। हिमाचल प्रदेश के शिमला में शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई जिसके बाद पर्यटक खुश नजर आए। कई पर्यटकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किए और इसे सर्दियों का सबसे खुशनुमा स्थान बताया। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मनाली के पास स्थित कोठी गांव में 15 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई, जो राज्य में सबसे अधिक है। इसी प्रकार, लाहौल और स्पीति के गोंदला, कुकुमसेरी और हंसा गांवों में क्रमशः 12 सेंटीमीटर, 6.8 सेंटीमीटर और पांच सेंटीमीटर हिमपात हुआ। वहीं, उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में नए साल का पहला हिमपात हुआ। राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के ज्यादातर निचले इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में भी सुबह से बारिश हो रही है। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, औली, मसूरी, चकराता, धनोल्टी, उत्तरकाशी सहित अनेक जगहों पर हो रही बर्फबारी से सड़कें, पेड़ और मकान सब सफेद चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं।

यूपी के 15 जिलों में ओलावृष्टि की संभावना

लखनऊ। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पश्चिमी उप्र के 15 जिलों में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तेज झोंकेदार हवाओं और हल्की बारिश से कई जिलों में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, संभल व बदायूं में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट है। यहां हवा की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

माघ मेले में बसंत पंचमी पर टूटा महाकुंभ का रिकॉर्ड

- देर शाम तक 3.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

अमृत विचार : बसंत पंचमी की पावन बेला पर संगम तट आस्था, उल्लास और भक्ति के महासागर में डूब गया। प्रयागराज माघ मेले में स्नानार्थियों की संख्या ने इतिहास रच दिया। मेला प्रशासन के अनुसार देर शाम तक 3.56 करोड़ श्रद्धालु संगम में पुण्य स्नान कर चुके थे। इससे पहले बसंत पंचमी के अवसर पर महाकुंभ-2025 में अधिकतम 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया था।

गुरुवार देर रात से ही हर-हर महादेव, जय श्रीराम और जय गंगा मैया के गगनभेदी जयघोषों के बीच पुण्य स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। अंधेरी रात से लेकर सुबह की सुनहरी धूप तक संगम की ओर बढ़ते श्रद्धालुओं की अनवरत धाराएं दिखीं। कहीं दंड-कमंडल थामे साधु-संत, तो कहीं सिर पर गठरी और कंधे पर झोला डाले आम श्रद्धालु, सबका लक्ष्य एक था, संगम में आस्था की डुबकी। घाटों पर गुनगुनी धूप के बीच आस्था का अद्भुत दृश्य नजर आया।

अविमुक्तेश्वरानंद का धरना जारी, तबीयत बिगड़ी

माघ मेला क्षेत्र में मौनी अमावस्या से धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की तबीयत शुक्रवार को बिगड़ गई। छह दिनों से खुले आसमान के नीचे लगातार धरना देने के कारण उन्हें बुखार हो गया है। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज ने तबीयत खराब होने की पुष्टि करते हुए बताया कि डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी धरना जारी है, लेकिन स्वास्थ्य को देखते हुए सावधानी बरती जा रही है।

स्वामी निश्चलानंद समेत संतो ने लगाई डुबकी

पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती सहित सभी प्रमुख संतो ने संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। कल्पवासी और किन्नर अखाड़े के संतों ने बसंत पंचमी का स्नान किया। मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए कहा कि मां गंगा सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें। माघ मेले में अब तक 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं।

ब्रीफ न्यूज

मुठभेड़ के दौरान जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि बिल्लावार इलाके में एक संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादी को मार गिराया गया। अधिकारियों ने मारे गए आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान के रूप में की है।

पांच आतंकी गिरफ्तार गोला-बारूद बरामद

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इसके पांच गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से विस्फोटक उपकरण, हैंड ग्रेनेड और गोलाबारूद बरामद किया है।

देश विरोधी ताकतों के सामने न झुकने की नेताजी देते प्रेरणा : मुख्यमंत्री

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भारत माता के सच्चे सपूत व आजादी के महानायक थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस
- 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' बना स्वतंत्रता आंदोलन का मंत्र

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस आज भी देश विरोधी और देशद्रोही तत्वों के सामने न झुकने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी का नाम लेते ही प्रत्येक भारतीय के मन में स्वतः देशप्रेम, श्रद्धा और सम्मान की भावना जागृत हो जाती है।

योगी ने उक्त बातें नेताजी की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को लखनऊ के हजरतगंज स्थित नेताजी सुभाष चौक पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने नेताजी को भारत माता का सच्चा सपूत और स्वतंत्रता आंदोलन का महानायक बताते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में उनका योगदान अमूल्य और अविस्मरणीय है। उन्होंने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए। योगी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रहित के लिए दृढ़ संकल्प और साहस का जो उदाहरण नेताजी ने प्रस्तुत किया, वह आज भी देशवासियों के लिए मार्गदर्शक है। नेताजी का उद्घोष 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' स्वतंत्रता आंदोलन का मंत्र बन गया था। उनके शब्दों में ऐसी शक्ति थी कि वे हर भारतीय के हृदय में जोश और त्याग की भावना भर देते थे।

23 अप्रैल को खुलेंगे भगवान बदरीनाथ धाम के कपाट

देहरादून। उत्तराखंड की आस्था का शिखर कहे जाने वाले भगवान बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि की शुक्रवार को विधिवत घोषणा कर दी गई। वसंत पंचमी के पावन अवसर पर टिहरी के नरेंद्र नगर राजदरबार में शास्त्रोक्त परंपराओं के अनुरूप पंचांग गणना के बाद इस यात्रा वर्ष बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल (गुरुवार) को प्रातः 6:15 बजे शुभ मुहूर्त में खोलने का फैसला लिया गया। तेल कलश गाडू घड़ा यात्रा 7 अप्रैल से शुरू होगी।

व्यापारी के बेटे का अपहरण कर हत्या, एक आरोपी ढेर

संवाददाता, बरगढ़ चित्रकूट

अमृत विचार: कस्बे के एक कपड़ा व्यापारी अशोक कुमार केशरवानी के 13 वर्षीय बेटे आयुष उर्फ छोटू की गुरुवार शाम अपहरण कर हत्या कर दी गई। वह घर से कोचिंग के लिए निकला था।

आरोपियों ने बच्चे का शव बक्से में बंद कर टांड़ पर रखकर दीवार चुनवा दी और पिता को फोनकर 40 लाख की फिरौती मांगी। पुलिस ने फोन नंबर के आधार पर व्यापारी की दुकान के पास ही संदूक की दुकान चलाने वाले दुकानदार इरफान अंसारी और उसके नौकर कल्लू उर्फ साहिबे इमान को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के लिए ले जाते समय आरोपियों ने पुलिस से असलहे छीनकर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। जवाबी फायरिंग में गोली लगने से एक आरोपी की मौत हो गई और दूसरा घायल है। उधर, वारदात से गुस्साए लोगों ने कस्बे में जाम लगाकर नारेबाजी की। डीआईजी राजेश एस, जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, सीओ यामीन अहमद सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर उनको समझाया।

आयुष (फाइल फोटो)

- आरोपियों ने शव को बक्से में रखकर कमरे की टांड़ में चुनवा दिया

कोडीन कफ सिरप तस्कर की 28 करोड़ की संपत्ति कुर्क

सोनभद्र। कोडीन युक्त कफ सिरप की जांच कर रही सोनभद्र पुलिस की एसआईटी टीम ने मुख्य अभियुक्त भोला प्रसाद की अपराध जगत से अर्जित की गई 28.50 करोड़ की संपत्ति दी है। एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि भोला प्रसाद के खिलाफ राबर्ट्सगंज कोतवाली में एनडीपीएस व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। मामले की जांच एसआईटी कर रहीहै। भोला प्रसाद को कुछ दिन पहले विदेश पलायन के प्रयास के दौरान दमदम एयरपोर्ट, कोलकाता से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार सोनभद्र में निरुद्ध किया गया है। उन्होने बताया कि उक्त संपत्तियों को चिन्हित करते हुए धारा 107 बीएनएसएस के अंतर्गत कुर्की के लिए न्यायालय में रिपोर्ट प्रेषित की गई थी।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर सजेगी विकसित उत्तर प्रदेश की झांकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

यूपी दिवस-2026

- माघ मेला-2026, लखनऊ दर्शन बस सेवा और कालिंजर किला होंगे प्रमुख आकर्षण

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 से 26 जनवरी तक राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय समारोह में प्रदेश की पर्यटन क्षमता, सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा की भव्य झलक देखने को मिलेगी। 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश को अग्रणी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने का संदेश दिया जाएगा।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि उप्र. पर्यटन विभाग के स्टॉल पर विभागीय योजनाओं के साथ-साथ पीपीपी मोड पर क्रियान्वित परियोजनाओं, माघ मेला-2026, बुंदेलखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों, विरासत संरक्षण, इको-टूरिज्म बोर्ड की पहलों तथा यूपीएसटीडीसी की 'लखनऊ दर्शन' इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस सेवा जैसे सफल प्रयासों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा। जयवीर सिंह ने बताया कि समारोह के दौरान बौद्ध, जैन, रामायण, महाभारत सहित प्रदेश के सभी 12 पर्यटन सर्किटों से जुड़ी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कालिंजर किले को विशिष्ट पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जबकि झांसी, चित्रकूट, ललितपुर, महोबा और बांदा के ऐतिहासिक स्थलों व जलप्रपातों की जानकारी भी प्रदर्शनी में शामिल रहेगी।

मॉक ड्रिल | लखनऊ पुलिस लाइन में मुख्यमंत्री के समक्ष सायरन, अंधेरा और रेस्क्यू ऑपरेशन

74 जिलों में अचानक छाया अंधेरा, युद्ध जैसी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में नागरिक सुरक्षा और आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए शुक्रवार शाम 74 जिलों में व्यापक ब्लैकआउट और मॉक ड्रिल आयोजित की गई। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुलिस लाइन में मौजूद रहे और पूरे अभ्यास की निगरानी की। सायरन बजते ही तय समय पर लाइटें बंद कर दी गईं और कुछ ही पलों में शहर अंधेरे में डूब गया।

लखनऊ में पुलिस लाइन परिसर में रेस्क्यू ऑपरेशन, घायलों को सुरक्षित निकालने और त्वरित चिकित्सा सहायता का अभ्यास किया गया। बरेली में ब्लैकआउट के दौरान सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने ऊंची इमारतों से फंसे लोगों को निकालने का अभ्यास किया। कानपुर और कानपुर क्षेत्र के अन्य जिलों में धमाके जैसी आवाज के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लेटने और अंधेरे में अनुशासन बनाए रखने का अभ्यास कराया गया। अयोध्या में धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आपात स्थिति से निपटने की मॉक ड्रिल की गई, जहां त्वरित निकासी और सुरक्षा घेरा बनाने पर जोर रहा। वहीं मुरादाबाद में घायल नागरिकों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने और अस्पतालों की इमरजेंसी तैयारियों की जांच की गई।

बरेली कलेक्ट्रेट परिसर : मॉक ड्रिल के दौरान घर में लगी आग के बाद राहत कार्य में जुटे कर्मी।

टीमें पूरी तरह रहीं सक्रिय, माघ मेले के कारण प्रयागराज में नहीं कराया गया ब्लैकआउट

इस मॉक ड्रिल में पुलिस, सिविल डिफेंस, एनडीआरएफ, होमगार्ड, फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य विभाग की टीमें पूरी तरह सक्रिय रहीं। विभिन्न एजेंसियों के समन्वय, रिस्पॉन्स टाइम और संसाधनों के उपयोग की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने फीडबैक लेकर टीमों की तत्परता की सराहना की। शासन के अनुसार ब्लैकआउट का उद्देश्य हवाई हमले या अन्य आपात स्थितियों में शहरों की लोकेशन छिपाने और नागरिकों को अनुशासित रहने का अभ्यास कराना है। माघ मेले के कारण प्रयागराज में ब्लैकआउट नहीं कराया गया। यह अभ्यास नागरिक सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 24 जनवरी 2026

पीलीभीत

ज्ञान की देवी मां शारदे का पूजन कर हर्षोल्लास से मनाई बसंत पंचमी

शैक्षणिक संस्थानों समेत कई जगह हुए धार्मिक आयोजन, यज्ञ-हवन में दीं आहुतियां, सुबह से ही छतों पर पहुंचे युवा, सर्द मौसम के बीच जिलेभर में हुई पतंगबाजी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः जिलेभर में शुक्रवार को बसंत पंचमी पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक आस्था के साथ मनाया गया। ज्ञान की देवी मां सरस्वती का पूजन किया गया। कहीं हवन हुए तो भंडारे में कराए गए। दिनभर युवा छतों पर पतंगबाजी करते रहे। इस दौरान छतों पर ही म्यूजिक सिस्टम लगाकर गाने बजाकर आनंद लिया लिया।

बसंत पंचमी पर जिले में पतंगबाजी होती है। ऐसे में एक दिन पूर्व ही इसे लेकर युवाओं ने तैयारियां कर ली थी। शुक्रवार सुबह से ही बच्चे-बड़े पतंगबाजी करने के लिए छतों पर पहुंच गए। मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। इसे लेकर कई जगह धार्मिक आयोजन किए गए। पतंगों की दुकानों पर भी भीड़ रही। पूजा अर्चना के बाद छतों पर ही परिवार संग बच्चों और युवाओं ने पतंगबाजी की। छतों पर म्यूजिक सिस्टम लगाकर गीत गूंजते रहे। घर से सड़क तक पर्व की रौनक छाई रही। चौधरी निहाल सिंह पब्लिक स्कूल, इंटर कॉलेज और कृषि पीजी कॉलेज में बसंत पंचमी पर कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीपार्चन, पुष्पार्चन करके की गई। विधि विधान से हवन किया गया। इसी दौरान सुभाष चंद्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई। कॉलेज/सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड पीलीभीत के अध्यक्ष चौधरी दिग्विजय सिंह ने कहा कि बसंत पंचमी के दिन से प्रकृति में हर तरफ हरियाली, फूलों की खुशबू और नई ऊर्जा देखने को मिलती है। सभी का आभार जताया गया। स्प्रिंगडेल कॉलेज में बसंत पंचमी पर हवन पूजन कराया गया। विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना की गई। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का भी नमन किया गया। इस मौके पर अशिका, परितोषिका, वंशिका, कीर्ति, आध्या, रितिका, वंशिका, खुशी, तनिष्का, अनन्या, आराध्या, आदि ने भाग लिया। परिसर को पीले फूलों से सजाया गया और विद्यार्थी भी पारंपरिक परिधानों में नजर आए। डिवाइन कॉलेज में मां सरस्वती का पूजन किया गया। निदेशिका चारू धवन, चेयरमैन आरके धवन, प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार जायसवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन करके शुरुआत कराई। सरस्वती वंदना, भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। रसायन विज्ञान प्रवक्ता डॉ. हरचरन लाल ने बसंत पंचमी का महत्व बताया। अंत में प्रसाद वितरण किया गया। उधर, मोहल्ला भूरे खां में मुस्लिम समाज के लोगों ने भी बसंत पंचमी पर्व मनाया। युवाओं ने पतंगबाजी की। कक्षा छह के छात्र मोहम्मद मिनहाज खां, सामाजिक कार्यकत्री आसिया खान ने विचार रखे। इस मौके पर निगाह अहमद, मुदस्सिर खां, शाहनवाज खान, शानू, मोहम्मद आमिर खां आदि मौजूद रहे।

डिवाइन कॉलेज में मां सरस्वती का पूजन करते शिक्षक व बच्चे। ● अमृत विचार

स्प्रिंगडेल कॉलेज में हवन पूजन में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। ● अमृत विचार

मोहल्ला खकरा में बसंत पंचमी पर बांटी पीली खिचड़ी। ● अमृत विचार

मां सरस्वती का पूजन और हुआ हवन

पीलीभीत, अमृत विचार : लॉर्ड कृष्णा स्कूल में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती का पूजन व हवन किया गया। संस्थापिका सीमा दीक्षित,प्रबंधक सनी दीक्षित, प्रधानाचार्य रोजी दीक्षित ने हवन पूजन किया। बसंत पंचमी का महत्व बताया गया। अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

मां शारदे की आराधना कर हवन में दीं आहुतियां

मझोला : चौधरी उमराव सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती शिशु मंदिर में संयुक्त रूप से मां सरस्वती की आराधना की गई। मुख्य यजमान राजेन्द्र सिंह ने सपत्नीक मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन किया गया। प्रधानाचार्य धनपाल सिंह ने प्रकाश डाला।

बिलसंडा में बसंतोत्सव पर कई जगह हुए भंडारे

बिलसंडा, अमृत विचार : क्षेत्र भर में बसंत पंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। स्कूलों में कथा पाठ आदि अनुष्ठान कराए गए। मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजन किया गया। बच्चों ने सामूहिक रूप से पतंगबाजी की। बच्चों में खासा उत्साह रहा। स्कूलों में खिचड़ी भोज का आयोजन भी किया गया। जिसमें शिक्षकों और बच्चों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। कई जगह भंडारे भी आयोजित कराए गए।

बसंत पंचमी पर पतंग उड़ाने की तैयारी करता परिवार। ● अमृत विचार

चौधरी निहाल सिंह कॉलेज में पूजन करते अध्यक्ष दिग्विजय चौधरी। ● अमृत विचार

गायत्री शक्तिपीठ में महायज्ञ, सदबुद्धि की कामना

नकटादाना चौराहा के पास स्थित गायत्री शक्तिपीठ में बसंत पंचमी पर वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के आध्यात्मिक जन्मदिवस पर अखंड दीप एवं मां भगवती देवी शर्मा की जन्मशताब्दी के अवसर पर मां सरस्वती का विशिष्ट पूजन किया गया। महायज्ञ में गायत्री परिजनों ने आहुतियां दी। अनिल कुमार शर्मा, महेश चंद्र शर्मा, राजेश कुमार गंगवार, जयंती प्रसाद शर्मा, कालीचरन गंगवार, तेज बहादुर शर्मा, पुरुषोत्तम आदि ने पूजन किया। इस मौके पर कन्हईलाल, हरिओम गंगवार, विजय कुमार, राम सिंह, कमला पाठक, सर्वेश कुमार आदि मौजूद रहे।

स्थापित कराई मां सरस्वती की प्रतिमा

पीलीभीत, अमृत विचार : बसंत पंचमी के अवसर पर ग्राम बरहा के कंपोजिट राजकीय विद्यालय में कार्यक्रम हुआ। रोटरी गवर्नर राजन विद्यार्थी , क्लब अध्यक्ष डॉ. अनिल सक्सेना, सचिव कपीस अग्रवाल, जीएस खेड़ा, सरदार सिंह चावला, राजीव अग्रवाल, मुरली मनोहर अग्रवाल, विजय जायसवाल, डॉ.अनुरीता सक्सेना, ज्योति अग्रवाल, रितु अग्रवाल पहुंचे। शिक्षक और बच्चों संग मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना विधिवत पूजन के साथ की गई। छात्र रितिक को सम्मानित किया गया। अंत में भोजन प्रसादी के साथ समापन हुआ।

महिलाओं ने उड़ाई पतंग

बिलसंडा, अमृत विचार : हेमपुर स्थित हैप्पी ब्लूवर्ल्ड पब्लिक स्कूल में बसंत पंचमी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। मां सरस्वती का पूजन एवं हवन किया गया। प्रबंधक विक्रम नरेश जायसवाल, डायरेक्टर डॉ. गौरव शुक्ला, कोषाध्यक्ष सौरभ शुक्ला, प्रधानाचार्य कुलवीर सिंह समेत स्टाफ ने सहभागिता रही। प्रसाद वितरण एवं तहरी भोज की व्यवस्था रही। महिला सशक्तिकरण समूह के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम किए गए। विभिन्न प्रकार के खेल एवं नृत्य प्रतियोगिता कराई गई। महिलाओं ने पतंग उड़ाकर आनंद लिया। इस मौके पर प्रिया जायसवाल, पारुल अवस्थी आदि मौजूद रहे।

पूरनपुर में बांटी गईं बच्चों को पतंग

पीलीभीत, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद पूरनपुर के तत्वाधान में सोशियो वाईटल नेटवर्क फाउंडेशन की टीम ने वार्ड नंबर दो में बसंत पंचमी के उपलक्ष में बाल सेना के साथ पतंग वितरण व स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करके देने के लिए प्रेरित करना रहा। मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। बच्चों को रंगबिरंगी पतंग और डोर वितरित की गई। पतंगों में स्वच्छता से जुड़े स्लोगन लिखे गए। स्वच्छ वार्ड, सुंदर वार्ड का संकल्प दिलाया गया।

चाइनीज मांझा की बिक्री नहीं रोक पाए जिम्मेदार

बसंत पंचमी पर सुबह से ही मौसम ने करवट ले ली। तेज हवा चलती रही। बादल भी दिनभर छाए रहे। जिससे बारिश के आसार जताए जाते रहे। हालांकि हवा तेज होने के चलते असर पतंगबाजी पर भी पड़ा। इन सबके बीच पतंगबाजी हुई और अधिकांश पतंग में चाइनीज मांझा ही इस्तेमाल किया जाता रहा। प्रशासन की ओर से कई दिन पूर्व ही आदेश जारी किए गए और टीमें लगाई गई। मगर चाइनीज मांझे की न बिक्री रोकी जा सकी, न ही इस्तेमाल। कटकर आने वाली अधिकांश पतंगों में मौत की डोर यानी चाइनीज मांझा बंधा मिला। फिलहाल इसकी रोकथाम और धंधेबाजों पर शिकंजा कसने में जिम्मेदार नाकाम साबित हुए। इसे लेकर कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर भी पोस्ट की। जिसे लेकर खासा फजीहत हुई।

विधायक ने व्यापारियों संग बांटी तहरी

बिलसंडा, अमृत विचार : तिकुनिया पार्क पर तहरी भोज का आयोजन हुआ। जिसमें विधायक विवेक वर्मा और न्यूरानपुर मुड़िया आश्रम के महंत योगी हनुमान नाथ ने शिरकत की। उप्र नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नेताओं की ओर से हुए कार्यक्रम में तहरी बांटी गई। अध्यक्ष अवनीश जायसवाल,आलोक जायसवाल, अभि जायसवाल, मो रेहान, देवदत्त सक्सेना, राजीव गुप्ता, अंकित जायसवाल, सत्यपाल आदि रहे।

सरस्वती पूजन के बाद मेडिकल छात्रों ने पेश किए कार्यक्रम

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करतीं प्राचार्य डॉ .संगीता अनेजा।

पीलीभीत, अमृत विचार : स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में शुक्रवार को बसंत पंचमी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती और उत्तर प्रदेश राज्य स्थापना दिवस को लेकर संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रभक्ति एवं शैक्षणिक मूल्यों का विकास करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत छात्र-छात्राओं द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। विद्यार्थियों द्वारा स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया गया। 2025 बैच के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना नृत्य प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा समेत समस्त संकाय सदस्यों ने मां सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्वलन किया। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रेरक भाषण दिया। जिसमें प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में 2024 एवं 2025 बैच के विद्यार्थियों ने समूह नृत्य, कविता पाठ एवं लोकगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। मेडिकल छात्र समीर राघव द्वारा की गई पृष्ठभूमि गायन की प्रस्तुति सराही गई। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने समीर राघव की संगीत प्रतिभा की प्रशंसा की। मेडिकल विद्यार्थी अदिति सिंह, देवेंद्र सिंह, हर्षित, अज़ीमा खान, पैरामेडिकल विद्यार्थी निहारिका सिंह, सुनीता, वैष्णवी ने कार्यक्रमों में सहभागिता की।

बेहतर वातावरण में अध्ययन कर सकेंगे बच्चे, मिला फर्नीचर

मोहल्ला तखान स्थित स्कूल में फर्नीचर मुहैया कराने पहुंचीं चेयरमैन, मौजूद बीएसए व बच्चे।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● चेयरमैन ने प्राथमिक व कंपोजिट स्कूलों में दिए 244 बेंच सेट

अमृत विचारः नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल के नेतृत्व में विभिन्न प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में बच्चों के बैठने की सुविधा को बेहतर बनाने के लिए बेंच-फर्नीचर सेट वितरित किए गए। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि बसंत पंचमी विद्या की देवी मां सरस्वती को समर्पित होता है। इसी के तहत नगर पालिका द्वारा शहर के प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में कुल 244 बेंच-फर्नीचर सेट उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यालय तखान में हुए कार्यक्रम में बीएसए रोशनी सिंह की उपस्थिति में मां सरस्वती का पूजन किया गया। पीली तहरी वितरित की गई। ईओ संजीव कुमार, सभासद साकेत सक्सेना, अवतार सिंह आदि रहे।

देश के लिए त्याग और अदम्य साहस की मिसाल थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः समाजवादी पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्र कट्टर की अगुवाई में कार्यकर्ता जमा हुए और सर्वप्रथम सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता संग्राम के साहसी, प्रेरणादायी और क्रांतिकारी नेताओं में से एक थे। उन्होंने तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा का नारा दिया था।

युवजन सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्रता के लिए सशस्त्र संघर्ष का मार्ग अपनाया। आजाद हिंद फौज का गठन कर ब्रिटिश साम्राज्य को सीधी चुनौती दी।

उनका विश्वास था कि आज़ादी केवल याचना से नहीं, बल्कि संगठित संघर्ष से मिलेगी। नेताजी का जीवन त्याग, अनुशासन और अदम्य साहस की मिसाल है। वे युवाओं के लिए आज भी प्रेरणा हैं।

संचालन सपा जिला उपाध्यक्ष हाजी अकबर अहमद अंसारी ने किया। इस मौके पर युवजन सभा जिलाध्यक्ष हरगोविंद गंगवार, सदाकत अली, राजीव वर्मा, सतीश कुमार, अर्जुन भारती,सुरेश चंद्र, भुवनेश कुमार, महेश गंगवार, तोताराम वर्मा, शांतिस्वरूप आदि मौजूद रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर पुष्प अर्पित करते सपा नेता। ● अमृत विचार

● सपा कार्यालय पर मनाई गई सुभाष चंद्र बोस जयंती

● उन्होंने तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा दिया

रामलुभाई की छात्राओं ने घरों पर की पूजा-अर्चना

पीलीभीत, अमृत विचार : रामलुभाई साहनी राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने शुक्रवार को सुभाष चंद्र बोस जयंती और बसंत पंचमी पर्व अपने-अपने घरों पर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया। प्राचार्य फैसल रहमान, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बरखा के निर्देशन में सभी के फोटो मंगाए गए। छात्राओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके राष्ट्र प्रेम, त्याग, बलिदान को स्मरण किया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर विद्या, बुद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्राओं ने घर पर रहकर कविता पाठ, चित्रकला एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से दोनों पर्वों का महत्व समझा।

जयंती पर याद किए गए सुभाष चंद्र बोस

पीलीभीत, अमृत विचार : आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 129 वी जयंती ग्राम बड़ागांव के बड़ाताल पर मनाईं गई। उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक देव स्वरुप पटेल ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर राम बहादुर गंगवार,अंग्रेज सिंह, राम अवतार गंगवार, प्यारे कश्यप, अरविन्द मौर्य, सोमपाल भारती, वनवारी लाल, सागर गंगवार, राम गोपाल, रामदास, नरेंद्र कुमार, अशोक पटेल, हरगोविंद, पप्पू गंगवार, विजय बहादुर, सत्य प्रकाश, प्रेमपाल, महेंद्र पाल, संतोष कुमार, भगवान दास, अंगनलाल,गिरीश चंद्र, पातीराम, जावित्री देवी आदि मौजूद रहे।

बरखेड़ा में सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण

बरखेड़ा, अमृत विचार : राजकीय इंटर कॉलेज पौटाकलां में सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। प्रधानाचार्य हामिद अली ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। वाद विवाद, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता कराई। कक्षा 10 की छात्रा शिफा प्रथम, कक्षा नौ की काम्या गंगवार द्वितीय, कक्षा 12 के छात्र शिवम कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शिक्षक हरीश कुमार, नंदकिशोर, नवीन कुमार,मोहम्मद शाहिद अंसारी, संध्या सिंह आदि मौजूद रहे। संचालन सहायक अध्यापक सुनील कुमार ने किया।

शहर में आज

- जिले के समस्त थानों में समाधान दिवस का आयोजन सुबह 10 बजे से।
- श्रीबालाजी नींव करौरी धाम काशीराम ईदगाह कॉलोनी में हवन दोपहर 12 बजे।
- जनपद के प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख का आगमन सुबह 10 बजे।
- उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर गांधी प्रेक्षागृह में कार्यक्रम सुबह 10 .30 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

युवक से ऑनलाइन ठगी, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम चिड़ियादाह निवासी मोहम्मद कासिम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि करीब तीन माह पूर्व उसने दमन एप पर ऑनलाइन रुपये लगाए थे। करीब 57 बार में 6 .80 लाख रुपये लगाए थे। इसकी ठगी कर ली गई। स्कीम बताकर रुपये जमा करने का झांसा दिया गया था। इस मामले में उसने ऑनलाइन शिकायत साइबर पोर्टल पर भी दर्ज कराई। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि साइबर सेल के माध्यम से मामले की जांच कराई जा रही है।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कामघाट निवासी लालाराम अपने पुत्र पिंटू के साथ बाइक से बरेली रिश्तेदारी में गए थे। वहां से दोनों वापस आ रहे थे। पीलीभीत मार्ग पर पटेल नगर पुलिया के पास पहुंचते ही एक बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में पिता-पुत्र घायल हो गए। उन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अभियान में 104 वाहनों का किया चालान

पीलीभीत, अमृत विचार : एसपी के निर्देशन में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को भी चेकिंग कराई गई। कई दुकानों के बाहर से अतिक्रमण भी हटवाया गया। टीएसआई राघवेंद्र सिंह ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने पर 104 वाहनों का चालान कर 108500 रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया है। 28 डग्गामार वाहनों पर कार्यवाही की गई है।

बीसलपुर से हल्द्वानी तक बस सेवा शुरू

पीलीभीत, अमृत विचार : स्थानीय रोडवेज डिपो की ओर से बीसलपुर से हल्द्वानी तक बस सेवा शुरू कर दी गई। शुक्रवार को बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने बीसलपुर स्थित ईदगाह चौराहे से बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं बस के बरखेड़ा पहुंचने पर बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने बस का उद्घाटन कर रवाना किया। यह बस बीसलपुर से रोजाना सुबह नौ बजे हल्द्वानी के लिए संचालित की जाएगी।

किशोरी को फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा : क्षेत्र के एक व्यक्ति ने करेली थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी पुत्री को बीस जनवरी को दोपहर दो बजे कोई बहला फुसलाकर ले गया। उसका कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

चूका बीच में एक और वोट सफारी, कम खर्च में सैलानी उठाएंगे लुत्फ

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व के चूका बीच में एक और वोट सफारी चलाई जाएगी। खास बात यह है कि सैलानी बेहद कम खर्च में वोट सफारी का आनंद ले सकेंगे। शुक्रवार को इको विकास समिति द्वारा संचालित मोटर वोट का पूरनपुर विधायक ने शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने सप्तसरोवर में सॉबेनियर शॉप का भी फीता काटकर उद्घाटन किया।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गांवों के विकास और यहां ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ने को इको विकास समितियों का गठन की शुरुआत की गई थी, ताकि जंगल से सटे गांवों के ग्रामीणों को जंगलों पर आश्रित न रहना पड़े। विश्व प्रकृति निधि द्वारा पीलीभीत टाइगर रिजर्व के माध्यम से अब तक 09 इको विकास समितियों का गठन किया गया। पीलीभीत टाइगर रिजर्व और विश्व प्रकृति निधि के सहयोग से ही अब इन इको विकास समितियों के माध्यम से अब जंगल से सटे इलाकों के ग्रामीणों को पर्यटन के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार भी मिल रहा है। इसी क्रम में इको विकास समिति पुरैना ताल्लुके महाराजपुर की ओर से चूका बीच में वोट सफारी का संचालन शुरू किया गया है। इसके साथ ही इको विकास समिति सेल्हा द्वारा सप्त सरोवर पर सॉबेनियर शॉप खोली गई है। इधर शुक्रवार को पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने मोटर वोट सफारी और सप्त सरोवर में स्थापित की गई सॉबेनियर शॉप का शुभारंभ किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जनपद में भी पर्यटन को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि पर्यटन के माध्यम से स्थानीय समुदाय को रोजगार से भी जोड़ा जा रहा है।इस मौके पर क्षेतीय वनाधिकारी महोफ सहेंद्र यादव, बराही के अरुण मोहन श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान पुरैना रामप्रसाद राय, निपुल बैरागी, विकास समिति सेल्हा अध्यक्ष देवव्रत, हर्षित सरकार, सुंदर लाल प्रजापति आदि मौजूद रहे।

चूका बीच में मोटरवोट सफारी का शुभारंभ करने के बाद लुत्फ लेते विधायक बाबूराम पासवान व डीडी मनीष सिंह। ● अमृत विचार

- पूरनपुर विधायक ने वोट सफारी एवं सप्त सरोवर पर सॉबेनियर शॉप का किया शुभारंभ
- डिप्टी डायरेक्टर समेत वन अफसर रहे मौजूद, इको विकास समिति करेगा संचालन

पीटीआर मुख्यालय पर शुरू हुई सफारी वाहनों की एडवांस बुकिंग

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बीते 01 नवंबर से पर्यटन सत्र चल रहा है। सैलानियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस बार टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से बराही रेंज में तीसरा नया पर्यटन गेट भी खोला गया है। सैलानियों को सुविधा के लिए सफारी वाहन संचालित किए जा रहे हैं। इन्हीं सफारी वाहनों के माध्यम से सैलानी पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल की सैर करने के साथ इको टूरिज्म स्पॉट चूका, सप्त सरोवर समेत अन्य टूरिज्म प्वाइंटों तक पहुंचते हैं। पर्यटन सत्र के दौरान सैलानी सफारी वाहनों की बुकिंग के लिए मुस्तफाबाद गेट, महोफ गेट और बराही गेट पर बने बुकिंग काउंटर पर पहुंचते है। कई-कई बार में सैलानियों को लंबी लाइन और सैलानियों की अधिक संख्या होने पर सफारी वाहनों के न मिलने पर मायूस होकर लौटना पड़ता है। इन सब झंझटों से बचने को सैलानी अकसर एक-डेढ़ घंटे पहले इन गेटों पर पहुंच रहे हैं। मगर, अब सैलानियों को इन सब मुश्किलों से दो-चार नहीं होना पड़ेगा। सैलानी अब पीटीआर मुख्यालय पर जाकर सफारी वाहनों की एडवांस बुकिंग करा सकते हैं। टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से एडवांस बुकिंग सेवा शुरू भी कर दी गई है। अब तक करीब 80 सफारी वाहनों की एडवांस बुकिंग भी हो चुकी है। एडवांस बुकिंग कराने के लिए सैलानियों को आधार कार्ड के साथ वाहन शुल्क, सैलानी प्रवेश शुल्क देना होगा। यदि सैलानी कैमरा ले जाना चाहते हैं तो उन्हें एडवांस बुकिंग के साथ कैमरा शुल्क भी देना होगा।

चाइनीज मांझे के नौ बंडल बरामद, दो युवक गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार : बसंत पंचमी पर चाइनीज मांझा की बिक्री रोकने के लिए कोतवाली पुलिस ने छापामार कार्रवाई के दौरान दो पतंग विक्रेताओं को चाइनीज मांझे की बिक्री करते पकड़ा। चाइनीज मांझे की चपेट में आकर शहर में कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने शहर के दोनों थाना प्रभारियों को बसंत पंचमी से पूर्व ही चेकिंग चलाने के निर्देश दिए थे। कोतवाली के ठेका चौकी प्रभारी मनवीर सिंह ने नावकूड़ मार्ग से नितिन मौर्य निवासी आवास विकास कॉलोनी को पांच बंडल के साथ पकड़ा। एकता सरोवर चौकी प्रभारी सुभाष यादव ने मोहल्ला बागगुलशेर खां से चीनी मांझे के चार बंडल बरामद कर लक्ष्मण मौर्य को पकड़ा। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

प्रधान का कमाल ! विकास कार्य के 1.91 लाख हड़पे, तीन सड़कों में खेल

डीएम ने वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार किए सीज, दोषी दो सचिव और इंजीनियर पर भी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: ग्राम पंचायतों में विकास कार्य कराने के नाम पर मिली धनराशि का किस कदर दुरुपयोग किया जा रहा है, इसकी बानगी ग्राम पंचायत महुआगुंदे में देखी जा सकती है। ग्रामीणों की शिकायत पर डीएम स्तर से कराई गई जांच में तीन सड़कों के निर्माण के नाम पर 1.91 लाख रुपये हड़पना पाया गया। मामला उजागर होने के बाद अब डीएम ने महुआ गुंदे के ग्राम प्रधान के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारी सीज कर दिए। वहीं जांच में दोषी पाए गए दो पंचायत सचिवों समेत कंसल्टिंग इंजीनियर के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं।

मामला पूरनपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत महुआ गुंदे का है। गांव निवासी ऋ षभ पांडेय ने शपथ पत्र सहित की गई शिकायत में ग्राम प्रधान-सचिव पर सीसी रोड घटिया सामग्री से बनाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करते हुए दुरुपयोगित धनराशि वसूलने की मांग की थी। इस पर डीएम ने जिला कृषि अधिकारी एवं जल निगम के सहायक अभियंता को जांच अधिकारी नामित किया। जांच में विकास कार्यों में 1,37,597 रुपये गबन पाया गया। जांच टीम ने ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव व कंसल्टिंग अधिकारी को प्रथम दृष्टया दोषी पाते हुए जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंप दी गई। इस मामले में प्रधान समेत अन्य सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। तीनों ने अपने जवाब दाखिल किए। अभिलेखों के परीक्षण एवं परिशीलन में रामदयाल के घर से दामोदार के घर तक, रामदयाल के घर से महेंद्र घर तक एवं रामनरेश के घर से हीरालाल तक बनाई गई सीसी रोड व नाली निर्माण के नाम पर बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा करते हुए 1,91,597 रुपये का गबन पाया गया। इस पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने कार्य में निर्धारित प्रक्रिया का पालन न करने, कूटरचित वाउचर तैयार कर धनराशि का गबन करने के मामले में ग्राम प्रधान रामपाल के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारी सीज दिए। वहीं डीएम ने प्रथम दृष्टया जांच में दोषी मिले पंचायत सचिव सुबोध कुमार एवं पंकज आर्यो एवं कंल्सटिंग इंजीनियर आसिम अली के विरुद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

● पूरनपुर ब्लाक क्षेत्र की ग्राम पंचायत महुआ गुंदे से सामने आया एक और घोटाला

बिल बाउचर मिले फर्जी, मस्टररोल में भी पकड़ा गया फर्जीवाड़ा

डीएम के निर्देश में कराई जांच में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा पाया गया। जांच रिपोर्ट के मुताबिक तीनों सड़कों के निर्माण में निर्धारित प्रक्रिया का पालन होना नहीं पाया गया। बिना किसी पूर्व स्टीमेट और प्रशासनिक स्वीकृति के कार्य शुरू होना पाया गया। इतना ही नहीं, तीनों कार्यों के अलग-अलग मस्टर रोलों में एक ही मिस्त्री की उपस्थिति एक ही दिन में दर्ज होना पाई गई। बिल बाउचर समेत अन्य अभिलेख भी फर्जी तरीके से तैयार होना पाया गया। जांच के दौरान कार्य पूरा होने के करीब चार माह बाद एमबी करना पाया गया।

> जिलाधिकारी द्वारा कराई गई जांच में ग्राम पंचायत महुआ गुंदे में वित्तीय अनियमितता पाई गई है। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित ग्राम प्रधान के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों पर रोक लगाई गई है। जांच में दोषी मिले पंचायत सचिवों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा रही है। – **रोहित भारती**, जिला पंचायत राज अधिकारी।

पूरनपुर की प्रिंटिंग प्रेस पर औषधि निरीक्षक का छापा

पीलीभीत, अमृत विचार : जनपद में नकली कफ सिरप बनाने का धंधा पकड़े जाने के बाद इसकी तह तक पहुंचने की तैयारी है। इसी क्रम में पूरनपुर की एक प्रिंटिंग प्रेस पर छापामारी की गई।

बताते है कि यहां पर ही नकली सिरप की शीशियों पर लगाने के लिए नकली रैपर यहीं छपवाए गए थे। फिलहाल अभी जांच चल रही है। बता दें कि जनपद में बीते दिनों घुंघचियाई पुलिस ने एक खुलासा किया था। जिसमें नकली कफ सिरप बनाने वाले पूरनपुर क्षेत्र के लाह गांव के सुरेश को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके पास से बड़ी बरामदगी की गई थी। जांच में यह भी सामने आया था कि इसे बनाने के लिए लोकल प्रिंटिंग प्रेस में भी गया था। वहां दो बार रैपर छपवाए ग़ए थे।

इसी को लेकर शुक्रवार को औषधि विभाग ने छापामारी की। पूरनपुर की एक प्रिंटिंग प्रेस पर टीम पहुंची और जांच की। औषधि निरीक्षक नेहा वैश्य ने बताया कि पूरनपुर प्रिंटिंग प्रेस पर गए थे। जांच की जा रही है। सभी प्रिंटिंग प्रेस के संचालको को इस संबंध में निर्देशित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद प्रिंटिंग प्रेस संचालकों में काफी खलबली रही।

ऑपरेशन सिंदूर क्विज में 18 संस्थानों के 100 छात्र बैठे

प्रतियोगिता के दौरान चर्चा करते प्रवक्ता और मौजूद छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- परीक्षा पे चर्चा के दौरान प्रश्नोत्तरी में छात्र-छात्राओं ने दिखाई जागरूकता और उत्साह

अमृत विचार : छात्रों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता ऑपरेशन सिंदूर थीम पर आधारित रही, जिसमें 18 स्कूलों और कॉलेजों के 100 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में शुक्रवार को परीक्षा पे चर्चा के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया। प्राचार्य असलम जावेद ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण किया। फिर परीक्षा पे चर्चा की उपयोगिता बताते हुए प्रधानमंत्री के दूरदर्शी शैक्षिक विजन पर प्रकाश डाला। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय के साथ जवाहर नवोदय विद्यालय बीसलपुर, ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राम इंटर कॉलेज, वीरांगना अवंतीबाई जिला पंचायत इंटर कॉलेज, एसएन इंटर कॉलेज, बेनहर पब्लिक स्कूल, लिटिल एंजेल्स स्कूल, ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल, चिरौंजीलाल वीरेंद्रपाल सरस्वती विद्या मंदिर, लायंस बाल विद्या मंदिर, स्प्रिंगडेल कॉलेज, इनीशियम ग्लोबल स्कूल, पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय कैंच, दिल्ली पब्लिक स्कूल, फ्यूचर इंटरनेशनल स्कूल और आर्य कन्या इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

बच्ची और 14 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म

संवाददाता, पीलीभीत/बीसलपुर

- सदर कोतवाली और बीसलपुर क्षेत्र में हुईं घटनाएं, रिपोर्ट दर्ज
- एक मामले में बनाई गई वीडियो, पुलिस कार्रवाई में जुटी

अमृत विचार: मासूम बच्चियों से दरिंदगी से जुड़ी दो घटनाएं सामने आई है। शहर में दस वर्षीय बालिका से एक युवक ने दुष्कर्म किया । वहीं, बीसलपुर क्षेत्र में चौदह वर्षीय किशोरी से दरिंदगी की घटना की गई। उसकी आपत्तिजनक वीडियो भी मुख्य आरोपी का साथी बनाता रहा। दोनों थानों की पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है।

बीसलपुर कोतवाली में दी गई तहरीर में एक महिला ने बताया कि 21 जनवरी की रात करीब 11 बजे गांव के ही अवनीश पुत्र धर्मपाल ने कॉल करके पीड़िता की 14 वर्षीय पुत्री को अपने पास बुला लिया। इसके बाद जब पुत्री वहां चली गई। फिर वहां पर प्रशांत गंगवार सिगरेट पी रहा था। इसके बाद अवनीश किशोरी को गांव के ही हर्ष उर्फ विनीत के घर लेकर चला गया। प्रशांत ने जब ये देखा तो उसने अपने दोस्त विकास, शरद और सुमित को भी बुला लिया। इसके बाद आरोप है कि विकास किशोरी को खंडहर नुमा मकान में ले गया। वहां पर प्रशांत ने किशोरी से दुष्कर्म किया। आरोपी विकास ने आपत्तिजनक वीडियो बनाई और अन्य आरोपी भी मदद करते रहे। घर आकर पुत्री ने खुद के साथ ही दरिंदगी की घटना बताई। जिसे सुनकर परिवार वाले दंग रह गए। बीसलपुर कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि पांच आरोपी प्रशांत, अवनीश, विकास, शरद और सुमित के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और सामूहिक दुष्कर्म की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर जांच कराई जा रही है।

उधर, सदर कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 21 जनवरी की शाम छह बजे उसकी दस वर्षीय पुत्री को क्षेत्र का एक युवक अपने घर ले गया। इसके बाद डरा धमकाकर पुत्री से दुष्कर्म किया। इसके बाद धमकी देकर घर भेज दिया। पुत्री रोते हुए घर पहुंची। पूछने पर उसने घटना बताई। जिसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराकर मामले की जांच कर रही है।

बैठक में खेल विकास एवं प्रोत्साहन पर हुई चर्चा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक शुक्रवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में गांधी सभागार में हुई। समिति के सदस्यों ने डीएम के समक्ष वॉलीबॉल ,बैडमिंटन, क्रिकेट के कोच न होने को लेकर आ रही समस्याएं रखीं। कहा कि इससे प्रतिभाओं को निखारने में दिक्कत हो रही है। डीएम ने जिला खेल अधिकारी को कोच की नियुक्ति के संबंध में कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैडमिंटन हॉल में गंदगी न रहे इसलिए एक सफाई कर्मी की नियुक्ति अलग से की जाएगी। बैडमिंटन के शौकिया खिलाड़ियों के लिए अब 500 रुपये प्रति माह फीस की जगह 800 रुपये प्रति माह जिला खेल कार्यालय में जमा करने होंगे। बैडमिंटन हॉल में क्लीनिंग मशीन भी लगाए जाने की सहमति बन गई। डीएम ने निर्देश दिए जिम को और बेहतर बनाया जाए। जिम में एसी, एलईडी जैसी कई महत्वपूर्ण सुविधा दी जाएगी। ग्रामीण अंचलों में खेल की सुविधाएं बेहतर हो इसको लेकर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने जिला युवा कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि ग्रामीण अंचलों में खेल स्टेडियम की जगह तलाशी जाए और वहां पर खेल गतिविधियां कराई जाए। खेलों को बढ़ावा देने के लिए न्याय पंचायत स्तर पर एक स्टेडियम बनाए जाने की शासन की मंशा है इसको लेकर डीएम ने सभी को निर्देश दिए कि इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह ने बताया कि तहसील सदर के नावकुंड गांव में खेल की जगह पर विचार किया जा सकता है, इसको लेकर नाप जोख कराई जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने कहा कि जिम में महिला प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाए जिससे महिलाएं भी जिम में जा सकती हैं। बताया कि स्टेडियम के अंदर 50 मीटर की सड़क स्वीकृत की जा चुकी है। जल्द ही नगर पालिका निर्माण शुरू कराएगी। बैठक में सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, सिटी मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर, सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ,डीआईओएस राजीव कुमार , डीपीआरओ रोहित कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्र मोहन बिश्नोई, वरिष्ठ कोषाधिकारी सुरेश कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह व अन्य। ● अमृत विचार

- नगरपालिका चेयरमैन, डीएम समेत कई अधिकारी हुए शामिल

अब खाली प्लॉट का भी लगेगा टैक्स, सर्वे शुरू

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नगरपालिका क्षेत्र में खाली पड़े प्लॉट भी कर के दायरे में आएंगे। नगरपालिका प्रशासन ने संपत्ति कर को लेकर व्यापक सर्वे अभियान शुरू करा दिया है। इसके तहत वार्डवार गठित टीमें घर-घर और गली-गली जाकर खाली प्लॉट, बने हुए मकान और व्यावसायिक भवनों का भौतिक सत्यापन कर रही हैं। लंबे समय से कर निर्धारण से बाहर रहे खाली भूखंडों पर टैक्स लगाए जाने की तैयारी से नागरिकों में खलबली मची हुई है। इस जीआईएस सर्वे के दौरान जिन मकानों और संपत्तियों का पंजीकरण छूट गया था, उन्हें भी अब सूची में शामिल किया जाएगा। इससे कर दायरा बढ़ेगा और कर चोरी पर प्रभावी रोक लग सकेगी।

बता दें कि नगरपालिका क्षेत्र में 26500 आवासीय मकान हैं। इसके अलावा शहर के भीतर अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट मिलाकर करीब 800 कमर्शियल संपत्ति है। पालिका प्रशासन घरों, प्रतिष्ठानों व सरकारी भवनों को पानी, सीवरेज समेत अन्य सुविधाएं प्रदान कराता है। अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले भवनों पर कर लगाकर वसूली की जाती है। टैक्स वसूलने के लिए टीम बनी हुई है। इसके बाद भी शहर के तिहाई हिस्से से टैक्स की वसूली नहीं हो पा रही थी। कई सालों से टैक्स डूबा चल रहा है। इनमें आमजन मानस के साथ सरकारी विभाग भी शामिल हैं। यह सर्वे करीब वर्ष 2009 के करीब का है। जिसके आधार पर टैक्स चल रहा है। मगर वर्तमान समय में मकान और कमर्शियल का दायरा बढ़ चुका है। इसको लेकर अब नगरपालिका की ओर से जीआईएस सर्वे कराया जा रहा है। पूर्व में टेंडर निकालकर यह कार्य लखनऊ की एक फर्म को दिया गया है। जिसके तहत कार्यदायी संस्था के युवा घर-घर जाकर सर्वे कर रहे हैं। सर्वे रिपोर्ट वह मकान कितने गज में बना हुआ है और पक्का या कच्चा बना हुआ है। घर के आगे नौ मीटर चौड़ी सड़क है या उसे अधिक है। यह जानकारी फार्म पर भरने के बाद उसे कार्यालय में जमा कराया जा रहा है। ताकि उस पर टैक्स लागू हो सके। कयास लगाए जा रहे हैं इस सर्वे के पूरा होने के बाद नगरपालिका के दायरे में करीब मकानों की संख्या 40 हजार के आसपास पहुंच जाएगी। साथ ही खाली पड़े प्लाट का भी सर्वे कर उस पर भी टैक्स लागू किया जाएगा।

- नगर पालिका ने गठित कीं टीमें वार्डवार कर रहीं सर्वेक्षण कार्य, नागरिकों में मची खलबली
- जीआईएस सर्वे के दौरान छूटे हुए मकान भी इस प्रक्रिया में किए जाएंगे शामिल

> नगरपालिका की ओर से जीआईएस सर्वे कराया जा रहा है। इस सर्वे के तहत मकान और खाली प्लाट का सर्वे हो रहा है। जिसके बाद उन पर टैक्स लागू किया जाएगा। अभी सर्वे जारी है। – **संजीव कुमार**, ईओ नगरपालिका

रहस्यमय ढंग से किशोरी लापता रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 20 जनवरी की शाम करीब साढ़े चार बजे उसकी 17 वर्षीय पुत्री ट्यूशन पढ़ने के लिए बैग लेकर घर से निकली थी। देर शाम तक घर वापस नहीं आई। काफी खोजबीन करने पर उसका कोई सुराग नहीं लगा। परिजनों ने अज्ञात युवक पर अपनी पुत्री को बहला फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई है। उसकी पुत्री कक्षा 11 की छात्रा है।

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की बरामदगी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। वहीं परिजनों का कहना है कि घर से उनकी बच्ची सही निकली थी। बच्ची को सभी जगह खोजा जा चुका है। परिजनों को अनहोनी की आशंका है।

अधीक्षक पद से हटाए गए डॉ. लेखराज

संवाददाता, बीसलपुर

- बीसलपुर के पुन : सीएचसी अधीक्षक बने डॉ. आलमगीर

अमृत विचार: प्रसव के दौरान लापरवाही से हुई शिशु की मौत के मामले में पीड़ित द्वारा मुखमंत्री आवास के समक्ष आत्मदाह करने की दी गई चेतावनी व चिकित्सालय के स्वास्थ्य कर्मियों व चिकित्सकों द्वारा विधायक आवास पर पहुंचकर विरोध जताने का असर हुआ।विरोध और शिकायत के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नियुक्त किए गए अधीक्षक डॉ. लेखराज को अपर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं बरेली मंडल के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। उनके खिलाफ जांच के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जारी किए गए हैं।

बता दें कि विवादों में घिरे डॉ लेखराज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अधीक्षक पद से तीन माह पूर्व हटा दिया गया था। उनके स्थान पर डॉ.आलम गिरी को अधीक्षक नियुक्त किया गया। गुरुवार को डॉ लेखराज को मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आलोक कुमार द्वारा पुनः अधीक्षक नियुक्त कर दिया गया। उनकी तैनाती की भनक लगते ही अस्पताल के कर्मचारियों व चिकित्सकों ने सामूहिक रूप से विरोध जताते हुए विधायक आवास पर पहुंचकर विधायक विवेक वर्मा को ज्ञापन देकर डॉक्टर लेखराज के उपेक्षित व्यवहार की शिकायत की।

विधायक ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आलोक कुमार से वार्ता कर विवादित अधीक्षक को चिकित्सालय से हटाकर पूर्व में तैनात डॉ आलम गिरी को अधीक्षक बनने को कहा। उन्होंने इस मामले से अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं बरेली मंडल से भी मामले की शिकायत की। उधर, मोहल्ला बख्तावर लाल निवासी युवक ने डॉ लेखराज की लापरवाही से पत्नी के प्रसव के दौरान शिशु की मृत्यु हो जाने की मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए उन्हें बीसलपुर चिकित्सालय से न हटाए जाने पर मुख्यमंत्री आवास के समक्ष आत्मदाह करने की चेतावनी दी। मोहल्ला गयासपुर निवासी सरताज पत्नी के प्रसव में लापरवाही के मामले में लेखराज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाने की मांग को लेकर अस्पताल गेट पर परिवार के साथ धरने पर बैठ गया था। विरोध के चलते अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं बरेली मंडल के निर्देश पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने डॉ लेखराज का अधीक्षक पद का आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए पूर्व में तैनात चिकित्सक डॉक्टर आलम गिरी को अधीक्षक नियुक्त कर दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने डां लेखराज के अधीक्षक पद का आदेश निरस्त किए जाने की पुष्टि की।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 24 जनवरी 2026

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

कटैया के प्रधान पुत्र की गुमशुदगी दर्ज

बिलसंडा : ब्लॉक क्षेत्र के गांव कटैया की ग्राम प्रधान का पुत्र सुनील रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। वह गांव से पंचायत के कार्यों के लिए ब्लॉक आया था। उसने बाइक ब्लॉक में खड़ी कर दी थी। देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो तलाश की गई। मगर कोई सुराग नहीं लगा।प्रधानपति वेदपाल की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है।

जालसाज ने 59 हजार रुपये ठगे

बरखेड़ा, अमृत विचार : सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 59 हजार रुपये ठग लिए गए। गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। गांव खगाई निवासी रजनीश कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 21 जनवरी को सुबह करीब साढ़े दस बजे उसके पास कॉल आई। कॉल करने वाले ने अपना नाम मुकेश कुमार बताया। सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का लालच देते हुए विश्वास में ले लिया। आरोपी ने क्यूआर कोड भेजते हुए उस पर रुपये डालने को कहा। इस पर पीड़ित ने 59 हजार रुपये दो दिन में डाल दिये। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उससे और रुपये की मांग की। इसके बाद आरोपी ने अभद्रता कर धमकाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ससुरालियों पर दर्ज कराई रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के गांव बनौसा की खुशबू पुत्री चंद्रपाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी चार वर्ष पूर्व थाना बरखेड़ा के गांव डड़िया राझे निवासी नितिन कुमार से हुई थी। शादी के बाद से ही अधिक दहेज की मांग को लेकर उसे मारा पीटा। उसके एक वर्ष का पुत्र देव है। मायके वालों ने ससुराल वालों को समझाया लेकिन फिर भी वह लोग नहीं माने। पति नितिन, सास सुमन, ससुर चंद्रपाल, देवर जितिन ने मारा पीटा। जान से मारने की धमकी दी। एक माह पूर्व घर से निकाल दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

ड्रमंड कॉलेज में बनेगा हाईटेक मिनी स्टेडियम, 4.97 करोड़ आएगी लागत

मिनी स्टेडियम में इनडोर और आउटडोर दोनों खेलों की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए सौगात मिली है। शासन ने अलंकार योजना के तहत शहर के ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त मिनी स्टेडियम के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इसके लिए 4.97 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। स्टेडियम बनने से जिले के खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर मंच मिलेगा।

बता दें कि जिले में संचालित हो रहे राजकीय इंटर कॉलेज में खेलकूद के लिए कोई सुविधा नहीं है। शहर में भी मात्र एक गांधी स्टेडियम ही बना हुआ है। ऐसे में पढ़ाई के साथ जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में शासन ने निर्णय लिया है। अलंकार योजना के तहत ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा। जिसकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस योजना के लिए चार करोड़ 97 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस स्टेडियम का निर्माण भी उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम (यूपीसीडगो) के माध्यम से कराया जाएगा। स्टेडियम को दो मंजिला और बहुउद्देशीय स्वरूप में विकसित किया जाएगा। इसमें एक मुख्य हाल और एक मल्टीपर्पज हाल बनाया जाएगा, जहां विभिन्न इनडोर खेलों का आयोजन और अभ्यास संभव होगा। परियोजना के लिए कॉलेज परिसर की लगभग 1800 वर्ग मीटर भूमि चिन्हित की गई है। स्टेडियम परिसर में खिलाड़ियों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम, शौचालय और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था भी की जाएगी। यूपीसीडगो ने निर्माण से जुड़ी तैयारियां शुरू कर दी हैं और जल्द ही कार्य आरंभ होने की उम्मीद है।

ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज का भवन। ● अमृत विचार

- कॉलेज छात्रों के साथ ही अन्य खिलाड़ी भी स्टेडियम का लाभ उठा
- खिलाड़ियों को अभ्यास व प्रतियोगिता के लिए मिलेगा स्थान

यह मिलेंगी स्टेडियम में सुविधाएं

कॉलेज में बनाए जा रहे मिनी स्टेडियम में छात्र-छात्राओं को तमाम खेल सुविधाएं दी जाएंगी। खिलाड़ियों के लिए हैंडबाल, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल के लिए एक-एक कोर्ट, बैडमिंटन के लिए चार कोर्ट, जबकि कुश्ती और कबड्डी के लिए अलग-अलग कोर्ट बनाए जाएंगे। जहां खिलाड़ी अभ्यास करेंगे।

जिले के खिलाड़ियों के लिए यह अच्छी खबर है। ड्रमंड कॉलेज के मैदान में मिनी स्टेडियम के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। निर्माण संस्था का चयन हो चुका है और जल्द ही कार्य शुरू कराया जाएगा। – **राजीव कुमार सिंह**, डीआईओएस

पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का समापन

बरखेड़ा, अमृत विचार: कस्बे में गायत्री परिवार के तत्वाधान में युग ऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी के अवसर पर चल रहे पांच दिवसीय श्रीमद् पावन प्रज्ञा पुराण कथा, पंच कुंडीय राष्ट्र जागरण अभियान एवं गायत्री महायज्ञ का शुक्रवार को समापन हो गया।

वार्ड नंबर चार कुंदरपुर गौटिया में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में प्रतिदिन शाम छह बजे से रात के नौ बजे तक प्रज्ञा पुराण कथा हुई।

अंतिम दिन शुक्रवार को दीप महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने विधि विधान से आहुतियां दी। इस मौके पर रविंद्र, पुष्पेंद्र सिंह, बुद्धसेन गंगवार, नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल, लक्ष्मीकांत भोजवाल, दीनदयाल गंगवार, भगवानदास भोजवाल, प्रमोद भोजवाल, रामकृष्ण भोजवाल, यशपाल भोजवाल, नरेंद्र गंगवार आदि मौजूद रहे।

जन सुविधाओं और रिक्त पदों को भरने पर हुई चर्चा

पोस्ट फोरम की बैठक में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: प्रधान डाकघर में शुक्रवार को पोस्ट फोरम की बैठक आयोजित की गई। इसमें डाक विभाग के अधिकारियों और फोरम के सदस्यों ने हिस्सा लिया। डाक सेवाओं को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं को होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान सदस्यों ने डाक सेवाओं में सुधार के लिए कई सुझाव दिए। फिलेटली विभाग से संबंधित चर्चा में मांग की गई कि टिकटों के माध्यम से बुक किए गए आर्टिकल पर डाक टिकटों की निरस्तीकरण मानक प्रक्रिया के अनुसार की जाए। साथ ही, पिछले कई वर्षों से रिक्त पड़े जनसंपर्क निरीक्षक के पद को शीघ्र भरने की मांग उठाई गई, ताकि डाक वितरण और जन-सामान्य की शिकायतों का त्वरित निस्तारण हो सके। सदस्यों ने डाकघर में जनता और कर्मचारियों के बैठने के लिए पर्याप्त फर्नीचर व कुर्सियों की व्यवस्था करने, मुख्य सड़क पर डाकघर का डिस्प्ले बोर्ड लगाने का सुझाव दिया। खकरा उपडाकघर के जर्जर भवन का मुद्दा भी उठा। इस मौके पर पोस्टमास्टर नरेश कुमार, लक्ष्मण सिंह, रमाकांत शर्मा, विक्रम सेन सक्सेना, डॉ. अमिताभ अग्निहोत्री, हर्षल सिंह, तेजभान मौर्य आदि मौजूद रहे।

- प्रधान डाकघर में हुई पोस्ट फोरम की बैठक

प्रधान पति ने साथियों के साथ भंडारे में किया हंगामा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : गांव में चल रहे भंडारे को ग्राम प्रधान पति ने अपने साथियों के साथ मिलकर विरोध जताया। भंडारा कर रहे ग्रामीणों के साथ मारपीट करते हुए भंडारे में इस्तेमाल होने वाले खाने (प्रसाद) को फेंक दिया। जिससे अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने सुनगढ़ी पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम सड़िया निवासी महेशपाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 22 जनवरी को राम जन्मभूमि में बने राम मंदिर के स्थापना दिवस पर गांव में भंडारे का आयोजन किया था। इस दौरान गांव प्रधान का पति रिंकू शर्मा,ललित शर्मा,राजू शर्मा अपने अन्य साथियों के साथ वहां आ गया। आरोप है कि सभी ने भंडारे का विरोध किया। बिना पूछे भंडारे का आयोजन करने की बात कहकर धमकाया गया। आरोपी ने वहां मारपीट करना शुरू कर दी। भंडारे में इस्तेमाल होने वाली सब्जी और अन्य खाने पीने के सामान को फेंक दिया। जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों के एक़त्र होकर विरोध जताने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। मामले की सूचना करीब दो दर्जन लोगों ने एकत्र होकर सुनगढ़ी पुलिस को दी। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच की। इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- ग्रामीणों ने एकत्र होकर जताया विरोध, गांव में पुलिस बल पहुंचा
- थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के गांव सड़िया का है मामला,आरोपी हुए फरार

ब्लैक आउट मॉक ड्रिल में नागरिकों को बचाने का अभ्यास

मॉक ड्रिल के दौरान जान बचाने के तरीके बताती स्वास्थ्य टीम। ● अमृत विचार

मॉक ड्रिल के मौके पर जमा हुए डीएम ज्ञानेंद्र सिंह समेत अन्य अधिकारी व नागरिक सुरक्षा कोर के सदस्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन शुक्रवार शाम को किया गया। हवाई हमले की चेतावनी पर सायरन ध्वनित का प्रयोग किया गया। सायरन बजते ही विद्युत व्यवस्था बाधित कर ब्लैक आउट किया गया।

सायरन ध्वनित होने पर नागरिकों द्वारा सुरक्षित स्थान/शेल्टरों में शरण ली गई। हवाई हमले के दौरान घायलों को तुरन्त सुरक्षा बलों, आपदा मित्रों व चिकित्सीय टीम मौके पर पहुंची बचाव कार्य किए गए। घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाया गया। हवाई हमले की चेतावनी समाप्त होने के बाद नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों द्वारा छोटी आग बुझाने के लिए फायर एक्सटिंगुशर का प्रयोग और फायर सर्विस द्वारा बड़ी आग बुझाने के लिए टेंडर वेहिकल का प्रयोग किया गया। खतरा समाप्त होने पर ऑल किल्यर ध्वनि में सायरन ध्वनित दो मिनट तक ऊंची आवाज में की गई। डीएम ने कहा कि मॉक ड्रिल का उददेश्य यह है कि जब हमारे ऊपर किसी भी तरह की आपदा आती है चाहे वह युद्ध की हो अन्य किसी भी तरह की। उस वक्त हम अपने नागरिकों को कैसे बचा सकते हैं। किस तरह सुरक्षा कर सकते हैं। यह मॉक ड्रिल इसका अभ्यास है। उन्होंने कहा कि हमारे नागरिक व समस्त विभागों को आपदा के समय नागरिकों की सुरक्षा के लिए जागरूक करना है। इस मौके पर डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह, एएसपी विक्रम दहिया, एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, सीएमओ डॉ.आलोक कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, एसडीएम न्यायिक पवन कुमार सिंह, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, नागरिक सुरक्षा कोर के चीफ वार्डन समाजसेवी अमृतलाल, डॉ. प्रेम सागर शर्मा, कविता वंशवाल आदि मौजूद रहे।

- ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में डीएम की मौजूदगी में किया आयोजन
- स्वयंसेवकों ने छोटी और बड़ी आग बुझाने के लिए टेंडर व्हीकल का भी प्रयोग करके देखा

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

11 किसानों को मिलेंगे कृषि यंत्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत अनुदान पर कृषि यंत्र लेने वाले किसानों का ई-लॉटरी के माध्यम से 11 किसानों का चयन किया गया। ई-लॉटरी प्रक्रिया सिटी मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में संपन्न कराई गई। इसको लेकर जिले भर के करीब 200 किसानों ऑनलाइन आवेदन किए थे।

प्रदेश सरकार ने कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्राप रेज्ड्यू (सीआरएम) योजना चलाई जा रही है। योजना के अंतर्गत जनपद के किसानों को अनुदान पर कंबाइन हार्वेस्टर, बेलर समेत अन्य कृषि यंत्र दिए जाने हैं। इसको लेकर जनपद भर से करीब 200 किसानों ने आवेदन किया था। इसके लिए पात्र किसानों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाना था। इधर शुक्रवार को एनआईसी में सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर की अध्यक्षता ई-लाटरी के प्रकिया संपन्न कराई गई। जिसमें 11 किसानों का चयन किया गया। ई-लॉटरी में चयनित एवं प्रतीक्षारत किसानों को उनके मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से चयन एवं बिल अपलोड की अंतिम सूचना पोर्टल के माध्यम से भेजी गई। उप निदेशक राममिलन परिहार ने बताया कि लक्ष्य की सीमा तक चयनित लाभार्थियों द्वारा निर्धारित समय अवधि में कृषि यंत्र क्रय न करने की दशा में अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष ई-लाटरी द्वारा तैयार प्रतीक्षा सूची के क्रम में लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। इस दौरान जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक समेत किसान मौजूद रहे।

ई-लाटरी प्रक्रिया के दौरान मौजूद सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर व अन्य।

- सिटी मजिस्ट्रेट की देखरेख में हुई ई-लाटरी प्रक्रिया, किसानों ने किए थे ऑनलाइन आवेदन

ग्रामीण को पीटा

बरखेड़ा, अमृत विचार: क्षेत्र के गांव नगरा फिजा के शहाबुद्दीन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव का मोहम्मद उमर, उसके पिता सददीक बक्स 22 जनवरी को खेत पर पॉपुलर के पेड़ जबरन उखेड़ने लगे। विरोध करने पर मारपीट की। फावड़े से सिर पर प्रहार कर दिया। जान से मारने की धमकी दी। पुत्री साबरी को भी पीटा। पुलिस ने पिता पुत्र के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

आज तीन घंटे विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बीसलपुर: विद्युत उपखंड अधिकारी प्रवीण सिंह कनौजिया ने बताया कि 33 केवीए विद्युत उपखंड बीसलपुर नगर पर निर्वाध विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिए अनुसरण कार्य किया जाना प्रस्तावित है। जिसके चलते आज शनिवार को तीन घंटे सप्लाई बाधित रहेगी। बिजली के तारों से सटी पेड़ों की छटाई का कार्य किया जाएगा।

रक्तदान कर बने महादानी पूजन के बाद हुआ भंडारा

कार्यक्रम की शुरुआत कराते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: जिला चिकित्सालय स्थित तुलसी वाटिका में बसंत पंचमी और सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर फल वितरण, रक्तदान किया गया। मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। मुख्य अतिथि डीएम ज्ञानेंद्र सिंह शुरुआत कराई। कार्यक्रम आयोजक रक्तदाता हरिओम बाजपेई नादान नर -नारायण सेवा संस्थान कीओर से 79 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान भंडारा भी कराया गया। इस मौके पर संजय अग्रवाल, चिरंजीव गौर, नगर अध्यक्ष भाजपा इंद्रेश सिंह चौहान, सीएमएस पुरुष अस्पताल डॉ. रमाकांत सागर, सीएमएस महिला अस्पताल डॉ. राजेश कुमार, डॉ.पारुल, डॉ.अनीता चौरसिया आदि मौजूद रहे।

बंद सिनेमाहाल पुनः संचालित कराने की मांग

पीलीभीत, अमृत विचार: शहर के मोहल्ला भूरे खां में शुक्रवार को पूर्व सभासद मोहम्मद आमिर खां के कैंप कार्यालय में हुई बैठक में शहर के बंद विशाल सिनेमा हॉल को पुनः संचालित कराने की मांग की गई। शहरवासियों ने 26 जनवरी को सिनेमा हॉल में देशभक्ति फिल्म लगाकर संचालन शुरू कराने की मांग की। कोविड के दौरान प्रदेश में सभी सिनेमा हाल बंद कराए गए थे। करीब दो साल बाद अधिकांश सिनेमा हाल चालू हो गए। मगर शहर का विशाल सिनेमा हाल चालू नहीं हो सका था। बैठक में पूर्व सभासद मोहम्मद आमिर, नियाज अहमद, मोहम्मद आसिफ खां, मुदस्सिर खां, डॉ. फैसल खां, डॉ. मोहम्मद अफसर, समाजसेविका आसिया खान, शमा परवीन समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बेलगाम संचालन..तय सीमा से अधिक दूरी पर ढो रहे सवारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों को लेकर होने वाली बैठकों और अभियानों के दावों की हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। ऑटो संचालन पूरी तरह बेलगाम हो चुका है। तय मानकों और परमिट शर्तों को ताक पर रखकर ऑटो-टेंपो न केवल क्षमता से अधिक सवारियां ढो रहे हैं, बल्कि निर्धारित दूरी से कई गुना ज्यादा मार्गों पर दौड़ रहे हैं। जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते अवैध संचालन आम हो गया है, जिससे एक ओर जहां राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हर दिन हादसे का खतरा मंडरा रहा है।

बता दें कि उप संभागीय परिवहन विभाग के रिकॉर्ड में जिले में लगभग 1300 ऑटो पंजीकृत हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि मौजूदा समय में करीब 2000 ऑटो सड़कों पर फर्राटा भर रहे हैं। इनमें से अधिकांश ऑटो न सिर्फ बिना वैध परमिट के चल रहे हैं, बल्कि तय रूट और दूरी की भी धज्जियां उड़ा रहे हैं। नियमों के अनुसार ऑटो को केवल 16 किलोमीटर की परिधि में संचालन की अनुमति है, लेकिन इसके बावजूद छतरी चौराहा और गौहनिया चौराहा से खटीमा तक, असम चौराहा से पूरनपुर तक खुलेआम सवारियां भरी जा रही हैं। इतना ही नहीं, असम चौराहा से बीसलपुर, बरेली और नवाबगंज तक भी क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर ऑटो दौड़ते देखे जा सकते हैं। यातायात माह के दौरान विभाग द्वारा जागरूकता अभियान और कार्रवाई की बातें जरूर कही जा रही हैं, लेकिन प्रभावी निगरानी और सख्त प्रवर्तन के अभाव में ऑटो संचालकों के हौसले बुलंद हैं। तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग और मनमाना किराया वसूलना आम बात हो गई है। गजरौला से पूरनपुर क्षेत्र में तो ऑटो चालक यात्रियों से तय दरों से कहीं अधिक किराया वसूल रहे हैं। नियमों की अनदेखी और जिम्मेदार अधिकारियों की ढिलाई का नतीजा यह है कि हर दिन सैकड़ों यात्री अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। सवाल यह है कि जब सब कुछ अधिकारियों की नजर में है, तो आखिर कब तक अवैध और खतरनाक ऑटो संचालन पर प्रभावी लगाम लगाई जाएगी।

असम चौराहा से सवारी बैठाकर ले जाता टेंपो। ● अमृत विचार

- 16 किमी के परमिट पर 40 से अधिक किमी तक दौड़ रहे वाहन
- राजस्व को नुकसान, हादसे का भी खतरा

मालवाहक से भी ढोह रहे सवारी

परमिट से अधिक दूरी के अलावा जिले में मालवाहक वाहन से भी सवारियां बैठाई जा रही है। जिसमें सबसे अधिक पूरनपुर, माधोटांडा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी संचालित हो रहे हैं। कई बार देखा जाता है। तीन पाहिया वाले टेंपो, ट्रैक्टर-ट्रॉली आदि में भी सवारियां बैठाकर चलते हैं। जो हादसे का कारण बनते हैं। कई बार हादसे भी हो चुके है। मगर इसके बाद भी जिम्मेदार खामोश बैठे हुए हैं। यह हाल तब है जब सड़क सुरक्षा माह चल रहा है।

टेंपो संचालन की तय सीमा है। उसके तहत ही टेंपो और मैजिक का संचालन हो रहा है। अगर कोई नियम विरुद्ध तरीके से संचालित करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाती है। चेकिंग भी चल रही है। कई टेंपों के खिलाफ कार्रवाई भी हुई है। – **वीरेंद्र सिंह**, एआरटीओ

न्यूज ब्रीफ

बुजुर्ग महिला ने खाया जहर, मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना मझगई क्षेत्र के गांव बौधिया कलां निवासी एक बुजुर्ग महिला ने गुरुवार की रात करीब आठ बजे अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सीएचसी निघासन ले गए। डॉक्टरों के रेफर करने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां महिला की मौत हो गई। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गांव बौधिया कलां निवासी सरला देवी (60) ने गुरुवार की रात अज्ञात कारणों के चलते घर में ही रखा कोई जहर पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिवार वालों को जानकारी हुई। इससे उनमें हड़कंप मच गया। आनन-फानन में परिजन उन्हें लेकर सीएचसी निघासन पहुंचे, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक मिलकर्मी के परिवार को सौंपा चेक

मैगलगंज, अमृत विचार : अजबापुर मिल के कचनार स्थित गन्ना क्रय केंद्र पर कार्यरत कर्मचारी संजय मिश्र की 16 जनवरी की शाम दुर्घटना में मौत हो गई थी। अजबापुर मिल के कर्मचारियों व अधिकारियों के सहयोग से संकलित 1,14,302 की सहायता राशि शुक्रवार को महाप्रबंधक (गन्ना) डॉ एच के. त्रिपाठी, धीरेन्द्र मिश्र एवं जितेन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से पीड़ित परिवार को सौंपी। उप महाप्रबंधक (गन्ना) एकेएस बघेल, धीरेन्द्र मिश्र, सरोज मिश्र, जितेन्द्र सिंह, ओमकार सिंह, रीजनल हेड रमेश चौधरी, गेट इंचार्ज सूर्य प्रकाश मिश्र, गौतम कटियार, श्रीकांत दीक्षित, प्रदुमन शुक्ला आदि ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

छत पर पतंग उड़ाते समय गिरा मासूम

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : बसंत पंचमी पर्व पर शुक्रवार को छत पर पतंग उड़ाते समय मैलानी थाना क्षेत्र के गांव सिसनौर निवासी सात वर्षीय मासूम निखिल पुत्र रजनीश नीचे गिर गया। घायल अवस्था में परिजनों ने उसे इलाज के लिए सीएचसी भर्ती कराया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

आरओबी पर कल से दौड़ेंगे वाहन

25 जनवरी को खुलेगा फरधान आरओबी, गोला मार्ग पर यातायात होगा सुगम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर लखीमपुर खीरी वासियों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। एनएच-730 पर स्थित बहुप्रतीक्षित फरधान आरओबी (रोड ओवर ब्रिज) को 25 जनवरी को जनता के लिए खोलने की तैयारी अंतिम चरण में है। इसके शुरू होते ही लखीमपुर से गोला आने-जाने वालों को जाम से निजात मिलेगी और सफर पहले से कहीं ज्यादा सुगम होगा।

शुक्रवार को सीडीओ अभिषेक कुमार ने फरधान आरओबी निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधूरे कार्य को लेकर सीडीओ ने कड़ी नाराजगी जताई और कार्यदायी संस्था को दो दिन के भीतर शेष कार्य पूर्ण करने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और तय समय सीमा में काम पूरा हर हाल में कराया जाए। सीडीओ ने बताया कि फ्लाईओवर के चालू हो जाने से फरधान रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले लंबे जाम से लोगों को राहत मिलेगी। खासकर स्कूली वाहन, एंबुलेंस और रोज़ाना आवागमन करने वाले लोगों का समय बचेगा। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा मानकों, रोड मार्किंग, लाइटिंग और अप्रोच रोड को दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए। फरधान आरओबी के शुरू होने से न केवल यातायात सुचारू होगा, बल्कि क्षेत्र के व्यापार और आवागमन को भी नई रफ्तार मिलेगी। वर्षों से प्रतीक्षित इस फ्लाईओवर को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह है और गणतंत्र दिवस से पहले इसे खुलवाने की प्रशासनिक पहल की सराहना की जा रही है।

ओवरब्रिज का निरीक्षण करते सीडीओ अभिषेक कुमार और एनएचएआई के अभियंता।

- **सीडीओ ने औचक निरीक्षण कर अधूरे कार्य पर जताई नाराजगी, दो दिन का दिया अल्टीमेटम**

ओवरब्रिज तैयार होने में लग गए पांच साल

पीलीभीत-बस्ती नेशनल हाईवे पर स्थित फरधान रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज बनने में पांच साल का समय लग गया। कोरोना संक्रमण के दौरान से लेकर अन्य रुकावटों के कारण इसमें देरी होती चली गई। अनेक घटनाएं हुईं। यातायात लगातार प्रभावित हो रहा है। इसका निर्माण साल 2021 में शुरू हुआ था। इनका निर्माण साल 2022 में ही पूरा होना था। इतना लंबा समय निर्माण में लगने से हाईवे पर से गुजरने वाले वाहन चालकों को रोजाना फरधान और गोला रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन निकलने के दौरान जाम में फंसकर परेशान होना पड़ता है। बहरहाल, अब गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर ओवरब्रिज चालू होने से इस मार्ग पर फरधान तक यातायात सुगम हो जाएगी। इसके बाद गोला रेलवे क्रॉसिंग के निर्माण की उम्मीद बाकी है।

मां को धक्का देकर किया किशोरी का अपहरण

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **112 पुलिस पर आरोपियों की मदद करने का आरोप**
- **गाड़ी में डालकर सीतापुर की ओर लेकर भाग गए आरोपी**

अमृत विचार: कोतवाली सदर क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने कुछ लोगों पर 17 वर्षीय बेटी को घर से कार से अगवा कर ले जाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि जब महिला ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे धक्का दिया। सूचना पर पहुंची यूपी 112 पुलिस ने उसकी एक नहीं सुनी और आरोपियों की मदद की। पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

खंभारखेड़ा क्षेत्र की रहने वाली महिला ने बताया कि घटना गुरुवार की है। सुबह करीब 3 बजे रोहित, विकास, आकाश ललिता देवी निवासी बढ़ईनपुरवा, काशीराम निवासी लहरपुर, सीतापुर व एक अज्ञात व्यक्ति निवासी देवकली सीतापुर ने उसके घर का दरवाजा खोल लिया और उसकी 17 वर्षीय पुत्री को जबरन उठा लिया। आरोप है कि आरोपी किशोरी को सीतापुर निवासी मंजीत की गाड़ी में डालकर ले गए। विरोध करने पर आरोपियों ने उसकी मां को धक्का देकर गिरा दिया। दिया गया।

शोर मचाने पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपियों द्वारा पहले से बुलाई गई 112 नंबर पुलिस वाहन ने ग्रामीणों को घटनास्थल पर जाने से रोक दिया। पीड़िता की मां का आरोप है कि वह और उसकी बेटियां रोती-चिल्लाती रहीं। इसके बावजूद 112 पुलिस ने कोई मदद नहीं की, बल्कि उल्टे आरोपियों की मदद की। शहर कोतवाल राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर अपहरण की धारा में केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

विवाहिता से मारपीट घर से निकाला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना ईसानगर क्षेत्र में निवासी रोहिनी देवी ने दहेज में बुलेट और दो लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर मारपीट व मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

पीड़ित रोहिनी देवी ने बताया कि उसकी शादी करीब चार वर्ष पूर्व अरुण पुत्र बेचन निवासी चहलुआ टिकुरी थाना खैरीघाट जनपद बहराइच से हुई थी। शादी के बाद से ही पति अरुण, सास सुमन देवी, ननदें आरती देवी व संजू देवी तथा ससुर बेचन ने नवीन दहेज में बुलेट और दो लाख रुपये नकद की मांग की जाने लगी। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट, गाली-गलौज की जाती थी। उसे खाना और खर्चा भी नहीं दिया जाता था। शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। पीड़िता ने बताया कि करीब छह माह पूर्व ससुराल पक्ष ने उसे मारपीट कर घर से भगा दिया और दोबारा आने पर जान से मारने की धमकी दी। उसके दो बेटियां हैं। पीड़ित महिला ने थाना ईसानगर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत, पुलिस ने रोकी अंत्येष्टि

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **पोस्टमार्टम को भेजा शव, मायके वालों और परिजनों से पूछताछ**

अमृत विचार: थाना फरधान क्षेत्र के गांव टीकर कोढ़ैया में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। इसके उसके परिवार में कोहराम मच गया। परिजन आनन-फानन में अंतिम संस्कार करने की तैयारी में जुट गए। इसी बीच सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने तैयारियों को रुकवा दिया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव कपरहा निवासी कल्लू राम ने अपनी 33 वर्षीय बेटी रामकन्या उर्फ संगीता की शादी थाना फरधान क्षेत्र के गांव टीकर कोढ़ैया निवासी अखिलेश के साथ की थी। बुधवार की रात रामकन्या की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतका के भाई शंकर लाल ने बताया कि मौत की खबर मिलने पर जब वह परिवार वालों के साथ मौके पर पहुंचे तो बहन के ससुराल के लोग आनन-फानन में शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी शुरू कर दी। इसी बात को लेकर उसकी कुछ कहासुनी हो गई। उसने पुलिस को संदिग्ध मौत होने की सूचना दी। मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों और मायके पक्ष के लोगों से पूछताछ की। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गैंडा शिशु के घायल होने से मचा हड़कंप

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व में संचालित गैंडा परियोजना के तहत शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया। जब मादा गैंडा कल्पना के करीब एक वर्षीय शिशु के मुंह की थूथन पर गंभीर घाव देखा गया। सूचना मिलते ही दुधवा टाइगर रिजर्व प्रशासन हरकत में आ गया और उपनिदेशक के निर्देश पर पशु चिकित्सकों का पैनल गठित कर घायल गैंडा शिशु का उपचार कराया गया।

बेलरायां रेंज के छंगा नाला परिक्षेत्र में चल रही गैंडा फेज-2 परियोजना के तहत सुबह गश्त के दौरान पार्क कर्मियों ने गैंडा शिशु के मुंह पर घाव देखा। इस पर उन्होंने तुरंत बेलरायां रेंजर को अवगत कराया। रेंजर भूपेंद्र सिंह ने सूचना दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक जगदीश आर को दी, जिन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल उच्चाधिकारियों से दिशा-निर्देश प्राप्त किए। निर्देश मिलते ही उपनिदेशक ने दुधवा के पशु चिकित्सक डॉ. मोहम्मद तलहा, डॉ. दयाशंकर तथा कर्तनियाघाट से डॉ. दीपक वर्मा सहित अन्य विशेषज्ञों का एक पैनल गठित किया। टीम ने मौके पर पहुंचकर गैंडा शिशु को ट्रेंकुलाइज कर उसका विधिवत उपचार किया।

ट्रेंकुलाइज कर गैंडा शिशु का इलाज करते पशु चिकित्सक। ● अमृत विचार

- **उपनिदेशक के निर्देश पर कराया गया उपचार**

चिकित्सकों के अनुसार समय रहते इलाज होने से गैंडा शिशु की स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है और उस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इस दौरान मौके पर उपप्रभागीय वनाधिकारी दीपक कुमार पांडेय, बेलरायां वन क्षेत्राधिकारी नाथ भूपेंद्र सिंह, विश्व प्रकृति निधि परियोजना अधिकारी रोहित रवि, विपिन सैनी सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गन्ना लदे पांच वाहनों की नहीं मिली फिटनेस, सीज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **गन्ना वाहनों पर चला एआरटीओ का डंडा**

अमृत विचार: एआरटीओ श्री शांति भूषण पांडेय के नेतृत्व में गन्ना संचालित वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर चालान की कार्रवाई की गई। बिना फिटनेस गन्ना ढुलाई कर रहे पांच ट्रकों का चालान कर उन्हें सीज भी किया गया।

एआरटीओ श्री शांति भूषण पांडेय ने बताया कि शुक्रवार को यात्री मालकर अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र के साथ जिले में संयुक्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गन्ना संचालित वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 03 वाहनों का चालान किया गया, जबकि अन्य मामलों में कुल 10 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। एआरटीओ ने बताया कि यह अभियान पूरे सप्ताह जारी रहेगा और सड़क सुरक्षा माह के समापन को देखते हुए जागरूकता कार्यक्रमों में भी तेजी लाई जाएगी। वहीं यात्री मालकर अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ने बताया कि 05 वाहनों को फिटनेस फेल पाए जाने पर चालान एवं निरुद्ध करने की कार्रवाई की गई है।

तेज हवा संग सर्दी ने फिर दी दस्तक

पलिया कलां, अमृत विचार: चार दिनों से खिली धूप से राहत महसूस कर रहे पलिया सहित समूचे तराई क्षेत्र में शुक्रवार को दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट ले ली। तेज हवा के झोंकों के साथ आसमान पर बादलों की घनी चादर छा गई, जिससे ठंड में एक बार फिर इजाफा हो गया।

15 दिसंबर से शुरू हुई कड़ाके की सर्दी 18 जनवरी तक क्षेत्र में अपना असर दिखाती रही थी। इसके बाद मौसम साफ होने और धूप निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली थी। दिन में धूप निकलने से न केवल आम जनजीवन बल्कि पशु-पक्षी और पेड़-पौधे भी फिर से चैतन्य नजर आने लगे थे। हालांकि शुक्रवार दोपहर बाद अचानक बदले मौसम ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। तेज सर्द हवाओं के साथ सूर्य बादलों में छिप गया, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोग फिर से ठंड से सिहर उठे।

वाहन की टक्कर से एलडीबी के फील्ड ऑफिसर की मौत

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **निगोही बैंक में ड्यूटी कर अपने पैतृक गांव बिहारीपुर जा रहे थे**

अमृत विचार: हैदराबाद थाना क्षेत्र में मोहम्मदी रोड पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में भूमि विकास बैंक निगोही में कार्यरत फील्ड ऑफिसर की मौत हो गई। पुलिस ने शव सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नगर की भारत भूषण कॉलोनी निवासी राजेश वर्मा (51) भूमि विकास बैंक निगोही जनपद शाहजहांपुर में फील्ड ऑफिसर पद पर कार्य थे। वह ड्यूटी कर देर शाम 8 बजे बाइक से पैतृक गांव बिहारीपुर लंदनपुर ग्रांट जा रहे थे। बताया जाता है कि मोहम्मदी रोड पर गांव महेशपुर के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिवार वालों ने बताया कि वह अपने पिता के इकलौते पुत्र होने के कारण अक्सर ड्यूटी से आने के बाद पैतृक गांव बिहारीपुर जाकर हाल-चाल लेने के बाद गोला आते थे। उनके असामयिक निधन से परिवार में कोहराम मच गया है। वह अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गए हैं। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। इस घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है।

चोरी के आरोप में युवक को पकड़कर पुलिस को सौंपा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना संपूर्णानगर के गांव लगदहन में गुरुवार की रात घर में घुसकर नगदी और साइकिल चोरी होने के मामले में पीड़ित ने ग्रामीणों के सहयोग से शुक्रवार को आरोपी को पकड़ लिया। उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। गांव लगदहन निवासी रामकिशुन ने बताया कि रात लगभग 10 बजे गांव का ही हरमन सिंह उनके घर के बाहर बरामदे में खड़ी रेंजर साइकिल व पैंट की जेब में रखे 2000 रुपये चोरी कर लिए। सुबह के समय जब आरोपी साइकिल लेकर गांव से निकल रहा था। ग्रामीणों ने उसे साइकिल सहित पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसकी जेब से चोरी किए गए 2000 रुपये भी बरामद हो गए। पीड़ित, राम सिंह व शंभू पकड़कर थाना पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उत्सव | सांस्कृतिक कार्यक्रम, सरकारी योजनाओं का होगा संगम, सीडीओ ने परखीं व्यवस्थाएं

उल्लास और उमंग से मनाया जाएगा यूपी दिवस

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: ...आइए आईटीआई ओपन ऑडिटोरियम और लीजिए यूपी दिवस का आनंद। जी हां, खीरी में इस बार उत्तर प्रदेश दिवस 2026 को उत्साह, उल्लास और उमंग के साथ मनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया। आईटीआई ओपन ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को सुबह 11 बजे होगा। कार्यक्रम की शुरुआत राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष राजेश वर्मा करेंगे।

शुक्रवार को सीडीओ अभिषेक कुमार ने यूपी दिवस कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्य पंडाल और विभागीय स्टालों की तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। सीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्टालों पर न केवल योजनाओं की जानकारी दी जाए, बल्कि पात्र लाभार्थियों को उनसे जोड़कर उनका भविष्य संवारा जाए। प्रदेश सरकार के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम को दिव्य और भव्य बनाने में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के नेतृत्व में सभी सरकारी विभागों ने पूरी ताकत झोंक दी है। सीडीओ अभिषेक कुमार ने सभी विभागीय अफसरों को अपने स्टालों पर तैनात देखा और कहा कि उत्तरदायित्व का सम्यक निर्वाहन समय पर सुनिश्चित किया जाए। सीडीओ ने नगरवासियों से आग्रह किया कि वे इस भव्य आयोजन में भाग लें। नगरवासियों की उपस्थिति से यूपी दिवस की शोभा और बढ़ जाएगी।

आईटीआई ओपर ऑडीटोरियम में तैयारियों को देखते सीडीओ अभिषेक कुमार। ● अमृत विचार

लखीरा ब्रांड के उत्पाद रहेंगे आकर्षण का केंद्र

यूपी दिवस में स्वयं सहायता समूह लखीमपुर खीरी द्वारा तैयार लखीरा ब्रांड के उत्पादों के लिए विशेष स्टाल लगाए गए हैं। ये स्टाल न केवल ग्रामीण एवं स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे, बल्कि महिलाओं की मेहनत और हुनर को भी सम्मान देंगे।

विकसित भारत
विकसित उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश दिवस
24-26 जनवरी, 2026

— का —

भव्य शुभारंभ

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपदों को पुरस्कार

एक जनपद-एक व्यञ्जन (ODOC) योजना की लॉन्चिंग

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26 का वितरण

सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन योजना का शुभारंभ

— द्वारा —

आनंदीबेन पटेल, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
अमित शाह, मंत्री, गृह एवं सहकारिता, भारत सरकार
योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

— गरिमामयी उपस्थिति —

पंकज चौधरी, राज्य मंत्री, वित्त, भारत सरकार
केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
जयवीर सिंह, मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश
राकेश सचान, मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, उत्तर प्रदेश
बृज लाल, सदस्य, राज्य सभा
संजय सेठ, सदस्य, राज्य सभा
सुषमा खर्कवाल, महापौर, लखनऊ
डॉ. नीरज बोरा, विधायक, लखनऊ उत्तर
जय देवी, विधायक, मलिहाबाद
डॉ. राजेश्वर सिंह, विधायक, सरोजनी नगर
योगेश शुक्ल, विधायक, बक्शी का तालाब
ओ. पी. श्रीवास्तव, विधायक, लखनऊ पूर्व
अमरेश कुमार, विधायक, मोहनलालगंज
डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह, सदस्य, विधान परिषद
इंजी. अवनीश कुमार सिंह, सदस्य, विधान परिषद
मुकेश शर्मा, सदस्य, विधान परिषद
उमेश द्विवेदी, सदस्य, विधान परिषद
राम चन्द्र प्रधान, सदस्य, विधान परिषद
डॉ. लालजी प्रसाद 'निर्मल', सदस्य, विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 24 जनवरी, 2026 | समय : अपराह्न 12:30 बजे | स्थान : राष्ट्र प्रेरणा स्थल, लखनऊ

प्रमुख आकर्षण

• राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर शिल्प मेला, ODOC व्यञ्जन मेला एवं विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश पर आधारित प्रदर्शनी • बृज, बुंदेली, अवधी, भोजपुरी बोलियों एवं हिन्दी और संस्कृत भाषाओं में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां • समस्त जनपदों में स्थानीय कलाकारों, कवियों, साहित्यकारों की संगोष्ठियां, कविता पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिता, रोड शो एवं मल्लखंब/कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन • दिल्ली, महाराष्ट्र एवं अन्य राज्यों में उद्यमिता, व्यापार, नवाचार, शिक्षा, कला, विज्ञान, प्रशासन आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उत्तर प्रदेश के व्यक्तियों का सम्मान • फिजी, मॉरीशस, मालदीव, सिंगापुर, थाईलैंड आदि देशों में भारतीय दूतावासों के सहयोग से उत्तर प्रदेश दिवस का भव्य आयोजन

प्रगति की गति अपार - डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 24 जनवरी 2026

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
11 जनवरी 2026, रविवार
25 जनवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मातृ पितृ पूजन करते बच्चे। ● अमृत विचार

आरएम ज्ञान दायिनी इंटर कॉलेज में पाटी पूजन कार्यक्रम के दौरान अतिथि व बच्चे। ● अमृत विचार

हवन पूजन करते विद्यालय प्रबंधक, प्रधानाचार्य व अन्य। ● अमृत विचार

बसंत पंचमी: स्कूलों में पूजी गईं विद्या की देवी मां सरस्वती

विद्या भारती के स्कूलों में विद्या आरंभ संस्कार संग माता-पिता का किया पूजन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में बसंत पंचमी का पर्व श्रृद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। स्कूलों में विधि विधान से हवन कर विद्या की देवी मां सरस्वती का पूजन किया गया। विद्यालयों में पाटी से लेकर मातृ पितृ पूजन कार्यक्रम हुए। वहीं बसंत पंचमी पर अबूझ मुहूर्त होने के कारण मांगलिक कार्यक्रमों के आयोजन की भी धूम रही।

विद्या भारती के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज (यूपी बोर्ड) बसंत उत्सव पर मातृ-पितृ पूजन दिवस का हृदयस्पर्शी आयोजन किया गया। इसी के साथ विद्यालय में धर्म रक्षक वीर हकीकत राय का बलिदान दिवस एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती (पराक्रम दिवस) भी अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रांत शिक्षा सेवा संयोजक सुरेशमणि सिंह व विशिष्ट अतिथि व विद्यालय के प्रबंधक विमल अग्रवाल ने मां सरस्वती, वीर हकीकत राय एवं नेताजी के चित्रों पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया। प्रधानाचार्य डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने अतिथियों का औपचारिक परिचय कराया और विद्यालय के प्रबन्धक विमल अग्रवाल ने अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम में धौरहरा विधायक डॉ. विनोद शंकर अवस्थी मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति का अनुसरण करते हुए अपने माता-पिता के चरणों का प्रक्षालन किया, तिलक लगाया और आरती उतारकर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान अभिभावक भाव-विभोर हो उठे। सरस्वती चालीसा तथा एक संगीतमय नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि सुरेशमणि सिंह ने कहा कि विद्या भारती का मूल मंत्र संस्कार युक्त शिक्षा है। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय (यूपी बोर्ड) द्वारा एक और सरस्वती संस्कार केन्द्र का शुभारम्भ लखीमपुर शहर स्थित अर्जुन पुरवा में हुआ। कल्याण मंत्र और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

उधर, राजाजीपुरम (राजापुर) स्थित आरएम ज्ञान दायिनी इंटर कॉलेज में विद्यारंभ संस्कार एवं पाटी पूजन कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही श्रद्धा, उत्साह एवं पारंपरिक विधि-विधान के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। मुख्य अतिथि आरएसएस के प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख डॉ. राम नरेश रहे। विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख दिव्या सिंह व जिला सेवायोजन अधिकारी साक्षी डांगर रहीं। अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक राकेश वर्मा ने की। संचालन प्रधानाचार्य सचिन कुमार शुक्ल ने किया। कार्यक्रम के अंतर्गत पाटी पूजन, सरस्वती वंदना, अतिथि सम्मान, शिक्षक सम्मान एवं विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं।

आर्य कन्या इंटर कॉलेज का 107वां स्थापना दिवस मनाया

लखीमपुर खीरी: भगवान दीन आर्य कन्या इंटर कॉलेज में शुक्रवार को 107वें स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सीडीओ अभिषेक कुमार, डीसी मनरेगा अमित सिंह परिहार व विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र मौजूद रहे। अध्यक्षता प्रो. गीता शुक्ला ने की। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के माल्यार्पण के साथ किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. ज्योति तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह का मुख्य आकर्षण रहे। ईश वंदना एवं स्वागत गीत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसके बाद वंदे मातरम्, ऑपरेशन सिंदूर, लोक नृत्य, घूमर, राजस्थानी नृत्य तथा कृष्ण लीला जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। पश्चात पारितोषिक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय की परंपरा के अनुसार सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली पांच छात्राओं को रजत पदक प्रदान किए गए। इंटरमीडिएट परीक्षा में मानविकी, विज्ञान एवं ट्रेड वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कुल 228 छात्राओं को विद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इस मौके पर माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विशाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

बच्चों और युवाओं ने जमकर उड़ाई पतंग

गोला गोकर्णनाथ: बसंत पंचमी पर्व पर नगर सहित क्षेत्र में लोगों ने जमकर पतंगबाजी की। नगर सहित मोहल्ले की दुकानों पर भी पतंग, सद्दी और मांझा खरीदने के लिए भीड़ लगी रही। नगर के पब्लिक इंटर कॉलेज स्थित श्री राजेंद्र गिरि स्टेडियम में काफी तादाद में लोग पतंगे उड़ाते नजर आए। दोपहर से शाम तक आसमान में तरह-तरह की चमकीली पतंगे उड़ती नजर आई।

पलिया विद्या मंदिर में हुआ हवन-पूजन

सरस्वती विद्या मंदिर पलिया के बसंतोत्सव में मंचासीन अतिथिगण। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में बसंत पंचमी के अवसर पर आयोजित वार्षिकोत्सव एवं बसंतोत्सव का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र के प्रमुख वनवीट हॉस्पिटल व महाविद्यालय भीरा के प्राचार्य डॉ. विश्वजीत दास व अध्यक्षता कर रहीं गीतांजलि अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर किया।

पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत गा रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधी। विद्यालय मंदिर के पुजारी आचार्य द्विवेदी आदि ने विविध वैदिक मंत्र बोलकर कार्यक्रम में पधारे अतिथियों, प्रबंध समिति पदाधिकारियों, अभिभावकों व शिक्षकों आदि से हवन कुंड में आहुतियां डलवाईं। कई वक्ताओं ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस, कविवर निराला, पं. वंशीधर शुक्ल व वीर हकीकत राय के जीवन संदर्भों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति प्रबंधक रामबचन तिवारी, चांद कुमार जैन, विजय महेंद्रा, अमित पाल, अभिषेक शुक्ला, संदीप बंसल, के के मालपानी सहित विद्यालय के सभी आचार्य व अनेक अभिभावक व छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य राम प्रताप सिंह ने किया।

उधर, नगर के गोल्डन फ्लावर पब्लिक स्कूल में प्रबंधक जसमेल सिंह मांगट, उपप्रबंधक अमनप्रीत सिंह सहित हरदीप कौर, रमनजीत कौर एवं प्रधानाचार्य श्याम महेंद्रु व अन्य शिक्षकों ने सरस्वती जी का पूजन कर हवन किया। इस मौके पर सभी शिक्षक व छात्र मौजूद रहे।

स्कूल-कॉलेजों में हुए हवन, मां शारदे को नमन

गोला गोकर्णनाथ: नगर के लखीमपुर रोड स्थित सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार त्रिपाठी, मधु त्रिपाठी ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर पूजन किया। विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन कुंड में आहुतियां डालकर बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने का संकल्प लिया। हवन पूजन के बाद विद्यार्थियों को प्रसाद वितरित किया गया। कई स्कूलों में नव प्रवेशित बच्चों को अक्षर लेखन कराया गया। लक्ष्मणजती स्थित श्री राजेंद्र गिरि मेमोरियल एकेडमी में हवन पूजन के बाद पतंग उत्सव प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पतंगबाजी की। लक्ष्मी नगर कॉलोनी स्थित स्वामी रामाश्रम विद्या मंदिर, मोहम्मदी रोड स्थित गांधी विद्यालय में मां सरस्वती के पूजन, अर्चन के बाद हुए सामूहिक तहरी भोज में विद्यार्थियों अभिभावकों, शिक्षकों ने साथ में सहभोज किया। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में बसंत पंचमी उत्सव पर विद्यालय की विवरण पुस्तिका का विमोचन किया गया तथा नवीनसत्र हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होने की घोषणा की गई। आचार्य मुनीश मिश्र, बालचंद्र ने सरस्वती पूजन, हवन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया। विद्यार्थियों एवं आचार्यों ने मां सरस्वती से विद्या, विवेक एवं सदाचार की कामना की। मुख्य अतिथि प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. त्रिभुवन नाथ पुरवार रहे। विशिष्ट अतिथि कोषाध्यक्ष ईश्वरदीन वर्मा, चंद्रेश अग्निहोत्री, प्रधानाचार्य राजकुमार कनौजिया आदि मौजूद रहे। आदर्श सरस्वती बाल विद्या मंदिर में नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई। अरविंद पांडे, राजीव गुप्ता, सुनील शुक्ला, रामू वर्मा, मयंक दीक्षित, प्रधानाचार्य महेंद्र वर्मा, सुनीता वर्मा आदि अभिभावक मौजूद रहे।

धोबिया में प्राचीन जलस्रोत संरक्षण की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले की सीमा पर स्थित धोबिया गांव के तपोवन सिद्ध आश्रम परिसर में शुक्रवार एक क्षतिग्रस्त प्राकृतिक जलस्रोत के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। गोमती नदी की सांस्कृतिक विरासत का संकलन कर रहे सुशील सीतापुरी ने मां भगवती दश महाविद्या शक्ति पीठाधीश्वर स्वामी नारायणानन्द की मौजूदगी में पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की शुरुआत की।

चपरतला गांव निवासी सुशील सीतापुरी पांच वर्षों से मैं तुम्हारी गोमती हूं अभियान चला रहे हैं। यह अभियान स्वयंसेवी संस्था सेवा सदन चपरतला के माध्यम से संचालित है, जिसके तहत गोमती नदी से जुड़े घाटों, मंदिरों, मेलों, परंपराओं और तटवर्ती गांवों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन का गहन सर्वेक्षण एवं दस्तावेजीकरण किया जा रहा है। सुशील सीतापुरी ने बताया कि धोबिया गांव के ये प्राकृतिक जलस्रोत गोमती नदी को पूरे वर्ष जलापूर्ति करते हैं, ऐसे में इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि औषधीय गुणों से भरपूर दो प्रमुख जलस्रोतों के संरक्षण का यह कार्य उनके मित्रों एवं शुभचिंतकों के सहयोग से कराया जा रहा है। सुशील सीतापुरी ने दिसंबर 2020 में पीलीभीत जनपद के माधोटांडा स्थित गोमती उद्गम स्थल से अपने गोमती अभियान की शुरुआत की थी। अब तक वे लगभग 300 किलोमीटर की गोमती यात्रा पूरी कर चुके हैं। वर्तमान में उनका प्रवास हरदोई जनपद की अतरौली तहसील स्थित गोमती मठ में चल रहा है। धोबिया गांव को लेकर प्रचलित लोक मान्यताओं के अनुसार, पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान यहां कुछ समय प्रवास किया था। कथा है कि एक बार प्यास लगने पर अर्जुन ने बाण चलाकर धरती से जलस्रोत प्रकट किए थे, जिनसे आज भी जल प्रवाहित होता है। इन्हीं घटनाओं से धोबिया के जलस्रोतों की परंपरा जुड़ी मानी जाती है। जनश्रुति के अनुसार, यह क्षेत्र महाभारत कालीन संत एवं पांडवों के कुल पुरोहित धौम्य ऋषि की तपोभूमि रहा है। पूर्व में यह स्थान धौम्या नाम से जाना जाता था, जो कालांतर में धोबिया कहलाया। इस ऐतिहासिक एवं पौराणिक संदर्भ का उल्लेख तपोवन सिद्ध आश्रम में स्थापित शिलापट्ट पर भी अंकित है। स्थानीय लोगों ने जलस्रोत संरक्षण के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

पूजा-अर्चना करते सुशील सीतापुरी।

● गोमती अभियान को मिली नई ऊर्जा, तपोवन सिद्ध आश्रम से सौंदर्यीकरण कार्य शुरू

ग्राम चौपाल में काफी संख्या में पहुंचे ग्रामीण

केशवापुर, अमृत विचार : सदर ब्लाक की ग्राम पंचायत सकेथू के पंचायत भवन में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।

जिसमें काफी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने मतदाता सूची संसोधन व आपत्तियों के लिए परिवार रजिस्टर की नकल ग्राम विकास अधिकारी कौशल किशोर वर्मा से निःशुल्क प्राप्त की। चौपाल में भुवनेश कुमार, रोजगार सेवक रेनू दीक्षित, पंचायत सहायक प्रियंका देवी, आंगनवाड़ी सहायिका गंगा देवी, वीटीएम कृषि विभाग संतोष कुमार ने चौपाल में आये लोगों की समस्याओं का समाधान किया।

ग्रामीण रूपसिंह, रमाकांत, कमला देवी, श्याम सिंह, पूजा, रामसरन, महिपाल, कमलेश, रामप्रसाद, माखन, संतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

ग्राम विकास बैंक धौरहरा के अध्यक्ष बने कृष्ण कुमार मिश्रा

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक धौरहरा के अध्यक्ष पद के लिए कृष्ण कुमार मिश्रा को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शाखा प्रबंधक विजय कुमार वर्मा और विधायक प्रतिनिधि गोपाल शंकर अवस्थी ने उन्हें निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा।

कृष्ण कुमार मिश्रा दूसरी बार अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। उनके निर्विरोध निर्वाचन पर बैंक से जुड़े लोगों और समर्थकों में हर्ष का माहौल रहा। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि गोपाल शंकर अवस्थी, भगवती प्रसाद शुक्ल, जितेंद्र कुमार अवस्थी, रामजी सेठ, रामकिशोर मिश्र, श्रीकांत मिश्रा, सौरभ त्रिवेदी, राजेंद्र वर्मा, इंदु कुमार शुक्ला, दिनेश कुमार पांडे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

निर्वाचन प्रमाण पत्र लेते कृष्ण कुमार मिश्रा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार, जताया रोष

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: हुसैनी टाइगर्स संगठन ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों को लेकर गहरी चिंता जताई है। संगठन ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन डीएम कार्यालय पर सौंपा है। ज्ञापन में बांग्लादेश सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं और भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग की गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में पिछले छह महीनों के दौरान 120 से अधिक अल्पसंख्यकों की हत्याएं हुई हैं, जिनमें अधिकांश हिंदू समुदाय के लोग शामिल हैं। इसके अलावा बौद्ध और ईसाई समुदाय के लोगों के भी मारे जाने की खबरें सामने आई हैं। संगठन का आरोप है कि बांग्लादेश की वर्तमान यूनुस सरकार धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है। हुसैनी टाइगर्स संगठन ने मांग की है कि भारत सरकार कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप कर बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित कराए। साथ ही, यदि कोई हिंदू वहां असुरक्षित महसूस करता है और रहने में असमर्थ है, तो उसे भारत में शरण देने की व्यवस्था की जाए। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश में प्रताड़ित हिंदू भारत को अपना मातृ देश मानते हैं और इस संकट की घड़ी में भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत सरकार अल्पसंख्यक हिंदुओं की जान-माल की सुरक्षा के लिए ठोस और कठोर कदम उठाएगी। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नगी हुसैन, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर हुसैन, जफर अली खां, मोहम्मद कमर आलम सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएम कार्यालय पर ज्ञापन देते हुसैनी टाइगर के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय पर सौंपा

बैठक कर शोभायात्रा की तैयारियों पर चर्चा

मैगलगंज, अमृत विचार: संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती समारोह एवं शोभायात्रा कार्यक्रम को लेकर भारतीय बहुजन एकता समिति की बैठक कस्बे के एक गेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक में 1 फरवरी को निकलने वाली शोभायात्रा को भव्य और सफल बनाने के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। बैठक में बताया गया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती समारोह एवं शोभायात्रा 1 फरवरी को बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ कस्बे में निकाली जाएगी। कार्यक्रम आयोजक विकास कुमार ने कहा कि गुरु रविदास जी शिक्षा, समानता, मानवता और सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं। आयोजकों के अनुसार शोभायात्रा ग्राम जमुनिया रना से प्रारंभ होकर अंबेडकर पार्क लालपुर से होते हुए कस्बे के मुख्य मार्गों से निकाली जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से विकास कुमार, जय जय राम बौद्ध, संतोष कुमारी, नरपति लाल, शमसुद्दीन, प्रधान गुरुदेव खेड़ा सहित बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेलाबोझी उच्च प्राथमिक विद्यालय में 66 छात्राओं को सौंपे स्टडी टेबल

बेलाबोझी स्कूल में स्टडी टेबल लिये विद्यार्थियों के साथ शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● सीडीपीओ गमला देवी ने शासन की योजनाओं से कराया अवगत

अमृत विचार: कुभी ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय बेलाबोझी में 66 विद्यार्थियों को स्टडी टेबल वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि सीडीपीओ गमला देवी ने शासन की मंशा के अनुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को आगे बढ़ते हुए कक्षा छी, सात और कक्षा आठ के दो दो बच्चों को स्टडी टेबल, मार्कर डस्टर वितरण किया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश चंद्र वर्मा, गिरीश चंद तिवारी, लालता प्रसाद मौर्य, आत्माराम वर्मा, आशु, शिवानी, राजकिशोर आदि मौजूद रहे। न्याय पंचायत सिकंद्राबाद के उच्च प्राथमिक के आठों विद्यालय के अध्यापकों की मौजूदगी में प्रत्येक विद्यालय के कक्षा 6 के दो, कक्षा 7 के दो और कक्षा 8 के दो बच्चों सहित 66 बच्चों को स्टडी टेबल दिया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

न्यूज ब्रीफ

पुरानी रंजिश में महिला और युवक की पिटाई

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : अमृत विचार : कोतवाली सदर थाना क्षेत्र के गांव फत्तेपुर सैधरी निवासी एक महिला ने कुछ लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। गांव निवासी अंजनी देवी ने बताया कि गुरुवार की शाम करीब 4 :30 बजे वह अपने मकान के दरवाजे पर बैठकर नाली में गांव के मणिप्रकाश से बजड़ी तुड़वा रही थीं। इसी दौरान शिवम गुप्ता, सिद्धार्थ गुप्ता, सुशील गुप्ता चुन्नी गुप्ता ने गाली-गलौज शुरू कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दिया।

दंपती से मारपीट, लाठी से किया हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर के गांव टापरपुरवा मजरा हसनापुर निवासी रमाशंकर ने बताया कि गांव के ही जगमोहन, उसकी पत्नी उर्मिला राजपूत ने आने-जाने वाले मार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। इसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जिससे नाराज होकर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी से मारपीट की। इस हमले में वह घायल हो गए। पत्नी बिनोदा बीच-बचाव करने लगी तो उन्हें भी मारापीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर पिता-पुत्र व पत्नी को घायल किया

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली सदर के गांव मडराही निवासी जनार्दन प्रसाद ने बताया कि विपक्षी दिनेश, अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, विजय व दिनेश की पत्नी उसके मकान के पश्चिम पीछे स्थित रास्ते पर जबरन दीवार उठाने लगे। मना करने पर सभी घर में घुस आए और लाठी-डंडा, भाला व बल्लम से हमला कर दिया। शोर सुनकर जब पुत्र और पत्नी बीच-बचाव के लिए आए तो आरोपियों ने पुत्र को बुरी तरह पीटा, जिससे जनार्दन प्रसाद, उनके पुत्र और पत्नी को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

भानपुर, अमृत विचार : थाना भीरा क्षेत्र के भानपुर चौराहा पर अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गांव कटैया कांप निवासी गुरजीत पुत्र सियाराम (20) घायल हो गया। वह किसी काम से गुलरिया गया था। वापस आते समय हादसा हुआ। ग्रामीणों ने उसे 108 एंबुलेंस की मदद से बिजुआ सीएचसी में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज जारी है।

परचून की दुकान में लगाई आग, व्यापारी का बेटा झुलसा

झुलसे युवक की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती, आरोपियों पर नकदी व डीजल लूटकर ले जाने का भी है आरोप

संवाददाता, बिजुआ/भानपुर

अमृत विचारः बिजुआ चौकी क्षेत्र के ग्राम इटकुटी में गुरुवार देर शाम उधार सामान न देने की रंजिश को लेकर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इटकुटी चौराहे पर स्थित एक परचून की दुकान में दबंगों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिससे दुकानदार का बेटा गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश है। झुलसे युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

गांव इटकुटी निवासी राजेश्वरी की परचून की दुकान गांव के मुख्य चौराहे पर स्थित है। गुरुवार शाम लगभग 8:30 बजे उनका बेटा रवि गुप्ता दुकान पर अकेला बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव के कुछ युवक दुकान पर पहुंचे और उधार सामान मांगने लगे। रवि द्वारा उधार देने से इनकार करने पर आरोपी आपा खो बैठे और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि कहासुनी के बाद आरोपियों ने पास में रखा पेट्रोल दुकान के भीतर छिड़क दिया और आग लगा दी। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही पलों में दुकान धू-धू कर जलने लगी। आग की चपेट में आकर रवि गुप्ता गंभीर रूप से झुलस गया। शोर सुनकर मौके पर पहुंची उसकी मां राजेश्वरी ने बेटे को बचाने का प्रयास किया, जिसमें उन्हें भी हल्की चोटें आईं। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बाल्टी, मिट्टी और पानी की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से झुलसे रवि गुप्ता को बिजुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़िता राजेश्वरी ने आरोप लगाया है कि आगजनी की घटना के दौरान आरोपी दुकान में रखे गन्ना पर्चियों के भुगतान के करीब दो लाख रुपये, 30 हजार रुपये नकद तथा लगभग 200 लीटर डीजल भी जबरन उठा ले गए। आग में दुकान में रखा सारा किराना सामान, फ्रिज, काउंटर और अन्य सामग्री जलकर राख हो गई, जिससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही 112 यूपी पुलिस और बिजुआ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और पीड़िता से तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला गंभीर है और तहरीर के आधार पर सोबरन यादव व उसके दो बेटों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

घटनास्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़। ● अमृत विचार

इटकुटी गांव में ग्रामीण से पूछताछ करती भीरा पुलिस। ● अमृत विचार

अवैध शराब बना बवाल की असली जड़

बिजुआ : इटकुटी गांव में हुई आगजनी की घटना के पीछे की असली वजह अब धीरे-धीरे सामने आ रही है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों के मुताबिक इस पूरे बवाल की जड़ गांव में लंबे समय से फल-फूल रहा अवैध अवैध कारोबार है, जिसने अब लघु उद्योग का रूप ले लिया है। हालात यह हैं कि इटकुटी में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री में केवल पुरुष ही नहीं, बल्कि महिलाएं भी संलिप्त हैं। पुलिस रिकॉर्ड भी इस सच्चाई की गवाही देता है कि शराब के मामलों में अब तक तमाम लोगों को जेल भेजा जा चुका है। इसके बावजूद यह अवैध धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा। ग्रामीणों का कहना है कि शराब के नशे में आए दिन गांव में आपसी विवाद, गाली-गलौज और मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। कई बार मामूली कहासुनी हिंसक रूप ले लेती है, जिससे पूरे गांव का माहौल लगातार खराब होता जा रहा है। परचून की दुकान में आगजनी आगजनी की घटना को भी इसी नशे और दबंगई से जोड़कर देखा जा रहा है।

आग के बाद सहमा इटकुटी

बिजुआ। लोगों के मन में एक ही सवाल गूंज रहा है कि अगर उधार न देने पर दुकान जलाई जा सकती है, तो विरोध करने वाले का क्या हश्र होगा? पुलिस ने भले ही मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली हो, लेकिन गांव से खौफ अभी खत्म नहीं हुआ है। तस्वीर रातों-रात बदल गई है। जिन लोगों को पहले सिर्फ दबंग माना जाता था, अब उनके नाम भर से लोग चुप हो जा रहे हैं। कोई खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। इस खामोशी की गवाही बाजार भी दे रहा है। घटना के बाद आसपास की लगभग सभी दुकानें बंद रहीं। पास का मेडिकल स्टोर, जो रोज़ देर शाम तक खुला रहता था, वह भी समय से पहले शटर गिराकर बंद हो गया। गांव में पसरा सन्नाटा खुद बता रहा है कि डर कितना गहरा है।

युवक ने नोएडा में की आत्महत्या

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना पसगवां के गांव गौंधिया आलम निवासी एक युवक ने नोएडा में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। साथी उसका शव गांव ले आए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गांव गौधिया आलम निवासी गंगाराम का 25 वर्षीय बेटा रामेन्द्र कुमार नोएडा में रहकर ठेके पर मजदूर उपलब्ध करवाता था। मृतक के भाई सुरेंद्र ने बताया कि बुधवार की रात रामेन्द्र का नोएडा स्थित एक किराए के कमरे में फंदे से शव लटकता पाया गया। ऐसे में उसके साथ रह रहे उसके साथी शव घर ले आए। सूचना पर पहुंची पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

110 लोगों की हुई आंखों की जांच

रोशननगर, अमृत विचार : ग्राम पंचायत जमुनहा में ग्राम प्रधान सचिन वर्मा की देखरेख में डॉक्टर श्राप चैरिटी आई हॉस्पिटल की तरफ से नि :शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाकर 110 से अधिक मरीजों की आंखें की जांच की गई, जिसमें 46 मोतियाबिंद के चिन्हित किए गए। 32 लोगों को चश्मा एवं ड्राप दिए गए। अन्य को आंखें की देखभाल करने की सलाह दी गई। डॉक्टर सूफी, कोआर्डीनेटर समीर अली, शोभित कुमार, अमित राठौर, प्रभाकर, मुस्कान, रंजना, राधा, आदि मौजूद रहे।

पलिया विधायक ने फीता काटकर किया धनुष यज्ञ मेले का आरंभ

संवाददाता, संसारपुर

● संसारपुर में शुरू हुआ है मेला, दर्शकों की उमड़ी भीड़

अमृत विचारः विकासखंड बांकेगंज के कस्बा संसारपुर में बसंत पंचमी के अवसर पर लगने वाले पारंपरिक धनुष यज्ञ मेले का शुक्रवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। पलिया विधायक रोमी साहनी ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। सुंदरकांड पाठ एवं हवन-पूजन का आयोजन कर मेले की शुरुआत की गई।

बसंत पंचमी से प्रारंभ हुआ यह ऐतिहासिक मेला आगामी सात दिनों तक चलेगा, जिसमें दूर-दराज क्षेत्रों से श्रद्धालु एवं दर्शक पहुंचकर रामलीला एवं धार्मिक आयोजनों का आनंद उठाएंगे। उद्घाटन अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। मेले में बच्चों और युवाओं के मनोरंजन के लिए खेल-खिलौनों की दुकानें, ड्रैगन ट्रेन, विभिन्न प्रकार के झूले, जादूगर का खेल, ब्रेक डांस सहित कई आकर्षण लगाए गए हैं, जो लोगों को खूब लुभा रहे हैं। ग्राम प्रधान संसारपुर राम प्रसाद देवल ने बताया कि इस वर्ष मेला समिति एवं पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। धनुष यज्ञ मेले का पूजन पंडित वीरेंद्र मिश्रा (मुन्ना) द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया गया। इस अवसर पर विधायक रोमी साहनी ने क्षेत्रवासियों से आपसी सौहार्द बनाए रखने एवं मेले में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की। कार्यक्रम में पंचायत सदस्य शकील अहमद कुरैशी, राजेंद्र जायसवाल, मनोज गुप्ता, अवनीश सरोज, स्वामी दयाल स्वर्णकार, रितेश लाला, गौतम यादव, शिवपूजन मौर्य, ऋतिक मौर्य, प्रधान पुत्र सूरज देवल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं संसारपुर चौकी के पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

मेले के शुभारंभ करते विधायक रोमी साहनी। ● अमृत विचार

दो बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत, दो घायल

संवाददाता, निघासन

अमृत विचारः थाना क्षेत्र में सिंगाही मार्ग पर स्थित सरयू पुल के पास गुरुवार की देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसे पर बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। आनन-फानन में सभी घायलों को सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टर ने एक बाइक के चालक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

थाना व कस्बा सिंगाही निवासी छोटेलाल का 19 वर्षीय पुत्र राहुल की रकेहटी में फास्ट फूड की दुकान थी। वह देर शाम दुकान बंद कर अपने छोटे भाई संदीप (17) को साथ लेकर बाइक से घर वापस आ रहा था। उधर थाना व कस्बा निघासन के मोहल्ला नानकनगर निवासी सत्य प्रकाश सिंगाही से वापस अपने घर वापस लौट रहा था। सरयू पुल के पास दोनों की बाइकों में आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज हुई कि बाइकों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में तीनों युवक घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को सीएचसी निघासन भेजा, जहां डॉक्टर ने राहुल की मौत हो गई। दूसरी बाइक के चालक सत्य प्रकाश की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने से जिला अस्पताल रेफर कर दिया। संदीप को मामूली चोटें आने पर प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। मौत की खबर मिलते ही राहुल के परिवार में कोहराम मच गया।

न्यूज डायरी

रामस्वरूप पब्लिक स्कूल में मां सरस्वती का पूजन कर मनायी बसंत पंचमी

केशवापुर, अमृत विचार : सदर ब्लाक के रजौरा गांव स्थित रामस्वरूप पब्लिक स्कूल में मां सरस्वती का पूजन अर्चन कर धूमधाम से हरियाली का प्रतीक बसंत पंचमी मनायी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार सिंह, प्रबन्ध विक्रम कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर फूल अछत चढ़ाकर पूजन किया। इस मौके पर सभी स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं के साथ अध्यापक कमलेश वर्मा, संजय कुमार, मनोज कुमार सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

सरस्वती विद्या मंदिर में सेवा-संस्कार का अनुपम उदाहरण

मझगई, अमृत विचार : बम्हनपुर कस्बे स्थित लालजी प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर पीली खिचड़ी भोज का भव्य आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में ग्रामीणों, विद्यार्थियों व श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ। इसके उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप गर्म व पौष्टिक पीली खिचड़ी वितरित की गई। विद्यालय परिसर सुबह से ही सेवा, समरसता और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया। विद्यालय प्रबंधक मोहित जायसवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में सेवा भाव, सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक चेतना का विकास करते हैं। प्रधानाचार्य अच्छेलाल मौर्य सहित आचार्यगण व प्रबंध समिति के पदाधिकारी कार्यक्रम में जुटे रहे।

बसंत पंचमी पर विद्यारम्भ संस्कार, नन्हे हाथों में सजी अक्षर-यात्रा

लखीमपुर-खीरी, अमृत विचार : विद्या भारती विद्यालय डॉ. हेडगेवार सरस्वती शिशु मंदिर आवास-विकास में बसंत पंचमी एवं सरस्वती प्राकट्य दिवस के अवसर पर नन्हे-मुन्ने भैया-बहनों का विद्यारम्भ संस्कार भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मां सरस्वती के पूजन, हवन एवं मंत्रोच्चारण के बीच बच्चों ने अक्षर-ज्ञान की पहली सीढ़ी चढ़ी। कार्यक्रम में विद्वान अतिथियों ने विद्या, संस्कार और राष्ट्रबोध का संदेश दिया। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।प्रधानाचार्य राममणि मिश्र ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यारम्भ केवल शिक्षा की शुरुआत नहीं, बल्कि संस्कारों की नींव है। कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

धौरहरा, अमृत विचार : धौरहरा कस्बे के एक लान में आयोजित नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती समारोह में विभिन्न विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीओ शमशेर बहादुर सिंह ने मेधावियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर मेडल पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। सीओ शमशेर बहादुर सिंह ने छात्राओं को गुड टच और बैड टच की जानकारी देने के साथ ही उनके कानूनी अधिकारों से भी अवगत कराया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे अपने पिता और भाइयों को नशा मुक्त रहने तथा बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें।कार्यक्रम में व्यापार मंडल अध्यक्ष सुदीप निगम सिप्पू, धनंजय मिश्रा, जितेन्द्र दीक्षित, पूर्व चेयरमैन राजीव जायसवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नेताजी जयंती का त्रिवेणी संगम बना प्रेरणा का उत्सव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : विद्या भारती से संबद्ध सरजू सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलरायां में शुक्रवार को बसंत पंचमी, सरस्वती पूजन, विद्यारम्भ संस्कार एवं महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने मां सरस्वती एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से किया। वातावरण मंत्रोच्चार, वंदना और देशभक्ति गीतों से गुंजायमान हो उठा। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में नवीन प्रवेश लेने वाले भैया-बहनों का हवन-पूजन संपन्न कराया गया। विद्यालय प्रबंधक उत्तम कुमार सोनी ने नवीन प्रवेश फॉर्म वितरित किए गए।

मॉकड्रिल | डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश में किया ब्लैक आउट

युद्धकालीन हालात में परखीं तैयारियां

हमले के दौरान घायल को बचाने का प्रशिक्षण देती टीम। ● अमृत विचार

आग को बुझाते कर्मचारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्म जयंती के अवसर पर शुक्रवार को लखीमपुर में नागरिक सुरक्षा के तत्वावधान में युद्धकालीन आपदा से निपटने को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की मौजूदगी में हुए इस अभ्यास में प्रशासनिक तैयारियों को वास्तविक परिस्थितियों में परखा गया।

निर्धारित समय पर जैसे ही सायरन की तेज आवाज गूंजी। अभ्यास क्षेत्र में तत्काल ब्लैकआउट कर दिया गया। लाइटें बंद होते ही हवाई हमले जैसी आपात स्थिति का दृश्य उत्पन्न हो गया और कुछ देर तक पूरा क्षेत्र अंधकार में डूबा रहा। इसका उद्देश्य आमजन एवं विभागीय कर्मियों को युद्ध कालीन परिस्थितियों का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था। मॉक ड्रिल की प्रत्येक गतिविधि की जानकारी एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने माइक के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में विभागों के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और जन-सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता को परखना है। अभ्यास के दौरान आग लगने की आपात स्थिति का भी सजीव प्रदर्शन किया गया। सायरन बजते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी अक्षत शर्मा के नेतृत्व में दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर तेजी से काबू पाया। वहीं सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता के निर्देशन में एंबुलेंस सेवाएं सक्रिय हुईं और घायलों को तत्काल इमरजेंसी मेडिकल सेंटर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकीय टीम ने उन्हें त्वरित उपचार उपलब्ध कराया। इस दौरान एएसपी पवन गौतम, एसडीएम प्रभारी अधिकारी नागरिक सुरक्षा कोर युगांतर त्रिपाठी, ईओ संजय कुमार, चीफ वार्डन नागरिक सुरक्षा कोर डॉ. वीर बहादुर धुरिया, विशाल सेठ, राम मोहन गुप्त, जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय प्रशिक्षक, नागरिक सुरक्षा कोर के प्रशिक्षित स्वयंसेवक, एनसीसी, स्काउट-गाइड, आपदा मित्र एवं विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग रहा।

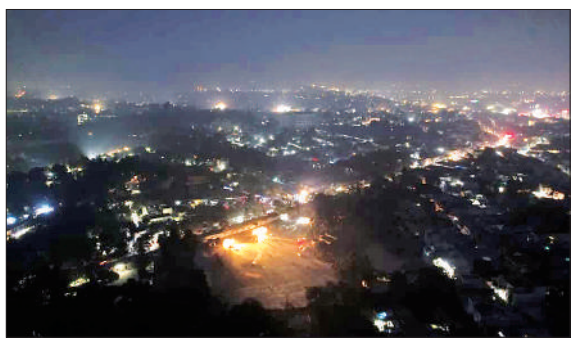

ब्लैक आउट रहने से ऐसा दिखा शहर। ● अमृत विचार

मॉक ड्रिल से आपदा प्रबंधन की तैयारियां मजबूत हुईं : डीएम

मॉक ड्रिल के उपरांत डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने संबंधित विभागों की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी अभ्यासात्मक गतिविधियां आपदा के समय जान-माल की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने आम नागरिकों से भी आपदा प्रबंधन से जुड़ी सावधानियों को समझने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। मॉक ड्रिल जिले में नागरिक सुरक्षा, सजग प्रशासन और प्रभावी आपदा प्रबंधन व्यवस्था का सशक्त संदेश बनकर सामने आई।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट वर्ष 2009 जिसका अनुक्रमांक 0947790 व इण्टरमीडिएट की मार्कशीट वर्ष 2012 जिसका अनुक्रमांक 0762895 है। वास्तव में कहीं खो गये हैं। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिले। **किशन कुमार पुत्र श्री सुरेश कुमार पता:- बबूरा पो. बिलसण्डा जिला पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आधार कार्ड सं. 947870693668 में मेरा नाम भूलवश अजय बाबू दर्ज हो गया है जोकि गलत है जबकि मेरा वास्तविक नाम अजय बाबू श्रीवास्तव है। शैक्षणिक दस्तावेजों में भी मेरा नाम अजय बाबू श्रीवास्तव ही दर्ज है। **अजय बाबू श्रीवास्तव पुत्र मुन्नालाल निवासी मो. नौगवां कस्बा फतेहगंज प. तह. मीरगंज जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम मान सिंह था लेकिन भूलवश कुछ दस्तावेजों में रणधीर सिंह दर्ज हो गया था जिसे बदलकर मैंने पुन: अपना नाम मान सिंह कर लिया है। भविष्य में मुझे मान सिंह के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **मान सिंह पुत्र छत्रपाल निवासी ग्राम मेहंदा मजरा ढारवा परगना औरंगाबाद तह. व ब्लाक मितौली जिला खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में नाम भूलवश SHAZMA HUSSAIN दर्ज हो गया है जबकि उसका वास्तविक नाम SHAMZA है। अन्य सभी दस्तावेजों में भी नाम SHAMZA ही दर्ज है। **शुजात हुसैन पुत्र श्री मुबारक हुसैन निवासी टिसुआ जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 24 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

सरकारी जमीन पर कब्जे का लगाया आरोप

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव सेमरिया निवासी रामाआसरे पुत्र जसकरन लाल ने सरकारी जमीन से कब्जा हटवाने की मांग को लेकर एसडीएम को प्रार्थना पत्र सौंपकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी को दिए प्रार्थना पत्र में उन्होंने कहा कि तेंदुआ गांव में उनकी जमीन है, जहां विपक्षी कमलेश कुमार, अवधेश कुमार, राकेश कुमार खेत किनारे नाली को जोतकर अपने खेत में मिलाने की कोशिश में लगे हुए हैं। मना करने पर उन लोगों ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी है।

मारपीट व जाति सूचक गाली दी, दो के खिलाफ नामजद रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के बांसगांव निवासी फूलमती पत्नी रामसरन ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 8 जनवरी को 2 बजे उनका पति अगौरा लेकर घर पहुंचे तभी वहां से निकल रहे गांव निवासी सनी पुत्र अरविंद और नन्हे पुत्र अरुण ने बिना किसी बात के गाली गलौज कर उनसे मारपीट करने लगे, जब वह और उनकी बेटी बचाने दौड़ी तो दोनों को धक्का देकर नाली में गिरा दिया, जिससे वह दोनों चोटिल हो गई। विपक्षी जान से मारने की धमकी देते चले गए। उन्होंने दोनों के नामजद रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

एनआईसी कर्मी की पिटाई कर सिर फोड़ा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला शिव कॉलोनी निवासी अजीत शर्मा एनआईसी में कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि वह गुरुवार की शाम एनआईसी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कराकर अपने घर लौटे थे। शाम करीब 7:30 बजे पड़ोस में हाल ही में किराए से रहने आए दीनू उर्फ कपिल पुत्र अवधेश उनके घर के बाहर आकर गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि दीनू ने अजीत शर्मा और उनकी पत्नी को मारने की धमकी दी और फिर डंडे से सिर पर प्रहार कर दिया, जिससे अजीत शर्मा का सिर फट गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बाघ के हमले में मृत बच्चे के परिजनों को दिए 50 हजार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

मृतक बच्ची के परिजनों को आर्थिक सहायता देते विधायक रोमी साहनी।

अमृत विचारः थारू क्षेत्र में बाघ के हमले में जान गंवाने वाले चार वर्षीय बच्चे अराध्यम के परिजनों से मिलने विधायक रोमी साहनी उनके घर पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और तत्काल 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही सरकार से हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन भी दिया।

गौरतलब है कि दो दिन पूर्व ग्राम परसिया में थारू परिवार के चार वर्षीय बच्चे अराध्यम पुत्र राधे पर बाघ ने हमला कर दिया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अराध्यम के माता-पिता खेतों में मजदूरी करते हैं और घटना के समय बच्चा उनके साथ खेत गया हुआ था। इसी दौरान बाघ ने बच्चे पर हमला कर उसे मार डाला। घटना की सूचना मिलते ही विधायक रोमी साहनी लखनऊ से सीधे ग्राम परसिया पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने बच्चे की मां अनीता को 50 हजार रुपये की सहायता राशि सौंपते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार की ओर से भी पीड़ित परिवार को उचित सहायता दिलाई जाएगी।

भुता ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल के 100 से अधिक छात्र-शिक्षक एक्सपोजर विजिट पर अमृत विचार कार्यालय पहुंचे

छात्र-छात्राओं ने अमृत विचार अखबार को बनते हुए देखा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बरेली के भुता ब्लॉक से शैक्षिक भ्रमण पर आए छात्र-छात्राओं को अमृत विचार प्रिंटिंग प्रेस में अखबार छपने की प्रक्रिया समझाते हुए।

- सीओओ पार्थो कुनार ने बीईओ के नेतृत्व में पहुंचे छात्रों और शिक्षकों को नियमित अखबार पढ़ने की शपथ दिलाई

अमृत विचार : राष्ट्रीय आविष्कार मिशन के तहत एक्सपोजर विजिट पर भुता ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल के 100 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने खंड शिक्षा अधिकारी शशांक शुक्ला के नेतृत्व में गुरुवार सुबह आईवीआरआई कैंपस का भ्रमण किया। हिन्दी दैनिक अमृत विचार के कार्यालय और प्रिंटिंग प्रेस पहुंच कर अखबार के छपने की प्रक्रिया को देखा। अखबार के दफ्तर पहुंचने पर बीईओ, शिक्षकों और छात्रों का अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार ने स्वागत किया और उन्हें अमृत विचार अखबार की विकास यात्रा के साथ भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। भ्रमण कार्यक्रम पूरा करने के बाद बीईओ ने अमृत विचार टीम का आभार जताया। अखबार बनने और छपने की प्रक्रिया देखकर छात्र बेहद रोमांचित नजर आए। इस दौरान सीओओ पार्थो कुनार सभी छात्रों और शिक्षकों को नियमित रूप से अपने घर पर अखबार मंगाने और उसे पढ़ने की शपथ दिलाई।

भुता ब्लॉक के उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के छात्रों का गुरुवार का दिन बेहद कौतूहल भरा रहा। शैक्षिक भ्रमण पर निकले छात्रों और शिक्षकों ने गुरुवार पीलीभीत रोड पर स्थित अमृत विचार अखबार के कार्यालय पहुंच कर पहले अखबार बनने की प्रक्रिया देखी। खबरों के लिखने, उनके संपादन, चयन और फिर पेजीनेशन की प्रक्रिया को देखकर रोमांचित हुए। बच्चों ने जाना कि वह सुबह जो अखबार पढ़ते हैं वह बनता कैसे है। बच्चों ने कौतूहल से कुछ सवाल भी पूछे। अमृत विचार की टीम ने बच्चों को अखबार छपाई की प्रक्रिया के बारे में बताया। खबरों की रिपोर्टिंग से लेकर प्रसार विभाग, मार्केटिंग, ब्रांड और प्रोडक्शन विभाग की कार्यप्रणाली से अवगत बताया गया। बच्चों के साथ आए एआरपी फहीम अहमद, विमल अवस्थी, वीरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि बच्चों ने यूनिट का भ्रमण कर काफी कुछ सीखा है। जीवन में आगे भी यह काम आएगा। बच्चों ने कहा कि प्रेस भ्रमण कर उन्हें बहुत अच्छा महसूस हुआ। इस मौके पर विकास शुक्ला एवं बहुत सारे शिक्षक साथियों का अतुलनीय सहयोग रहा।

लूट करने के बाद मैनेजर की हत्या, खेत में दफनाया शव

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हत्यारोपी दोस्त दबोचा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बारादरी क्षेत्र के संजय नगर निवासी इवेंट मैनेजर पूजा राणा (30) की निर्मम हत्या कर दी गयी। हत्यारे ने शव को पीलीभीत रोड स्थित एक डिग्री कॉलेज के पीछे खेत में गड्ढा खोदकर दफन कर दिया। पूजा की बरामदगी में जुटी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रिठौरा निवासी उसके दोस्त विमल को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा कर दिया है। इवेंट मैनेजर की मोबाइल बरामदगी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया।

परिजनों के अनुसार, पूजा 12 जनवरी को अपनी मां महेंद्र देवी और बहन शालिनी को बता कर शादी समारोह के इवेंट में गई थी, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटी। अगली सुबह पिता प्रेम सिंह ने फोन किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। आसपास तलाश और रिश्तेदारों से जानकारी जुटाने के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिससे आरोपी का सुराग मिला। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और कड़ी पूछताछ में उसने हत्या करने के बाद शव को नकटिया नदी के पास खेत में दफन करने की पूरी घटना स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने नकटिया नदी के पास खेत से पूजा का शव बरामद किया और पीलीभीत की बड़ी नहर से उसकी स्कूटी भी बरामद कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि शक के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया गया था। पूछताछ के दौरान उसने सभी सच्चाई उगल दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या, साक्ष्य मिटाने और पुलिस पर हमला करने जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, मृतका के पिता प्रेम सिंह ने आरोप लगाया कि पूजा स्कूटी से निकली थी और उसने सोने की तीन अंगूठियां, दो चेन, पेंडेंट और कुंडल पहन रखे थे। उनका कहना है कि लूट के इरादे से ही आरोपी ने मफलर से गला घोंटकर हत्या की।

आग से झुलस कर गाय की मौत

फूलबेहड़, अमृत विचारः सुंदर पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव अगरा में शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई। जब डॉ. गया वर्मा के घर के बाहर बनी भूसा रखने की घारी में अचानक आग लग गई। एक गाय की मौत हो गई, जबकि बछड़ा गंभीर रूप से झुलस गया।

हादसा दोपहर करीब 2:45 बजे हुआ। डॉ. गया वर्मा की भूसा भरी घारी में अचानक आग भड़क उठी। जब तक लोग कुछ समझ पाते। इससे पहले ही आग ने विकराल रूप ले लिया। घारी से तेज लपटें उठती देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि आसपास के घरों तक पहुंचने का खतरा बन गया। इसी दौरान घारी में बंधी एक गाय और बछड़ा आग की चपेट में आ गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घारी में बंधी गाय की जलकर मौत हो चुकी थी, जबकि बछड़ा गंभीर रूप से झुलस गया।

शासकीय योजनाओं का अनुपालन करना जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- निजी चिकित्सकों की संवेदीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

अमृत विचारः निजी चिकित्सकों को शासकीय योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए संवेदीकरण कार्यशाला सीएमओ कार्यालय सभागार में हुई, जिसकी अध्यक्षता सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने की।

सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि निजी चिकित्सकों की संवेदीकरण कार्यशाला का उद्देश्य उन्हें समस्त शासकीय योजनाओं से अवगत कराना है। साथ ही उनके क्रियान्वयन को लेकर जानकारी देना था। जिससे निजी चिकित्सकों द्वारा भी शासकीय योजनाओं का लाभ आम जनमानस तक पहुंच सके। इसके लिए उन्हें एचएमआईएस पोर्टल की जानकारी दी गई। इस दौरान एचएमआईएस फॉर्म को भरना बताया गया। पोर्टल पर एंट्री को करने के बारे में जानकारी दी गई। जिन चिकित्सकों द्वारा अपने चिकित्सालय में सामान्य प्रसव या सर्जरी की जा रही हैं उन्हें भी पोर्टल पर फीड करने के निर्देश दिए गए। टीकाकरण, जन्म और मृत्यु की जानकारी को भी पोर्टल पर भरना आवश्यक है। इसका सर्टिफिकेट भी देना अनिवार्य है। जिससे सही जानकारी शासन तक पहुंच सके। निरीक्षण के दौरान कमी पाए जाने पर आवश्यक कार्यवाही भी की जाएगी। जनपद में इसके लिए 72 चिकित्सालय पंजीकृत है। उन्होंने कहा कि सभी मरीजों की केस सीट जरूर बनाएं। केस सीट पर प्रिस्क्रिप्शन को साफ़-साफ़ लिखना जरूरी है। डिलीवरी व आउटडोर मरीज सहित अन्य रिकॉर्ड के लिए रजिस्टर भी बनवाएं। इस दौरान उन्होंने ऐसे चिकित्सालयों के प्रबंधन की प्रशंसा की जो नियमित रिपोर्टिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीकाकरण को भी पोर्टल पर रिपोर्ट जरूर करें।

संदिग्ध हालात में सड़क किनारे मिला व्यक्ति का शव

भुता, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के प्रीति कॉलेज के पास गिरधरपुर रोड पर सड़क किनारे संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने पड़ोस के गांव खड़सरा प्रेमपाल व गिरधरपुर के महिपाल ने शव की शिनाख्त लीलाधर (55) के रुप में की है।

पुलिस ने बताया कि राहगीरों की सूचना पर शुक्रवार शाम शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने पहुंचकर जांच पड़ताल की। तभी पड़ोस के गांव के खड़सरा निवासी प्रेमपाल व गिरधरपुर निवासी महिपाल ने इनकी शिनाख़्त ग्राम घनश्यामपुर थाना बिलसंडा निवासी लीलाधर के रूप में की है। पुलिस ने शव को सील कर पोस्टमार्टम भेज दिया है। मृतक लीलाधर के दो बेटे व पत्नी सितारगंज में मजदूरी आदि का कार्य करते हैं । पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्यायालय श्रीमान् उपजिलाधिकारी महोदय सहसवान (बदायूं)

कलीमुल हफीक पुत्र स्व. श्री अब्दुल हफीज निवासी मो. कस्बा पट्टीयकीन मुहम्मद पर. तह. सहसवान जिला बदायूं **बनाम** अंगूरी पत्नी ज्ञानदेव निवासी ग्राम रसूलपर कलां परगना व तहसील सहसवान जिला बदायूं

धारा– 116 उ.प्र.रा. सं.

ग्राम सिलहरी पर. व तह. सहसवान जिला बदायूं हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आज व तारीख 28.01.2026 ई. बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या वकालतन वकील के जो मुकदमा के हालात करार बाकई बाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतालिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दाबा को करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेजात पेश करें जिन पर आप बताइए अपनी जवाबदेही के इस्तेमाल करना चाहते हो। आपको इत्तला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपके मसमुअ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज तारीख माह सन् 20.02.2026 ई. को जारी किया गया।

आदेशानुसार: न्यायालय उपजिलाधिकारी महोदय सहसवान (बदायूं)

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 08/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते हैः–

क्रम सं.-1, कार्य का विवरणः इज्जतनगर मंडल में वमइं/मुख्या. के अधिकार क्षेत्र में एन.एस.जी.-3 से एन.एस.जी.-6 स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिये सुविधाओं का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 2,09,08,525.53, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,54,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह।

(1) ई-निविदा दिनांक 16-02-2026 को 15:00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।

(2) ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट ***www.ireps.gov.in*** पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि/डब्लू-428 **इज्जतनगर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: DCE-BL-05-2026

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ई-निविदा आमन्त्रित करते हैं:–

क्रम सं.-1, ई-निविदा सं.-DCE-BL-05-2026, कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे के ओपेन वेब गर्डर पुल लखनऊ मण्डल पर स्थित पुल सं.-391UP (17x61.0m), वाराणसी मण्डल पर स्थित पुल सं.-137UP (13x30.5m) एवं 137DN (13x30.5m) तथा इज्जतनगर मण्डल पर स्थित पुल सं.-270(8x30.5m) के टाप कार्ड पर इन्सपेक्शन पाथवे तथा इण्डरेकर पर सीढ़ियो का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 6,91,03,518.82, बयाने की राशिः ₹ 4,95,500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधिः 18 (अट्ठारह) माह।

- ई-निविदा खुलने की तिथिः दिनांक 17-02-2026 को 11:00 बजे। • ई-निविदा की प्राप्ती की तिथिः दिनांक 17-02-2026 को 10:59 बजे। • ई-निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण वेबसाईट ***www.ireps.gov.in*** पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन
मुजाधि/डब्लू-427 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

20 जनवरी से गन्ने का शुरू होगा सर्वे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 5 फरवरी तक चलेगा अभियान, शासन को जाएगी खेतों में शेष गन्ने की रिपोर्ट

अमृत विचार : गन्ना किसानों के खेतों में जो गन्ना अभी शेष है उसका सर्वे किया जाएगा। शासन के निर्देशों के बाद गन्ना विभाग ने 20 जनवरी से 5 फरवरी तक खड़े गन्ने का सर्वे करने का निर्णय लिया है। सर्वे के दौरान पांच बिंदुओं पर काम किया जाएगा। सर्वे पूरा होने के बाद विभाग शासन को रिपोर्ट भेजेगा।

पिछले साल नवंबर से जनपद की दोनों चीनी मिलों पर गन्ना पेराई की जा रही है। करीब 50 प्रतिशत से अधिक गन्ना चीनी मिलों पर पहुंच चुका है। अब जो गन्ना खेतों में शेष बचा है उसका सर्वे किया जा रहा है। 20 जनवरी से गन्ना विभाग ने सर्वे शुरू कर दिया है। सर्वे के दौरान मिश्रित प्लाट की पहचान की जा रही है। साथ ही गन्ना प्लॉटों का चयन किया जा रहा है। किस क्षेत्र में कितने प्लाट हैं, जिसमें गन्ना खड़ा है। खेतों में खड़े गन्ने का बीज प्रमाणीकरण किया जा रहा है कि कौन से प्लाट का गन्ना ठीक है। खेतों में खड़े गन्ने का बीज आरक्षित किया जा रहा है।

जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि खेतों में खड़े गन्ने का सर्वे को शेखूपुर चीनी मिल का 6 टीमें लगाई गई हैं, जबकि बिसौली की यदु शुगर मिल की 10 टीमें काम कर रही हैं। दोनों चीनी मिलों के कर्मचारी अपने अपने क्षेत्र में गन्ना प्लाटों का सर्वे कर रहे हैं। सर्वे के रिपोर्ट तैयार की जाएगी जो शासन को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रयास किया जा रहा है कि किसानों से संपर्क कर जल्द गन्ना चीनी मिलों तक पहुंचाया जाए।

शेखूपुर चीनी मिल के जूस की गुणवत्ता पर उठे सवाल

जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि शेखूपुर चीनी मिल के जूस की गुणवत्ता कम है। जूस की गुणवत्ता 70 प्रतिशत होनी चाहिए जो इस समय 68,60 है। चीनी मिल से कहा गया है कि जूस की गुणवत्ता बनाए रखने को सूखा और बीमार गन्ना नही लिया जाए। कहा कि जूस की गुणवत्ता मानक के अनुसार न होने पर चीनी के उत्पादन पर असर पड़ता है। हालांकि इस बार चीनी परता गत वर्ष की अपेक्षा बेहतर है। फिर भी जूस में सुधार किया जाना जरूरी है।

लोक जन संघर्ष पार्टी का धरना प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी

केशवापुर, अमृत विचार : ब्लाक कुम्भी की ग्राम पंचायत बांसगांव के बार्ड 7 में गांव की समस्याओं को लेकर लोक जन संघर्ष पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामनिवास शुक्ल द्वारा किया जा रहा सत्याग्रह धरना प्रदर्शन शुक्रवार चौथे दिन भी जारी रहा। जिसमें अब तक किसी भी अधिकारी के न पहुंचने से ग्रामीणों में उबाल है।

जयंती पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस को किया नमन

गोला के सीजीएन पीजी कॉलेज में नेताजी की जयंती मनाते प्राचार्य और प्राध्यापक।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : चंद्रशेखर कृषि महाविद्यालय जमुनाबाद में बसंत पंचमी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती उत्साह से मनाई। विद्यार्थियों को नेताजी के विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के बारे में बताया गया।

मुख्य अतिथि अधिष्ठाता डॉ. अनिल कुमार सिंह ने कहा कि विद्या का अर्थ सिर्फ जानकारी नही बल्कि विद्या व्यक्ति को विवेकशील, संवेदनशील तथा उत्तरदायी बनाती है। सह प्राध्यापक डॉ. अरुण कुमार, डॉ. आनंद कुमार पांडे, डॉ. राजकुमार, डॉ. रणधीर कुमार यादव, डॉ. अनूप कुमार, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. हिमांशु मिश्रा, डॉ. सतेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे। कृषक समाज इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। प्रधानाचार्य ने मां सरस्वती और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्रों पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। छात्राओं के मध्य नेताजी सुभाष चंद्र बोस के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान विषयक निबंध और भाषण प्रतियोगिता हुई। संचालन स्काउट एवं क्रीड़ा प्रभारी देवेंद्र सिंह ने किया। सीजीएन पीजी कॉलेज के नेहरू पार्क में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पार्चन तथा पूजन-हवन मुख्य यजमान प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह ने किया। शिक्षकों ने भी मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर पूर्णाहुति डाली।इस दौरान डॉ. शेषमणि विश्वकर्मा, डॉ. विश्वनाथ,, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. अनिल यादव, अमित कुमार, डॉ. अरूण कुमार सिंह, डॉ. योगेश कनौजिया, डॉ. गौरव अवस्थी, पूर्वा श्रीवास्तव, नीलम शर्मा आदि शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी डॉ. अमिताशु मिश्र, प्रवीण कुमार गुप्ता, राकेश कुमार, श्रवण कुमार, विपिन कुमार एवं छात्र/छात्राएं मौजूद रहे।

कल्पना ने मदार के पत्ते पर बनाई मां सरस्वती की तस्वीर

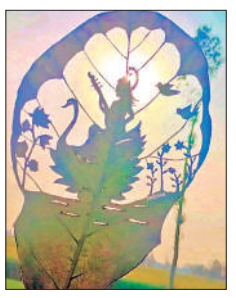

रोशननगर, अमृत विचार : बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजन पर लीफ आर्टिस्ट एडवोकेट कल्पना तिवारी ने मदार की हरी पत्ती पर मां सरस्वती का चित्र उकेरकर सोशल मीडिया पर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अलीगंज क्षेत्र के ग्राम मुस्तफाबाद (कबीरधाम) की रहने वाली कल्पना तिवारी ने अब पत्ते पर नही कोल्ड ड्रिंक की डाट, दाल पर चित्र उकेर कर अपनी आर्टिस्ट की पहचान बनाई है। कल्पना तिवारी अपने इस अनोखे टैलेंट लीफ आर्ट की वजह से पूरे जिले में एवं आसपास के क्षेत्रों में जानी जाती हैं।

उद्योगपति, स्वतंत्रता सेनानी के योगदान को किया याद

कमलनयन बजाज के चित्र पर माल्यार्पण करते यूनिट हेड ओपी चौहान।

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः बजाज चीनी मिल में शुक्रवार को संस्थापक कमलनयन बजाज की जयंती मनाई गई। पलिया चीनी मिल में यूनिट हेड ओपी चौहान ने माल्यार्पण किया। गोला में राकेश यादव और खंभारखेडा में यूनिट हेड अवधेश गुप्ता ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शिशिर बजाज ने अपने पिता के औद्योगिक योगदान और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को समर्पित एक एआई-निर्मित श्रद्धांजलि वीडियो जारी किया। बजाज फाउंडेशन के चेयरमैन शिशिर बजाज ने कहा कि मेरे पिता का मानना था कि जो हम बनाते हैं वह टिकाऊ होना चाहिए और टिकाऊ चीज़ को समाज की सेवा में लगाया जाना चाहिए। जयंती समारोह में यह संदेश दोहराया गया कि सच्ची उद्यमिता केवल लाभ कमाने तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा और मूल्य आधारित समाज निर्माण से परिभाषित होती है।

कार्रवाई

जिले में फलफूल रहा अवैध बालू और मिट्टी का कारोबार, अवैध खनन करने वालों के साथ भर रही विभाग की झोली

एक साल में 262 वाहन किए जब्त, वसूले 3 .40 करोड़ रुपये

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिले में निजी ही नहीं बल्कि सरकारी जमीन से मिट्टी का खनन करने में माफिया तनिक भी कतरा नहीं रहे हैं। वह इसलिए क्योंकि, सफेदपोश और अधिकारियों के संरक्षण में वह धंधे का संचालन कर रहे हैं। हालांकि दिखावे के लिए ही सही खनन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई ने राज्य सरकार का खजाना भर दिया। अब तक 262 वाहनों को पकड़ा गया। साथ ही 3.40 करोड़ का जुर्माना भी वसूला है। इसके बाद भी जनपद में बालू और मिट्टी का धंधा भली भांत फलफूल रहा है। जिम्मेदारों की कार्रवाई पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

जिले की पांच तहसीलों में मिट्टी और बालू का जमकर खनन हो रहा है। जिले में चल रहे तमाम निर्माण कार्य में भराव के लिए मिट्टी डाली जा ही है। बिसौली, कादरचौक, जगत, सालारपुर इस्लामनगर, आसफपुर सहित सभी 15 ब्लॉकों में जमकर जेसीबी और डंपर व ट्रैक्टर-ट्राली के जरिए मिट्टी खनन हो रहा है। रातभर अवैध खनन का धंधा चलता है, और विभाग अंधा बना रहता है। रात के अंधेरे में सड़कों पर मिट्टी से भरे डंपर दौड़ते रहते है। मिट्टी से लदे डंपर न तो पुलिस को नजर आते हैं और न ही जिम्मेदार अधिकारियों को सूचना मिलती है। शिकायत के बाद एक्का-दुक्का डंपर सीज कर जिम्मेदारों द्वारा पूरे खेल पर पर्दा डालने का प्रयास किया जाता है। खनन माफिया दिन-रात सरकारी और निजी जमीनों से मिट्टी का खनन करते हुए पर्यावरणीय क्षति के साथ-साथ राजस्व का भी चूना लगा रहे हैं। माफिया की अति सक्रियता के कारण रात के समय दुर्घटना होने का भी खतरा बना रहता है। खनन का यह पहला मामला नहीं है। इससे पूर्व भी अनेकों प्रकरण सामने आ चुके हैं। बावजूद इसके ठोस कार्रवाई न होने के कारण खनन माफियाओं के हौसले बुलंद है।

पकड़े गए हैं 262 वाहन

मिट्टी खनन कार्य में करीब 2 सौ से अधिक जेसीबी और एक हजार से अधिक ट्रैक्टर ट्राली और तीन सौ से अधिक डंपर लगे हुए हैं। खनन विभाग के आंकड़े बताते हैं कि अब 1 अप्रैल 2025 से 20 जनवरी 2026 तक कुल 262 वाहनों को ही पकड़ा गया है। इनसे जुर्माना भी वसूला गया है। जुर्माना और खनन के लिए ली गई परमीशन पर विभाग रॉयल्टी के तहत 3 .40 करोड़ राजस्व जमा किया है। विभाग द्वारा की गई कार्रवाई दर्शाती है कि जिले में किस स्तर पर खनन का धंधा हो रहा है।

रात के अंधेरे में होता है लाखों का खेल

बताया जा रहा है कि प्रतिदिन सौ से 150 डंपर मिट्टी के वाहनों को रात में दौड़ाया जाता है। एक डंपर की कीमत 3500 रुपये में बेचा जाता है। एक डंपर से सात सौ से अधिक रुपये का चूना राजस्व को लगाया जा रहा है। सफेदपोश से लेकर पुलिस और खनन विभाग की मिलीभगत से यह धंधा चलता है। बताया जाता है कि माफियाओं का नेटवर्क इतना मजबूत है कि मिट्टी डालने के साथ रात में ही उसे फैला भी दिया जाता है। ऐसा कर खनन माफिया जमकर काली कमाई कर रहा है।

गंगा से बालू रेत का होता है खनन

जिले में सौ किलोमीटर के दायरें में गंगा का फैलाव है। गंगा किनारे 68 गांव बसे हुए हैं। इन गांवों में गंगा से रेत का अवैध खनन धड़ल्ले से होता है। कादरचौक, उसहैत और कछला से गंगा से रेत मंगवा कर एक सुरक्षित स्थान पर स्टाक किया जाता है। फिर माफिया उस रेत को ट्रक, ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से आस पास के जिले बरेली, चंदौसी, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा, दिल्ली सहित अन्य स्थानों पर भेज देते हैं।

> अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते कई डंपर सीज किए गए हैं। जहां भी अवैध खनन की सूचना मिलती है, वहां पहुंचकर कार्रवाई की जाती है। मुझे अभी आए तीन माह ही बीते हैं। 160 से अधिक वाहनों को पकड़ा गया है। अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है।
>
> – **गुलशन कुमार**, खान अधिकारी

लिया हालचाल...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को मेदांता पहुंचे, उन्होंने महंत नृत्य गोपाल दास का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से भी उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। साथ ही आवश्यक उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। महंत नृत्य गोपाल दास उपचार के लिए मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं।

साहब! इन तड़पते बेजुबानों पर भी कर लें नजरें इनायत

नगर और ग्रामीण क्षेत्र में पशुओं की उपचार सेवा रात्रि में उपलब्ध नहीं, हो जाती मौत

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : साहब! सड़कों पर घायल, रोते और कराहते इन बेजुबानों पर भी नजरें इनायत कर लें। जो बोल नहीं सकते पर हम आप इनका दर्द महसूस कर सकते हैं। इनके लिए रात में उपचार और संरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। ज्यादा तकलीफ हड्डी टूटने, खून बहने और पेट में बच्चा फंसा होने पर होती है। इन्हें रात में न प्राथमिक उपचार मिलता न ही सर्जरी की व्यवस्था है। इसके लिए बरेली, मेरठ, वाराणसी और आगरा भेजना बताया जाता है। जब निराश्रितों के लिए जिलों में सरकारी व्यवस्था नहीं तो आम आदमी इन्हें दूर-दराज अपने खर्च पर क्यों ले जाए।

- **दोपहर ढाई बजे बंद हो जाते अस्पताल इमरजेंसी में नाम की जिम्मेदारी**

नगर हो या ग्रामीण दोपहर 2:50 बजे के बाद पशु चिकित्सालय बंद हो जाते हैं। चिकित्सक नॉन प्रैक्टिस एलाउंस के आदेश का हवाला देकर इमरजेंसी सेवा नहीं देते हैं। मुख्यालय छोड़कर चले जाते हैं और रात में फोन नहीं उठाते हैं। अस्पतालों पर गंभीर रोग का इलाज, जांच और सर्जरी की व्यवस्था नहीं है। सर्जन न के बराबर हैं तो अन्य चिकित्सक भी कम हैं। 1962 सेवा दिन में तत्काल नहीं मिलती। शाम को संचालन बंद हो जाता है। पशुपालन विभाग तकनीक नहीं, बल्कि विकास अंतर्गत आता है। इसलिए मानव की तरह सेवाएं नहीं हैं। सिर, सिंग, मुंह व गर्दन कसी रस्सी या तार से बंधे क्रूरता के शिकार गोवंश घाव व कीड़े से तड़पते रहते हैं। इन्हें पकड़ने के लिए नगर निगम को छोड़ बाकी संसाधनों का रोना रोते हैं। तो कई जिलाधिकारी और पशुपालन के अधिकारी ऐसे हैं, जो इन्हीं संसाधनों से काम चलाकर पशुओं को तत्काल राहत पहुंचाते हैं।

प्रयागराज में गाय के पेट में फंसा रहा बच्चा, मौत

केस-1

21 जनवरी को ग्राम बारा खास में निराश्रित गाय के पेट में बच्चा फंसा होने की सूचना पर संबंधित चिकित्सक मौके पर पहुंचे। टीम ने प्रयास किए, लेकिन बच्चा नहीं निकाल पाए। जिले स्तर पर सर्जरी की व्यवस्था नहीं थी। हालत बिगड़ने पर दूसरे दिन रात में डीएम के निर्देश पर टीम पहुंची। प्राथमिक उपचार दिया पर सर्जरी की व्यवस्था नहीं हो पाई। कुछ देर बाद मौत हो गई।

प्रयागराज में गाय के पेट में फंसा बच्चा निकालती टीम।

लखनऊ में गोवंश को नहीं मिला उपचार, मौत

केस-2

28 दिसंबर की रात करीब एक बजे लखनऊ के बलिंगटन में हादसे में घायल गोवंश तड़पता रहा। बराबर खून बहा। राहगीर करीब 45 मिनट तक नगर निगम और पशुपालन विभाग को फोन मिलाते रहे, लेकिन नहीं उठे। डीएम आवास पर भी जानकारी दी। रात ने उपचार सेवा न होने की वजह से कोई नहीं पहुंचा और कुछ देर बाद मौत हो गई।

लखनऊ में हादसे में घायल गोवंश।

घायल सांड़ को डीएम पीलीभीत ने दिलाई राहत

केस-3

पीलीभीत के गांव नारायनपुर में आंख के पास धारदार हथियार से घायल और गर्दन में कसी रस्सी से घाव व खून से लथपथ सांड़ का संसाधनों के अभाव में ग्रामीण स्तर से रेस्क्यू नहीं हो पाया। बराबर आनाकानी की। डीएम को जैसे ही सूचना मिली तो सीवीओ को निर्देशित करके 13 दिसंबर को नगर पालिका की टीम लगा दी। सांड़ को पकड़कर गोशाला भेजा गया और रस्सी काटकर उपचार किया गया।

पीलीभीत में घायल सांड़।

उन्नाव में नंदी का जबड़ा चीर रही रस्सी

केस-4

उन्नाव के मियागंज ब्लॉक अंतर्गत राजबाग में क्रूरता से एक नंदी के मुंह में बांधी गई रस्सी खाल चीरते अंदर घुस गई। ब्लॉक व पंचायत को जानकारी हुई तो संसाधनों का अभाव बताया। अफसरों ने निर्देशित किया तो टीमें बनी लेकिन पकड़ने का प्रयास किया तो विफल हो गए। इसके बाद प्रयास ही नहीं किया, न ही जिम्मेदारों ने दर्द से कराह रहे नंदी की सुध ली।

उन्नाव में नंदी के जबड़े में बंधी रस्सी और घाव।

फैक्ट्री में करोड़ों रुपये की चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

आगरा,एजेंसी:आगरा-मथुरा : राजमार्ग पर स्थित रोजर शू इंडस्ट्रीज लिमिटेड में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 7.70 करोड़ रुपये मूल्य का सोना, हीरे, चांदी और नकदी बरामद की। रोजर इंडस्ट्रीज अरतौनी के मालिक दीपक बुद्धिराजा ने 19 जनवरी को सिकंदरा थाना में सूचना दी थी कि पहली मंजिल का गेट टूटा हुआ है और अलमारियों के ताले भी टूटे पड़े हैं। अधिकारी ने बताया कि सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि फैक्ट्री के लॉकर में रखी नकदी और भारी मात्रा में कीमती जेवरात चोरी हो चुके हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 66 लाख रुपये से ज्यादा नकद और 7.70 करोड़ रुपये के गहने बरामद किए गए। आरोपियों की पहचान अनुपम शर्मा, अनुराग शर्मा और संजय सिंह उर्फ संजू के रूप में हुई है।

न्यूज ब्रीफ

युवाओं को मिलेगा उद्योग आधारित प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : गौतम बुद्ध नगर स्थित नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर (एनएईसी) और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह एमओयू पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए कौशल विकास, रोजगार और उद्यमशीलता के नए अवसर खोलेगा। एमओयू के तहत एनएईसी आगामी पांच वर्षों में पश्चिमी यूपी के 18 जिलों के 128 विकास खंडों और 10,323 ग्रामों से जुड़े एक लाख युवाओं को 28 विभिन्न सेक्टरों में अल्पकालीन, उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण देगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 70 हजार युवाओं को औद्योगिक इकाइयों में रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम की खास बात यह है कि कुल प्रशिक्षणार्थियों में 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी। गारमेंट उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रेरणा स्थल पर सजेगी विकसित यूपी की झांकी

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 से 26 जनवरी तक राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय समारोह में प्रदेश की पर्यटन क्षमता, सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा की भव्य झलक देखने को मिलेगी। 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश को अग्रणी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने का संदेश दिया जाएगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि उप्र. पर्यटन विभाग के स्टॉल पर विभागीय योजनाओं के साथ-साथ पीपीपी मोड पर क्रियान्वित परियोजनाओं, माघ मेला-2026, बुंदेलखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों, विरासत संरक्षण, इको-टूरिज्म बोर्ड की पहलों तथा यूपीएसटीडीसी की 'लखनऊ दर्शन' इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस सेवा जैसे सफल प्रयासों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा।

विद्यार्थियों को पर्यटन से जोड़ेंगी प्रतियोगिताएं

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश दिवस और राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर उप्र. पर्यटन विभाग द्वारा युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के उद्देश्य से राजधानी स्थित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल में विभिन्न रचनात्मक एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 24 जनवरी को होंगे, कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता होगी, जिसे जूनियर और सीनियर दो वर्गों में विभाजित किया गया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस मौके पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा, जो लाइव, ऑनलाइन और इंटरएक्टिव होगी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्थलों और विकासात्मक उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी। युवा पर्यटन के अंतर्गत वॉक्स पॉप फिल्म प्रस्तुति और यूथ रील स्टोरीटेलिंग कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा।

बिजली चोरी डिफॉल्टर भी अब ले सकेंगे ओटीएस योजना का लाभ

उपभोक्ता अब रेड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर ले सकते हैं योजना का लाभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मध्यांचल निगम के एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को लाभ वह उपभोक्ता भी उठा सकेंगे, जो वर्ष-2023 में बिजली चोरी में पकड़े जाने के बाद डिफॉल्टर श्रेणी में आ गए थे। ऐसे उपभोक्ता अब रेड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। अब तक मध्यांचल डिस्कॉम में 11,077 उपभोक्ता पूरा भुगतान कर लगभग 23.33 करोड़ रुपये की छूट का लाभ ले चुके हैं, इनमें सर्वाधिक 2,446 उपभोक्ता अयोध्या क्षेत्र से हैं। वहीं बिजली चोरी से संबंधित मामलों में 15,663 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया, जिसके सापेक्ष 32.53 करोड़ रुपये के असेसमेंट पर 5.87 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

ओटीएस योजना के अंतर्गत अब तक कुल 11,98,407 उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है और 1,147.64 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली की जा चुकी है। वहीं शुक्रवार को 4.69 करोड़ रुपये की वसूली दर्ज की गई है। राजधानी में भी योजना को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। अमौसी क्षेत्र में 12,049 उपभोक्ताओं से 17.74 करोड़, जानकीपुरम में 1,922 उपभोक्ताओं से 3.54 करोड़, लखनऊ मध्य क्षेत्र में 1,230 उपभोक्ताओं से 2.30 करोड़ तथा गोमतीनगर क्षेत्र में 646 उपभोक्ताओं से 1.38 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई। इसके अलावा योजना के माध्यम से अन्य जिलों जिसमें बरेली क्षेत्र से 288.92 करोड़, अयोध्या से 317.35 करोड़, सीतापुर से 210.64 करोड़, देवीपाटन से 185.70 करोड़ तथा रायबरेली क्षेत्र से 119.67 करोड़ रुपये की वसूली की गई।

घूस की शिकायत पर ऊर्जा मंत्री ने लाइनमैन को किया बर्खास्त, जेई निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने घूसखोरी की शिकायत सामने आने पर कड़ा रुख अपनाते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री के निर्देश पर एक लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई, जबकि एक कनिष्ठ अभियंता (जेई) को निलंबित किया गया है। साथ ही एसडीओ और अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा गया है। ऊर्जा मंत्री शुक्रवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई कर रहे थे। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा के नौगांव सादात निवासी मोहम्मद यूसा ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगे जाने और जानबूझकर कार्य में टालमटोल करने की शिकायत समक्ष रखी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने तत्काल पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता से फोन पर बात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सख्त निर्देश मिलते ही प्रबंध निदेशक ने बिना विलंब किए कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियंता राजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, जबकि लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। इसके अलावा एसडीओ रितेश प्रसाद और अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम-10 के तहत स्पष्टीकरण जारी किया गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

10 प्रमुख फसलों के एमएसपी की संस्तुति केंद्र को भेजने के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में शुक्रवार को विधानभवन स्थित कक्ष में खरीफ (2026-27) की प्रमुख फसलों के मूल्यों की संस्तुति के लिए मूल्य परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में धान ग्रेड-ए, धान सामान्य, ज्वार, मक्का, उड़द, अरहर, मूंग, मूंगफली, सोयाबीन और तिल जैसी 10 प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कृषि मंत्री ने सभी फसलों के लिए प्रस्तावित मूल्यों की संस्तुति तैयार कर भारत सरकार को भेजने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा समेत प्रमुख सचिव रविंद्र, अजय कुमार शुक्ला, सचिव इन्द्र विक्रम सिंह, निदेशक कृषि पंकज त्रिपाठी मौजूद रहे।

लापरवाह उर्वरक कंपनियों पर होगी एफआईआर: शाही

कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जेपीएस राठौर।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उर्वरकों की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाली कंपनियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनवरी 2026 के लिए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत आपूर्ति न करने वाली उर्वरक कंपनियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए।

विधानसभा स्थित समिति कक्ष में शुक्रवार को संपन्न समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में प्रदेश को प्रतिदिन औसतन 12 से 13 यूरिया रैक प्राप्त हो रही हैं। 1 अक्टूबर 2025 से अब तक लगभग 1.02 करोड़ किसानों ने पीओएस मशीनों के माध्यम से 50.93 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त किया है। प्रदेश में इस समय 7.23 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4.35 लाख मीट्रिक टन डीएपी और 3.69 लाख मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है।

सहकारिता क्षेत्र में 2.07 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 1.79 लाख मीट्रिक टन डीएपी का स्टॉक मौजूद है, जबकि निजी बिक्री केंद्रों पर भी पर्याप्त भंडार है। मंडलवार समीक्षा में बरेली, मुरादाबाद, वाराणसी और गोरखपुर मंडलों में उर्वरकों की स्थिति संतोषजनक पाई गई।

सीएम युवा योजना के तहत कर्ज देने में जौनपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **यूपी दिवस पर आज मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानित आजमगढ़ दूसरे व हरदोई तीसरे स्थान पर**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना के क्रियान्वयन में शत-प्रतिशत से अधिक लाभ देकर जौनपुर पूरे प्रदेश में अव्वल रहा है। यूपी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे। योजना के तहत दूसरे स्थान पर आजमगढ़ और तीसरे स्थान पर हरदोई रहा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने डेढ़ लाख युवाओं को लोन वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक 1,03,353 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

जौनपुर जिले ने इस योजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के अनुसार जिले को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2,500 युवाओं को लोन वितरण का लक्ष्य दिया गया था। इसके सापेक्ष 8,240 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 7,033 आवेदन बैंकों को भेजे गए। अब तक 3,315 युवाओं को लोन वितरित किया जा चुका है। इस तरह जौनपुर ने लक्ष्य के सापेक्ष 132 प्रतिशत से अधिक लोन वितरण कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा अंबेडकरनगर चौथे और झांसी पांचवें स्थान पर रहे। कौशांबी, बहराइच, रायबरेली और महराजगंज का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा।

14 लखपति दीदी को सम्मानित कर दिल्ली किया रवाना

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी 14 'लखपति दीदियों' को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने कालीदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर शुक्रवार को गणतंत्र दिवस परेड में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना होने वाली बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि 'लखपति महिला योजना' के तहत 33 लाख से अधिक महिलाओं का चिन्हांकन किया गया है, जिनमें से 18 लाख से अधिक महिलाएं लखपति श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं। दिल्ली जाने वाली लखपति दीदियों में विभिन्न जिलों की महिलाएं शामिल हैं, जो ई-रिक्शा संचालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, कैफे संचालन, कृषि, सौंदर्य प्रसाधन और खाद्य उत्पादों जैसे विविध उद्यमों से जुड़ी हैं।

अपने सरकारी आवास पर लखपति दीदियों को सम्मानित करने के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या।

तैयारी

विधानसभा चुनाव से पहले गुटबाजी पर लगाम लगाने को जिला स्तर पर निगरानी और समन्वय की दी गई जिम्मेदारी

भाजपा ने यूपी के 84 संगठनात्मक जिलों में नियुक्त किए पर्यवेक्षक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सत्तारूढ़ भाजपा ने जमीनी स्तर पर अपनी रणनीति को स्पष्ट करते हुए संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने प्रदेश के 84 संगठनात्मक जिलों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। संगठन के नए मुखिया का यह फैसला जिला स्तर पर निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी के साथ विधानसभा चुनाव से पहले संगठन पर फोकस करते हुए गुटबाजी पर लगाम लगाने की तैयारी है।

पिछले महीने पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद यह पहला बड़ा संगठनात्मक निर्णय माना जा रहा है। जिन 84 संगठनात्मक जिलों में हाल ही में नए जिला अध्यक्ष नियुक्त किए गए थे, वहां अब पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इनकी भूमिका केवल रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं होगी। उन्हें जिला संगठन, जनप्रतिनिधियों और पार्टी के विभिन्न मोर्चों के बीच समन्वय स्थापित करने, गुटबाजी पर नियंत्रण रखने और नेतृत्व की रणनीति को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी दी गई है।

संगठन में फीडबैक आधारित मॉडल

पंकज चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश संगठन तेजी से फीडबैक-आधारित मॉडल पर काम कर रहा है। वे लगातार जिलों और क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, स्थानीय नेताओं से सीधे संवाद कर रहे हैं और संगठन की नब्ज टटोल रहे हैं।

सभी वर्गों में संतुलन साधने की दिखाई दे रही कोशिश

इस संगठनात्मक कवायद के समानांतर भाजपा के भीतर सामाजिक समीकरण भी केंद्र में हैं। ब्राह्मण, ठाकुर, वैश्य, भूमिहार, ओबीसी और दलित सभी वर्गों में संतुलन साधने की कोशिश साफ दिखाई देती है। आंकड़े बताते हैं कि संगठन और सरकार, दोनों में ब्राह्मण और ठाकुर प्रतिनिधित्व लगभग संतुलित है, जबकि वास्तविक संगठनात्मक प्रभुत्व ओबीसी नेतृत्व के हाथों में है।

दलित राजनीति पर बड़ा फोकस

दलित राजनीति भाजपा के लिए अगला बड़ा फोकस बनती दिख रही है। संगठन और मंत्रिपरिषद में दलित प्रतिनिधित्व बढ़ाने के साथ-साथ, गैर-जाटव दलितों और पहली बार वोट देने वालों तक पहुंच बढ़ाने पर रणनीतिक काम हो रहा है। इसके साथ ही महिलाएं पार्टी की दूसरी बड़ी प्राथमिकता हैं। उज्ज्वला, आवास और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं से बने माहौल को संगठनात्मक ताकत में बदलने के लिए जिला-मंडल स्तर पर महिला नेतृत्व को आगे लाने की तैयारी है।

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में सीटों का 62 से घटकर 33 रह जाना केवल राष्ट्रीय मुद्दों का असर नहीं था। इसके पीछे संगठनात्मक शिथिलता, मतदाता संपर्क की कमजोरी और सामाजिक संदेश की अस्पष्टता भी अहम कारण रहे। इसी अनुभव के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद पर्यवेक्षकों को जिलों में भेजने की योजना बनाई गई। मतदाता सूचियों में नामों की कमी, खासकर पारंपरिक समर्थक वर्गों में, पार्टी के लिए चेतावनी की तरह देखी गई। हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कानपुर और मुरादाबाद जैसे जिलों में संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच खींचतान लंबे समय से सामने आती रही है। पार्टी के भीतर यह स्वीकार किया जा रहा है कि यदि इन अंतर्विरोधों को समय रहते नहीं सुलझाया गया, तो चुनावी नुकसान तय है। पर्यवेक्षक व्यवस्था को इन्हीं कमजोर कड़ियों को जोड़ने के औजार के रूप में देखा जा रहा है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देगा औरैया मॉडल

अमृत विचार, लखनऊ : औरैया जिले ने आवासीय सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल करते हुए प्रदेश के लिए मॉडल प्रस्तुत किया है। औरैया जिले में अब नए आवासीय भवनों के नक्शे पास कराने के लिए सोलर रूफटॉप सिस्टम और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य कर दिया गया है। इसे सरकार ग्रीन एनर्जी और सतत विकास की दिशा में अन्य जिलों में लागू करने की तैयारी में है। निर्णय का उद्देश्य केवल बिजली बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण को भी मजबूती देना है। नई व्यवस्था के तहत नगर पालिका, नगर पंचायत और नगर निगम स्तर पर बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित कर इसे लागू किया जा सकता है।

अमृत विचार

शनिवार, 24 जनवरी 2026

अगर आप सच बोलते हैं, तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नहीं है।

–मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

क्रिकेट पर कलह

टी-20 विश्व कप जैसे वैश्विक आयोजन से ठीक पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा इसे खेलने से इनकार करना, एक व्यापक राजनीतिक संकेत देता है। अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम 'बुलबुल' का यह कहना कि टीम भारत नहीं जाएगी, तब और अधिक प्रश्न खड़े करता है, जब भारत एक स्थिर सरकार, सुदृढ़ सुरक्षा तंत्र और सफलतापूर्वक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों का रिकॉर्ड रखता है। ऐसे में असुरक्षा का तर्क वस्तुपरक से ज्यादा राजनीतिक है। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह निराशापूर्ण है। भारत-बांग्लादेश या पाकिस्तान-बांग्लादेश जैसे मुकाबलों में जो क्रिकेटीय रोमांच और भावनात्मक तीव्रता होती है, उसे स्कॉटलैंड जैसी टीम से भर पाना मुश्किल है। प्रतिस्पर्धात्मक आकर्षण और दर्शकीय ऊर्जा की दृष्टि से यह एक 'खानापूरी' जैसा ही प्रतीत होता है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अधिकांश बोर्ड सरकारी प्रभाव से पूरी तरह मुक्त नहीं होते, खिलाड़ियों की खेलने की इच्छा के बावजूद बहुधा सरकारी अनुमति बाधक बनती है, जो खेल की स्वायत्तता पर गंभीर प्रश्न है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा मुस्तफ़ीजुर रहमान को रिलीज़ करने का बीसीसीआई का निर्देश विवादित हो सकता है, पर एक फ्रेंचाइज़ी-आधारित, निजी व्यावसायिक लीग में ऐसे निर्देश को समूचे बांग्लादेशी क्रिकेटरों या राष्ट्र के अपमान के रूप में प्रस्तुत करना अतिशयोक्ति है। एक खिलाड़ी के अनुबंधीय मसले को राष्ट्रीय अस्मिता का प्रश्न बना देना संतुलित प्रतिक्रिया नहीं कही जा सकती। बांग्लादेश द्वारा आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगाना और विश्व कप का बहिष्कार करना दोनों कदम अंततः अपने ही दर्शकों के हितों के विरुद्ध जाते हैं। लगभग दो करोड़ क्रिकेट-प्रेमियों को एक बड़े टी20 आयोजन से वंचित करना किस हद तक न्यायसंगत है? टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट की घटती लोकप्रियता के बीच टी20 ही वह प्रारूप है, जो युवाओं को जोड़ता है, इसलिए यह कदम खेल-भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। आर्थिक दृष्टि से भी यह निर्णय उसे भारी पड़ सकता है। अनुमानतः 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 240 करोड़ रुपये) का प्रत्यक्ष नुकसान, साथ ही ब्रॉडकास्ट और स्पॉन्सरशिप राजस्व में गिरावट— ये सब बीसीबी की वित्तीय सेहत पर असर डालेंगे। खिलाड़ी भी मैच फीस और प्रदर्शन-आधारित बोनस से वंचित रहेंगे। दीर्घकाल में यह प्रतिभा विकास और घरेलू ढांचे पर भी असर डाल सकता है। आईसीसी यदि इस कदम को राजनीति प्रेरित मान कर अनुशासनात्मक कार्रवाई करता है, तो सदस्यता निलंबन जैसी कठोर कार्रवाई से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश की भागीदारी ठप पड़ सकती है और द्विपक्षीय श्रृंखलाएं अनिश्चितकाल के लिए टल सकती हैं। इससे नुकसान केवल भारत या आईसीसी का नहीं, स्वयं बांग्लादेश का अधिक होगा। भारत और बीसीसीआई को भी प्रसारण व दर्शकीय राजस्व में कमी का सामना करना पड़ सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या क्रिकेट को कूटनीति का औजार बनाया जाना चाहिए? इतिहास साक्षी है कि खेल संवाद के पुल बनाते हैं, दीवारें नहीं। बांग्लादेश सरकार और बीसीबी के पास अभी भी संवाद, मध्यस्थता और संतुलित समाधान का मार्ग खुला है।

प्रसंगवश

बेटियों की शिक्षा: विकास के दावों के बीच टूटता भविष्य

हर वर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश की बेटियों के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की याद दिलाता है। यह दिवस जितना उत्सव का प्रतीक है, उतना ही आत्ममंथन का अवसर भी देता है। आज जब भारत विश्व मंच पर विकास, डिजिटल प्रगति और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की बात करता है, तब भी देश की लाखों बालिकाएं ऐसी हैं, जो शिक्षा की दहलीज़ तक पहुंचकर बीच रास्ते लौट आती हैं। यही कारण है कि आज भी हमारे सामाजिक और शैक्षिक विकास के दावों को कठोर प्रश्नों के घेरे में खड़ा करती है।

पिछले कुछ दशकों में बालिका शिक्षा के क्षेत्र में निश्चित रूप से सुधार हुआ है। शिक्षा मंत्रालय की यू-डाइस प्लस 2021–22 रिपोर्ट बताती है कि प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं का नामांकन लगभग लड़कों के बराबर पहुंच चुका है। यह उपलब्धि दर्शाती है

संध्या राजपुरोहित

शिक्षिका

कि समाज और सरकार दोनों स्तरों पर प्रयास किए गए हैं, लेकिन जैसे-जैसे शिक्षा का स्तर ऊंचा होता है, यह समानता धीरे-धीरे टूटने लगती है। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर पहुंचते-पहुंचते बड़ी संख्या में बालिकाएं शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो जाती हैं। यही वह मोड़ है, जहां सपनों से भरी आंखें अधूरे भविष्य के साथ पीछे रह जाती हैं।

यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट भी इस सच्चाई की पुष्टि करती है कि भारत उन देशों में शामिल है, जहां माध्यमिक शिक्षा पूरी न कर पाने वाली बालिकाओं की संख्या अब भी चिंताजनक है। रिपोर्ट यह बताती है कि गरीबी, सामाजिक भेदभाव और लैंगिक असमानता बालिकाओं की शिक्षा के बड़े अवरोध बने हुए हैं। शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि सामाजिक संरचना का आईना बन जाती है।

यदि इस परिदृश्य को आदिवासी अंचलों के संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी गंभीर दिखाई देती है। जनगणना 2011 के अनुसार देश की लगभग 8.6 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजातियों की है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी, विशेषकर बालिकाओं की, इस अनुपात से बेहद कम है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि आदिवासी समुदायों में बालिकाओं का स्कूल छोड़ने का प्रतिशत सामान्य आबादी की तुलना में अधिक है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों के आदिवासी बहुल जिलों में यह समस्या लगातार गहराती जा रही है।

आदिवासी बालिकाएं केवल आर्थिक अभाव से ही नहीं जूझतीं, बल्कि पलायन, भाषा की कठिनाइयों, स्कूलों की दूरी और सामाजिक परंपराओं का भी बोझ उनके कंधों पर होता है। आजीविका की तलाश में जब परिवार पलायन करता है, तो सबसे पहले शिक्षा की डोर बेटी के हाथ से छूटती है। अस्थायी बस्तियों में न स्कूल होता है, न शिक्षकीय सहयोग और न ही पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण। परिणामस्वरूप बालिकाएं घरेलू श्रम, मजदूरी और देखभाल की जिम्मेदारियों में उलझ जाती हैं। बालिकाओं के स्कूल-कॉलेज छोड़ने के पीछे सामाजिक कारणों की श्रृंखला और भी लंबी है। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्कूल-कॉलेज की दूरी और सुरक्षित परिवहन की कमी अभिभावकों की चिंता बढ़ाती है। कई स्कूलों में शौचालय, स्वच्छता और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बालिकाओं की उपस्थिति को प्रभावित करता है। किशोरावस्था में पहुंचते ही मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक चुप्पी और भ्रांतियां अनेक बालिकाओं को स्कूल से दूर कर देती हैं।

अमेरिका का 150 बरस पुराना ख्वाब है ग्रीनलैंड

राजेश जैन

वरिष्ठ पत्रकार

ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। क्षेत्रफल लगभग 21.7 लाख वर्ग किलोमीटर, लेकिन आबादी सिर्फ 60 हजार के आसपास। यहां का 80 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढका रहता है। न घने जंगल, न हाईवे, न चमकते शहर। कई महीनों तक सूरज डूबता नहीं और कई महीनों तक रात खत्म नहीं होती। देखने में शांत, ठंडा और वीरान लगने वाला यह द्वीप आज वैश्विक राजनीति के सबसे गर्म मोर्चों में बदल चुका है। वजह है- अमेरिका की पुरानी, लेकिन अब खुली और आक्रामक चाहत। डोनाल्ड ट्रंप का संदेश बिल्कुल साफ है- ग्रीनलैंड चाहिए, हर हाल में चाहिए, लेकिन सवाल यह है कि अमेरिका को इस बर्फीले, कम आबादी वाले द्वीप की इतनी ज़रूरत क्यों है और क्या अमरीका इसे हासिल कर पाएगा।\

ग्रीनलैंड पर अमेरिका की नजर नई नहीं है। 1867, 1910, 1946; तीन बार अमेरिका ने डेनमार्क को ऑफर दिया। 1946 में तो 100 मिलियन डॉलर का सोना तक देने को तैयार था। हर बार जवाब मिला– न, लेकिन ट्रंप ने डिप्लोमेसी से आगे बढ़कर सीधी ज़िद पकड़ ली- अगर खरीदा नहीं जा सकता, तो दबाव डालो।

बता दें कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क का साफ संदेश है- ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। ग्रीनलैंड की अपनी सरकार, अपनी संसद और अपनी पहचान है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे डरिक्सन ने अमेरिकी प्रस्ताव को बेतुका बताया। ग्रीनलैंड के नेताओं ने कहा- यह जमीन नहीं, हमारी आत्मा है। यूरोप के देशों ने भी डेनमार्क का समर्थन किया। ग्रीनलैंड बिकेगा, इसकी संभावना लगभग शून्य है, क्योंकि आज दुनिया सिर्फ ताकत से नहीं, कानून, संप्रभुता और जनमत से चलती है, लेकिन दबाव जारी रहेगा- कभी आर्थिक, कभी कूटनीतिक, कभी रणनीतिक।

ग्रीनलैंड दुनिया के नक्शे पर ऐसी जगह स्थित है, जो यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के बीच सेतु जैसा काम करता है। उत्तर में आर्कटिक महासागर, पास ही रूस, नीचे यूरोप और पश्चिम में अमेरिका। मतलब साफ है- जो ग्रीनलैंड को कंट्रोल करता है, वह आर्कटिक का चौकीदार बन जाता है। आज युद्ध सिर्फ जमीन पर नहीं लड़े जाते। आसमान, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस- हर मोर्चे पर मुकाबला है। ऐसे में ग्रीनलैंड जैसी लोकेशन सोने से भी ज्यादा कीमती हो जाती है।

ग्रीनलैंड में अमेरिका पहले से मौजूद है। यहां स्थित थुले एयर बेस (अब पिटुफिक स्पेस बेस) अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम का अहम हिस्सा है। यहीं से अमेरिका रूस की बैलिस्टिक मिसाइल गतिविधियों पर नजर रखता है, सैटेलाइट ट्रैक करता है, आर्कटिक क्षेत्र की निगरानी करता है। अगर अमेरिका को पूरा ग्रीनलैंड मिल जाता है, तो वह आर्कटिक का फुल कंट्रोल सेंटर बन सकता है। रूस लगातार आर्कटिक में नए सैन्य ठिकाने, नई पनडुब्बियां, नए एयरबेस और नई मिसाइलें तैनात कर रहा है। ऐसे में अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड रूस पर नजर रखने का वॉच टावर है।

आज की दुनिया मोबाइल, चिप्स, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल सिस्टम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चल रही है। इन सबकी जान हैं- रेयर अर्थ एलिमेंट्स। बिना इनके आधुनिक तकनीक ठप हो जाती है, लेकिन इन पर अभी चीन का दबदबा है। करीब 60–70 प्रतिशत सप्लाई चीन से आती है। अमेरिका इस निर्भरता से बाहर निकलना चाहता है और यहीं ग्रीनलैंड अहम हो जाता है। इस द्वीप की धरती के नीचे रेयर अर्थ मिनरल्स का बड़ा खजाना छिपा है। अगर अमेरिका को ग्रीनलैंड मिल जाता है, तो टेक्नोलॉजी की जंग में चीन को सीधी चुनौती मिल सकती है।

दुनिया की ऊर्जा भूख खत्म नहीं हुई है। तेल और गैस अब भी वैश्विक राजनीति का ईंधन हैं। ग्रीनलैंड के आसपास समुद्र की गहराइयों में तेल और प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार होने की संभावना है। अभी बर्फ और मौसम खुदाई में रुकावट हैं, लेकिन जैसे-जैसे आर्कटिक पिघल रहा है, ये संसाधन सुलभ होते जा रहे हैं। अमेरिका इसे भविष्य का ऊर्जा बैंक मानकर चल रहा है।

ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ पर्यावरण संकट नहीं, यह भू-राजनीतिक बदलाव भी है। आर्कटिक की बर्फ पिघलने से एशिया से यूरोप जाने के नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं। सफर हजारों किलोमीटर छोटा हो सकता है। इस रूट को कहा जा रहा है- आर्कटिक सिल्क रोड ग्रीनलैंड इस रास्ते का प्राकृतिक गेटवे है। जो इस रूट को कंट्रोल करेगा, वह वैश्विक व्यापार की दिशा तय करेगा। अमेरिका यह मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहता।

रूस आर्कटिक में सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। चीन निवेश के जरिए पैर जमा रहा है। चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट कहता है, भले ही उसका आर्कटिक से सीधा भौगोलिक रिश्ता न हो। ग्रीनलैंड में चीन ने एयरपोर्ट, माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की कोशिश की। अमेरिका को डर है कि अगर उसने ग्रीनलैंड पर पकड़ नहीं बनाई, तो उसका उत्तरी दरवाजा दुश्मनों के लिए खुल जाएगा, इसलिए ग्रीनलैंड सिर्फ जमीन नहीं, रणनीतिक दीवार है।

अमेरिका, चीन और रूस; तीनों की नजरें इस बर्फीली धरती पर टिकी हैं। ग्रीनलैंड असल में भविष्य की वैश्विक राजनीति का रणक्षेत्र है। अंत में यह समझना ज़रूरी है कि ग्रीनलैंड की लड़ाई आज की नहीं, ढेढ़ सौ साल से ज्यादा पुरानी है। जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और नई वैश्विक शक्ति-संरचना ने इस द्वीप को रणनीतिक केंद्र में ला खड़ा किया है। यहां जो आज निवेश, सैन्य मौजूदगी और राजनीतिक प्रभाव बनाएगा, वही भविष्य के नियम लिखेगा। ग्रीनलैंड फिलहाल भले ही बर्फ से ढका हो, लेकिन इसके नीचे छिपी संभावनाएं दुनिया की राजनीति को पिघला रही हैं, इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि ग्रीनलैंड सिर्फ एक द्वीप नहीं, बल्कि 21वीं सदी की महाशक्ति बनने की चाबी है।

ग्रीनलैंड पर अमेरिका की नजर नई नहीं है। 1867, 1910, 1946 तीन बार अमेरिका ने डेनमार्क को ऑफर दिया। 1946 में तो 100 मिलियन डॉलर का सोना तक देने को तैयार था। हर बार जवाब मिला–न।

आमने

वर्ष 2019 में आयोजित परीक्षाओं की ओएमआर शीट में बदलाव हुए थे और इस मामले की कड़ियां पूर्व मुख्यमंत्री के घर तक जाती हैं। इस पूरे मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री के निजी सुरक्षा अधिकारी की आखिर क्या भूमिका थी?

–भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

मुख्यमंत्री भजनलाल जी, मैंने तो अभी आपके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाए हैं। मैं तो फीडबैक के आधार पर युवाओं के हित में आपसे आग्रह कर रहा हूं। मेरी मंशा केवल यह जानने की है कि भर्ती परीक्षाओं को लेकर युवाओं के मन में जो शंकाएं हैं, उनका समाधान सरकार कब और कैसे करेगी?

–अशोक गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

तमाम खूबियों के बावजूद क्यों पिछड़ा उत्तर प्रदेश

अरविंद जयतिलक

लेखक

आज उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस है। आजादी के ढाई वर्ष बाद 24 जनवरी, 1950 को उत्तर प्रदेश राज्य के गठन की अधिसूचना जारी हुई। भौगोलिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश प्राचीनतम 'गोंडवाना लैंड' का एक हिस्सा है। कैम्ब्रियन युग में विन्ध्य क्रम की शैलों ने इसे धरातलीय स्वरुप दिया। भौगोलिक विविधताओं एवं सांस्कृतिक समृद्धियों से आच्छादित उत्तर प्रदेश 1836 से 1877 तक 'उत्तर-पश्चिम प्रांत' और 1877 से 1937 तक 'संयुक्त प्रांत आगरा एवं अवध' के नाम से जाना गया। 1937 में इसे एक नया नाम 'संयुक्त प्रांत' मिला। 1858 तक उत्तर प्रदेश की राजधानी आगरा, 1858 से 1921 तक इलाहाबाद और फिर 1921 में लखनऊ हो गई। गौर करें तो भरपूर मानव संसाधन, उर्वर भूमि और प्राकृतिक समृद्धि-संपन्नता से लैस होने के बावजूद भी उत्तर प्रदेश आर्थिक मोर्चे पर वह अपेक्षित मुकाम हासिल नहीं कर पाया, जिसे देश के तमाम राज्यों ने हासिल किया।

देखा जाता है कि जिस राज्य में कानून-व्यवस्था मजबूत होती है और अवसंरचना का तेजी से विस्तार होता है, उस राज्य के विकास का पहिया तेजी घूमता है। उससे निवेश और प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि होती है और राज्य समृद्धि की ओर छलांग लगाता है। गौर करें तो विकास का पहिया चार तरह के इंजनों के बूते दौड़ता है। एक, निजी निवेश यानी नई परियोजनाओं में निजी क्षेत्र का निवेश। दूसरा, सार्वजनिक खर्च यानी बुनियादी ढांचे वाली विकास परियोजनाओं में सरकार का निवेश। तीसरा, आंतरिक खपत यानी वस्तुओं व सेवाओं की खपत और चौथा वाह्य खपत यानी वस्तुओं का निर्यात। उत्तर प्रदेश में इन चारों इंजनों को गतिशील देखा जा रहा है। यह संभव इसलिए हुआ है कि राज्य में कानून का शासन स्थापित हुआ है और अपराधियों के हौसले पस्त हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने अवसंरचनाओं को मजबूती देने के लिए बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान पर अमल किया है, जिससे निवेशकों को आकर्षित करने में मदद मिल रही है। सरकार ने अपनी नीतियों के बरक्स निवेश मित्र पोर्टल बनाकर उस पर 227 सेवाएं शामिल कर उद्यमियों को निवेश के लिए आकर्षित किया है।

सरकार की 'एक जिला एक उत्पाद' की नीति से स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा मिला है और निर्यात में तेजी आई है। एक जिला एक उत्पाद मिशन से हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात हो रहा है। इससे लोगों की आमदनी बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने 2018 में प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन प्रारंभ किया और वह क्रम लगातार जारी है। इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। पिछले साल के वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दौरान प्राप्त 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव राज्य में दुनिया भर के निवेशकों की बढ़ती रुचि का प्रमाण है।

सरकार उत्तर प्रदेश को महाराष्ट्र और गुजरात की तर्ज पर विकसित करने के लिए पांच ग्राउंड बैंकिंग सेरेमनी का आयोजन कर चुकी है। तकरीबन चार लाख से अधिक लोगों को नए उद्योगों से रोजगार मिला है। एक आंकड़े के मुताबिक उत्तर प्रदेश में अब तक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हो चुका है। पांच लाख करोड़ से अधिक की 8300 से अधिक परियोजनाएं वाणिज्यिक परिचालन में हैं। दस लाख करोड़ रुपये की 8100 से अधिक परियोजनाएं जारी हैं। देखें तो उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश बढ़ाने और 'ईज ऑफ डूइंग' बिजनेस को सुधारने में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज उत्तर प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग' बिजनेस मामले में महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरे स्थान पर है।

सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कारोबारियों को प्रोत्साहित किया है। राज्य में तकरीबन 90 लाख से अधिक इकाइयां हैं, जो तकरीबन डेढ़ करोड़ लोगों को रोजगार देती हैं। यह भारत के कुल एमएसएमई की संख्या 6.33 करोड़ में लगभग 14 प्रतिशत का योगदान देता है। अर्थव्यवस्था के मामले में 2017 में पांचवे नंबर पर रहने वाला उत्तर प्रदेश आज तमिलनाडु, कर्नाटक और गुजरात को पीछे छोड़ देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का तमगा हासिल कर चुका है।

आंकड़ों पर गौर करें तो उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2016-2017 के दरमियान 12.75 लाख करोड़ रुपये था, जो आज 2024-25 में बढ़कर 25 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। यह 2025-26 में 30.8 लाख करोड़ होने का अनुमान है। यानी देखें तो 2017 के बाद इसमें 80 फीसदी से अधिक का ग्रोथ होना तय है। इसी तरह 2012 से 2017 के दरमियान प्रतिव्यक्ति आय 48,520 रुपये थी जो आज बढ़कर एक लाख आठ हजार पांच सौ बहत्तर रुपये हो चुकी है। इसी तरह 2012-2017 के बीच सिर्फ 302 किमी एक्सप्रेस वे का निर्माण हुआ था, जबकि 2017-2025 के दरमियान तकरीबन दो हजार किमी से अधिक एक्सप्रेस वे निर्माणाधीन है।

भरपूर मानव संसाधन, उर्वर भूमि व प्राकृतिक समृद्धि-संपन्नता होने के बावजूद उत्तर प्रदेश आर्थिक मोर्चे पर अपेक्षित मुकाम हासिल नहीं कर पाया। आज यूपी का स्थापना दिवस है।

सोशल फोरम

दुनिया की सबसे लंबी सड़क

विभूति भूषण शर्मा

ब्लॉगर

अगर आपको एक यादगार और रोमांचक रोड ट्रिप का सपना है, तो पैन अमेरिकन हाईवे आपकी लिस्ट में जरूर होना चाहिए। यह सड़क अलास्का के ठंडे इलाकों से शुरू होकर अर्जेंटीना के दक्षिणी सिरे तक जाती है। इसकी कुल लंबाई करीब 30,500 किलोमीटर है और यह 14 देशों से होकर गुजरती है।

इस लंबे सफर में हर तरह के नजारे देखने को मिलते हैं। अलास्का की बर्फीली वादियां, कोस्टा रिका के हरे भरे वर्षावन, ऊंचे पहाड़, सूखे रेगिस्तान, समुद्र के किनारे और घने जंगल। यह सड़क प्रकृति की लगभग हर खूबसूरती को एक ही यात्रा में दिखा देती है। डेरियन गैप इस हाईवे का एकमात्र हिस्सा है, जहां सड़क पूरी नहीं है। यहां पनामा और कोलंबिया के बीच लगभग 160 किलोमीटर का घना जंगल है, जिसकी वजह से रास्ता टूट जाता है और यात्रियों को अलग रास्ता अपनाना पड़ता है। यही हिस्सा इस रोड ट्रिप को और भी ज्यादा रोमांचक बना देता है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

स्वच्छ हवा का संकट और घटते वित्तीय संसाधन

'क्लीन एयर फंड' की ताज़ा वैश्विक रिपोर्ट ने एक बार फिर इस कड़वी सच्चाई को सामने रखा है कि दुनिया के तमाम देश और विकास एंजेसियां स्वच्छ हवा के लिए बड़े-बड़े वादे तो जरूर करती हैं, लेकिन उनका धन उन्हीं परियोजनाओं में जा रहा है, जो हवा को और ज़हरीला बना रही हैं। यह स्थिति केवल नीतिगत विफलता नहीं है, बल्कि एक ऐसे वैश्विक अन्याय का उदाहरण है, जिसका सबसे भारी बोझ भारत जैसे विकासशील देशों को उठाना पड़ रहा है। यह चिंताजनक स्थिति है और इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

'क्लीन एयर फंड' की रिपोर्ट के मुताबिक 2023–24 के दौरान कई देशों की सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने जीवाश्म ईंधन को लंबे समय तक बनाए रखने वाली परियोजनाओं में वित्तीय राशि 80 फीसद बढ़ाकर 9.5 अरब डॉलर कर दी। इसके उलट, स्वच्छ हवा और वायु गुणवत्ता सुधार के लिए दी जाने वाली सहायता घटकर 3.7 अरब डॉलर रह गई, जो कुल वैश्विक विकास सहायता का महज एक फीसद ही है। यह आंकड़ा बताता है कि विकास वित्त और मानव स्वास्थ्य के बीच की खाई कितनी गहरी होती जा रही है।

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष होने वाले अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन चाहे वे जलवायु पर हों या स्वास्थ्य पर, ये स्वच्छ हवा को मानव अधिकार के रूप में स्वीकार करते हैं, मगर जब बजट आवंटन की बात आती है, तो वही सरकारें और संस्थाएं पीछे हट जाती हैं। ऐसा लगता है कि वैश्विक निर्णय लेने वाली संस्थाएं प्रदूषण से होने वाली मौतों और बीमारियों की वास्तविक कीमत को समझने के बजाय आर्थिक और कारोबारी हितों को ज़्यादा महत्व दे रही हैं। इससे कई देशों के समाने जोखिम लगातार बढ़ रहा है।

स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब दुनिया की सबसे बड़ी विकास एजेंसी यूएसएड के बंद होने और विश्व बैंक पर जीवाश्म ईंधन ऋण बढ़ाने के दबाव जैसी चर्चा सामने आती हैं। इन फैसलों ने स्वच्छ हवा के लिए चल रहे वैश्विक प्रयासों की रीढ़ कमजोर कर दी है। क्लीन एयर फंड की मुख्य कार्यकारी जेन बर्स्टन की चेतावनी इस संदर्भ में बेहद अहम है। अगर दिशा नहीं बदली गई, तो आने वाले वर्षों में करोड़ों और लोग जहरीली हवा के कारण जान गंवाएंगे।

गौरतलब है कि आज वायु प्रदूषण दुनिया भर में हर साल लगभग 57 लाख लोगों की जान ले रहा है। यह संख्या 2040 तक 62 लाख तक पहुंच सकती है। यह कोई संभावित खतरा नहीं, बल्कि एक चलती-फिरती महामारी है, जो चुपचाप समाज के सबसे कमजोर तबकों को निगल रही है। यह संकट सिर्फ़ स्वास्थ्य से जुड़ा नहीं है; यह बताता है कि वैश्विक राजनीति में किसकी ज़िंदगी की कीमत क्या है। लिहाजा, अब इसे समझने और सचेत होने की जरूरत है।

रिपोर्ट बताती है कि स्वच्छ हवा के लिए उपलब्ध सीमित वित्तीकय अनुदान का वितरण बेहद असमान है। वर्ष 2023 में फिलीपींस, बांग्लादेश और चीन को वायु गुणवत्ता सुधार के लिए 65 फीसद बाहर से सहायता राशि मिली, जबकि उप-सहारा अफ्रीका के लिए सहायतासहायता राशि 91 फीसद घटकर केवल 1.18 करोड़ डॉलर रह गई। यानी जिन इलाक़ों में स्वास्थ्य ढांचा सबसे कमजोर है, वहीं मदद सबसे कम पहुंच रही है। भारत इस वैश्विक असमानता का सबसे बड़ा उदाहरण है। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में भारत के शहर लगातार ऊपर बने हुए हैं। दिल्ली, पटना, लखनऊ, कानपुर, धनबाद, गाजियाबाद ये नाम अब केवल शहर नहीं, बल्कि वैश्विक प्रदूषण चेतावनी बन चुके हैं। सर्दियों के महीनों में उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा गैस चैंबर में बदल जाता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

1952 में शामिल की गईं झांकियां

गणतंत्र दिवस की परेड 1950 में शुरू हुई, लेकिन झांकियां औपचारिक रूप से 1952 में शामिल की गईं। शुरुआती सालों में झांकियां छोटी-मोटी होती थीं। ये संस्कृत और प्राकृत शब्द 'झांकी' से आई हैं, जिसका मतलब है नजारा या झलक। ये मंदिरों के रथ उत्सव और भक्ति काल की जुलूसों से प्रेरित हुआ करती थीं। कई झांकियों पर लोग जमे हुए पोज में खड़े होकर लोककथाएं, खेती या पौराणिक दृश्य दिखाते थे। गणतंत्र दिवस परेड में हर साल आमतौर पर 22 से 30 झांकियां होती हैं। ये राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, मंत्रालयों और प्रमुख सरकारी संस्थाओं की होती हैं। इनमें संगीत, लोक नृत्य, स्थानीय कपड़े और थीम वाली कहानियां दिखाकर भारत की संस्कृति, इतिहास और विकास के काम दिखाए जाते हैं। पहले झांकियां एकता सिखाती थीं, अब हाई-टेक वाली प्रगति की तस्वीर पेश करती हैं। ये झांकियां सिर्फ परेड का हिस्सा नहीं, बदलते भारत का आईना हैं। हम गरीब से अमीर, पिछड़े से आगे, साधारण से तकनीकी देश बने, लेकिन विविधता बरकरार हर राज्य अपनी कहानी लाता है।

बदलते भारत की कहानी

गणतंत्र दिवस की झांकियों का सफर

मशहूर कमेंटेटर जसदेव सिंह बताते थे कि गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राजपथ (अब कर्तव्यपथ) पर दर्शक झांकियों का हर्षध्वनि से स्वागत करते हैं। ये सिलसिला अब भी जारी है। जसदेव सिंह ने करीब आधी सदी तक रेडियो और टीवी पर गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाया था। गणतंत्र दिवस की सुबह जब कर्तव्य पथ पर सूरज निकलता है, तो मार्च करते जवान, मिलिट्री बैंड, डांस या कोई करतब दिखाते स्कूली बच्चे और हवाई जहाजों के फ्लाईपास्ट के बीच झांकिया लाखों-करोड़ों लोगों का अपनी तरफ ध्यान खींचती हैं। ये चलती-फिरती कलाकृतियां रंग, आवाज और प्रतीकों से भरी होती हैं। ये भारत की एकता में विविधता की कहानी बयान करती हैं।

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

झांकियों में संस्कृति के साथ सामाजिक मुद्दों का भी समावेश

अब जब हम झांकियां देखते हैं, तो याद आता है, 1950 का साधारण भारत आज दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है, स्पेस पावर, डेमोक्रेसी की मिसाल। झांकियां हमें बताती हैं कि विकास सिर्फ अर्थशास्त्र नहीं, संस्कृति, पर्यावरण, सामाजिक न्याय सबको साथ लेकर चलना है। आप कह सकते हैं कि झांकियों में 1970-80 के दशक में बदलाव आने लगा। अब झांकियां सिर्फ संस्कृति नहीं, सामाजिक मुद्दों पर फोकस करने लगीं। केरल ने 1976 में साक्षरता अभियान दिखाया। तमिलनाडु ने भरतनाट्यम नृत्य पेश किया। झांकियां 1991 के बाद उद्योग और शहरों की तरफ मुड़ीं। तब देश में आर्थिक उदारीकरण की बयार बहने लगी थी। असली बदलाव 1990 और 2000 के शुरुआत में आया। झांकियां बड़ी और कुछ हटकर बनने लगीं। ये हाई-टेक भी हो गईं। डीआरडीओ (DRDO) की झांकी 2000 के बाद गणतंत्र दिवस परेड का नियमित हिस्सा बनने लगीं। ये भारत की रक्षा प्रौद्योगिकियों और आत्मनिर्भरता को दर्शाती है, जिसमें नवीनतम मिसाइलें, रडार सिस्टम, ड्रोन रोधी प्रणालियां, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियां और स्वदेशी हथियार प्रदर्शित किए जाने लगे। इनका थीम अक्सर 'रक्षा कवच' होता है। कृषि मंत्रालय (या संबंधित कृषि निकाय जैसे ICAR) की झांकी गणतंत्र दिवस परेड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है, जो अक्सर जैविक खेती, मोटे अनाज (मिलेट्स), पशुधन या कृषि नवाचारों जैसे विषयों पर केंद्रित होती है। इसकी 2023 में 'मिलेट ईयर' पर आधारित झांकी थीं।

सभी राज्यों में खास है दिल्ली की झांकी

इस बीच, सरकार ने 2024 में नया रोटेशन सिस्टम शुरू हुआ, ताकि हर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश को हर तीन साल में कम से कम एक बार मौका मिले। पिछले साल 2025 की थीम थी 'स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास'। बीते साल 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां निकलीं। उत्तर प्रदेश का महाकुंभ मेला को दर्शाती झांकी को बहुत पसंद किया गया था। चूंकि गणतंत्र दिवस का मुख्य आयोजन दिल्ली में होता है, इसलिए दिल्ली की झांकी को देखने के लिए जनता खासी उत्सुक रहती है। वैसे भी दिल्ली लघु भारत है। दिल्ली की झांकी 1952 की परेड का हिस्सा थी। दिल्ली के शुरुआती दौर की झांकियों में सामाजिक और केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं पर ही फोकस रहता था। दिल्ली की 1965 की झांकी में देश के कृषि क्षेत्र में बढ़ते कदमों को दिखाया। तब तक देश में हरित क्रांति आ चुकी थी और उस महान क्रांति की नींव राजधानी के भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र (पूसा) और जोंती गांव में ही रखी गई थी। 1965 की झांकी में जोंती के किसान भी शामिल थे। दिल्ली की 1966 की झांकी में सबको शिक्षा देने का वादा था। 1978 में वयस्क शिक्षा और 1979 की झांकी में शराबबंदी पर फोकस था, लेकिन 1990 के दशक बाद दिल्ली को विधानसभा मिल गई। तब यहां की झांकियों का रंग यहां के समाज से मेल खाने लगा। इसका नमूना मिला 1993 में जब दिल्ली की झांकी में यहां की गंगा-जमुनी तहजीब को पेश किया गया। इससे मिलती-जुलती थीम पर 1999 में शाहजहांबाद की जान और शान चांदनी चौक के जीवन, समाज और संस्कृति पर झांकी निकली थी। इसे बहुत पसंद किया गया था। करगिल की जंग विषय था दिल्ली की झांकी का साल 2000 में। करगिल की जंग में कैप्टन अनुज नैयर और कैप्टन मोहम्मद हनीफउद्दीन समेत दिल्ली के कई शूरवीरों ने अपनी जान का नजराना दिया था। अमीर खुसरो के जीवन पर आधारित झांकियां साल 2000 और फिर 2004 में निकलीं। मिर्जा गालिब की शख्सियत पर 2001 में झांकी निकली थी। मेट्रो रेल 2003 तथा 2006 दिल्ली की झांकी के फोकस में रही। दिल्ली की 2019 की झांकी में महात्मा गांधी पर फोकस किया गया। इसमें महात्मा गांधी के दिल्ली में बिताए गए 720 दिनों को दर्शाया गया।

खैर, झांकियों का काम 26 जनवरी को खत्म नहीं होता। कई झांकियां बाद में सार्वजनिक जगहों पर लगाई जाती हैं या सांस्कृतिक आयोजनों, प्रदर्शनियों और स्कूलों में इस्तेमाल होती हैं। ये जैव-विविधता, विरासत संरक्षण, शहर के विकास और सामाजिक कामों के बारे में जागरूकता फैलाती रहती हैं।

सखी री बसंत आया

ठंड कमजोर पड़ते ही सूर्य की गर्माहट धरती को सींचने लगती है। इसी क्षण बसंत के आगमन की मधुर आहट सुनाई देने लगती है। बसंत केवल एक ऋतु नहीं, अपितु नवजीवन, उल्लास और नई शुरुआत का गहन संदेश है। पतझड़ के बाद पेड़-पौधों की नई पत्ती एवं फूलों के साथ प्रकृति का पुनः जागृति होना और खुले आसमान में पक्षियों के झुंड का विचरण ऋतुराज के आरंभ की अनुपम छटा हैं। साथ ही सरसों के पीले खेत लहलहाते हैं, आम के बौर खिल उठते हैं और कोयल की कूक गगन में गूंजती है और अनगिनत फूलों की महक हवा में घुल जाती है, जो वसुंधरा का श्रृंगार कर बसंत का स्वागत करती है।

मानव जीवन में बसंत ऋतु प्रेम, प्रतीक्षा और मानवता का संदेश लेकर आती है। प्रकृति का नवजीवन, सौंदर्य और उल्लास मानवीय भावनाओं में प्रेम, आशा और करुणा का संचार करता है। बसंत पंचमी ज्ञान एवं चेतना के साथ आध्यात्मिकता का प्रतीक हैं। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से बसंत ऋतु में प्रकृति का यह परिवर्तन जैसे- हरियाली का फैलना, फूलों का खिलना और मौसम का सुहावना होना, जो मानव मस्तिष्क पर सीधा और सकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, यह प्रभाव मुख्य रूप से सूर्य की रोशनी, हार्मोनल बदलाव और पर्यावरणीय उत्तेजनाओं से जुड़ा होता है। इस ऋतु में सूर्य की अधिक रोशनी से सेरोटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो मूड को बेहतर बनाता है, विटामिन-डी का उत्पादन बढ़ता है, जो प्रतिरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करता है। यह मौसम अवसाद से राहत देता है और ऊर्जा का स्तर बढ़ाता है। इसलिए बसंत ऋतु मस्तिष्क के लिए एक प्राकृतिक 'मूड बूस्टर' का काम करती है।

अंबिका अंबी
लेखिका

सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय परंपरा में बसंत ऋतु का विशेष स्थान है। यह ऋतु न केवल प्रकृति के पुनर्जागरण का प्रतीक है, बल्कि विभिन्न प्रमुख पावन त्योहारों का केंद्र भी है, जो जीवन, ज्ञान, भक्ति, प्रेम और उल्लास के संदेश लेकर आते हैं। बसंत में मुख्य रूप से बसंत पंचमी, महाशिवरात्रि और फाल्गुन की होली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं। बसंत पंचमी ऋतुराज बसंत के आगमन की प्रमुख तिथि है। इस दिन विद्या की देवी माता सरस्वती की पूजा होती है, जो ज्ञान एवं रचनात्मकता की प्रतीक है।

महाशिवरात्रि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को आती है। यह भगवान शिव की आराधना का प्रमुख पर्व है। बसंत की इस ऋतु में यह त्योहार शिव-पार्वती प्रेम और जगत के संतुलन का प्रतीक बन जाता है। फाल्गुन की होली वसंत का सबसे रंगीन और खुशनुमा उत्सव है, जो होलिका दहन से शुरू होकर रंगों की होली तक, यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत, प्रेम, मित्रता और सामाजिक एकता का संदेश देता है।

बसंत की बहार में रंगों का यह उत्सव प्रकृति के उल्लास को दर्शाता है। बसंत ऋतु के सभी त्योहार भारतीय संस्कृति में ज्ञान, भक्ति, मानवता और प्रेम उल्लास की ऊर्जा है, जो सांस्कृतिक रूप से नवीनीकरण, आशा और सामूहिक उत्सव का प्रतीक बनाए रखती है।

बसंत ऋतु मात्र मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि जीवन का एक जीवंत आह्वान है। जैसे-जैसे ठंडी हवाएं गर्म होकर मधुर बनती हैं, वैसे ही हमारे मन की जड़ता भी पिघलने लगती है। यह ऋतु अपने अंदर की सुस्ती को त्यागकर, हर पल उत्साह से जीने की प्रेरणा देती है और साथ सिखाती है कि हर एक अंत के बाद नई शुरूआत प्रतीक्षारत होता है। इसलिए जीवन से कभी हार नहीं माननी चाहिए। बसंत ऋतु धर्म, प्रकृति, संस्कृति और शिक्षा चारों को एक सूत्र में पिरोता है और प्रेम, आध्यामिकता एवं मानवता का संदेश देता है। बसंत जीवन में एक नई शुरुआत का भी शुभ संदेश देता है।

ऋतुराज का आगमन

आप घर का दरवाजा, खिड़की, रोशनदान खोल लीजिए। बाहर ऋतुराज बसंत अपने पूरे वैभव के साथ उपस्थित है। निकलिए और उसका स्वागत कीजिए। उदासी के दस महीने कट गए। पुराने साल को पुराने कैलेंडर की तरह रद्दी में डालिए, मगर ये गौर भी कीजिएगा कि कोरोना महामारी के खौफ ने बहुत कुछ सिखाया भी। बसंत का साहस देखने लायक है, वह जिंदगी के तमाम दु:खों और संतापों को धकिया कर आपकी तरफ लपका आ रहा।

हमारे देश में ऋतुओं/मौसमों का कमाल देखने लायक है। सावन बरसता है, तो केवल खेत-खलिहान ही नहीं, सूखा मन भी भीगता है। पुरवाई चलती है, तो मन-मयूर थिरकने लगता है। ये माघ के कृष्णपक्ष की पंचमी तो असाधारण है। मन को मथने वाले देवता मंमथ, जिन्हें रूप का राजा कामदेव कहते हैं और रानी रति की षोड़शोपचार पूजा का दिन यही बसंतपंचमी है-बाकी तो आप समझदार हैं ही। वाणी की देवी सरस्वती की जयंती भी इसी दिन यानी प्रेम और मस्ती के दरम्यान विवेक व संयम का साथ किसी भी दशा में छोड़ना नुकसानदायक हो सकता है।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

बसंत गहरे अर्थ में प्रकृति और मानवजीवन के बीच एकीकरण का महापर्व है। मन को बेलगाम न होने दीजिए। उत्कंठा के वेग का मनोविज्ञान समझिए। बसंत है तो क्या हुआ। अभी तो पूरा फागुन पड़ा है। आम में बौर आ गए, अब मन के बौराने का समय भी सन्निकट है। बसंत-सेना फागुन की अगवानी करने को बेताब है। इन दोनों के मध्य महाशिवरात्रि है। भूतभावन शंकर की बारात सजेगी। मैं तो कहता हूं दूल्हा के वेश में शिवदर्शन अत्यंत मंगलकारी होगा। जब गरल पीते शिव इतने उदार, आशुतोष हैं। उन्हें भार्या रूप में पर्वत-पुत्री पार्वती मिलेंगी। वहीं पार्वती, जिन्होंने भगवान शिव को पतिरुप में पाने के लिए घोर तप किया और अपर्णा कहलाईं। शिव उन्हें ब्याहकर किसी महल या रनिवास में रखने के बजाय फिर सीधे हिमालय पहुंचते हैं।

बहरहाल चारो ओर मस्ती है। जेठ की गरम हवा के बदले फागुनी बयार कानों में मधु घोल रही। गृहस्थ तो अपनी नोन लकड़ी से जूझते हुए अनुरागी मौसम में थोड़ा- थोड़ा बहक रहा, लेकिन यहां तो साधु-संन्यासियों का मन भी मचल उठा। कुछ भी हो, बासंती मौसम को मन में उतरने की आजादी दीजिए। फिर देखिए उसका असर। जीवन मे संताप कम नहीं, मगर तमाम बखेड़े व चिंताओं के बने रहने की वजह भी हमी आप हैं। दिमाग को प्रकृति से विमुख करके लोग बेतहाशा भागे जा रहे, अरे! आगे खाई हैं साथियों।

संघर्ष की पाठशाला से सेवा के पथ तक

सूरज कुमार सिंह
खंड शिक्षा अधिकारी
देवरिया

जॉब का पहला दिन

आजमगढ़ की मिट्टी में पले-बढ़े सपने जब बागपत की धरती पर आकर जिम्मेदारी का रूप लेते हैं, तो यह सिर्फ स्थान परिवर्तन नहीं होता। यह वर्षों के संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की परिणति होती है। खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में नौकरी का पहला दिन मेरे जीवन का ऐसा अध्याय था, जहां पीछे मुड़कर देखने पर मेहनत की लंबी पगडंडी दिखती थी और आगे सेवा की व्यापक राह।

बागपत स्थित कार्यालय में प्रवेश करते ही माहौल की गंभीरता महसूस हुई। फाइलों की आवाजाही, कर्मचारियों की व्यस्तता और दीवारों पर टंगी योजनाएं- सब कुछ मानो यह बताने के लिए पर्याप्त था कि यह पद केवल अधिकार का नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व का है। चारों ओर की निगाहें जिज्ञासु थीं। लोगों के मन में सवाल था, इतनी कम उम्र में खंड शिक्षा अधिकारी कैसे? उस क्षण समझ आया कि पद से पहले भरोसा अर्जित करना होता है और भरोसा केवल काम से बनता है।

नौकरी के पहले दिन मन में मिश्रित भावनाएं थीं। एक ओर नई जिम्मेदारियों का डर, तो दूसरी ओर कुछ नया सीखने और व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने का उत्साह। यह उपलब्धि अचानक नहीं मिली थी। इसके पीछे प्रतियोगी परीक्षाओं की लंबी, कठिन और अनुशासनपूर्ण यात्रा रही है। तैयारी के दिनों में कई बार असफलताओं से सामना हुआ, कई बार खुद पर संदेह भी आया, लेकिन हर बार लक्ष्य ने फिर खड़ा किया। आज का तकनीकी युग प्रतियोगी परीक्षाओं को पहले से कहीं अधिक जटिल बना चुका है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, डिजिटल अध्ययन सामग्री की भरमार, सोशल मीडिया पर तुलना और लगातार बदलते परीक्षा पैटर्न- इन सबके बीच ध्यान, धैर्य और निरंतरता बनाए रखना अपने आप में चुनौती है। तैयारी के दौरान अनेक अभ्यर्थियों, शिक्षकों और अधिकारियों से संवाद का अवसर मिला। इन संवादों ने न सिर्फ ज्ञान बढ़ाया, बल्कि प्रशासनिक सोच को समझने का दृष्टिकोण भी दिया। इस ताकत के पीछे जो सबसे प्रबल स्तंभ था वह मेरी मां के हौंसले और सपनों से बुना था और हर असफलता पर उन्होंने यही कहा कि छोटी असफलताएं बड़ी सफलता को प्राप्त करने की दिशा निर्धारित करती हैं बस धैर्य रखना पड़ता है। आज वह इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके लालन-पालन व संघर्षमयी जीवन हमेशा एक नई ऊर्जा व सकारात्मक अभिप्रेरणा से नित नए कार्यों हेतु बल प्रदान करता है।

बागपत पहुंचकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था को करीब से देखने का अवसर मिला। यहां की समयबद्धता, अनुशासन और जमीनी स्तर पर काम करने की परंपरा ने विशेष रूप से प्रभावित किया। शिक्षा व्यवस्था में सुधार और नवाचार की व्यापक संभावनाएं स्पष्ट दिखीं। पहले ही दिन यह एहसास हुआ कि अधिकारी होना लक्ष्य नहीं, बल्कि व्यवस्था को बेहतर बनाना उद्देश्य है। नौकरी का पहला दिन मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं था, बल्कि एक संकल्प का आरंभ था। ईमानदारी से काम करने, सीखते रहने और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प। यह कहानी उन युवाओं के लिए है, जो तकनीकी युग की चुनौतियों के बीच भी अपने सपनों पर भरोसा रखते हैं। शुरुआत कठिन हो सकती है, रास्ता लंबा हो सकता है, लेकिन यदि इरादा स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर, तो मंजिल अपने आप रास्ता दे देती है। अंत में स्वलिखित पंक्तियों से अपनी बात खत्म करता हूं-

हवा ऐसी चली कि कोई समझ ही नहीं पाया 'सूरज'...
किसी को मिली ज़न्नत तो किसी के हिस्से दोजख़ आया।

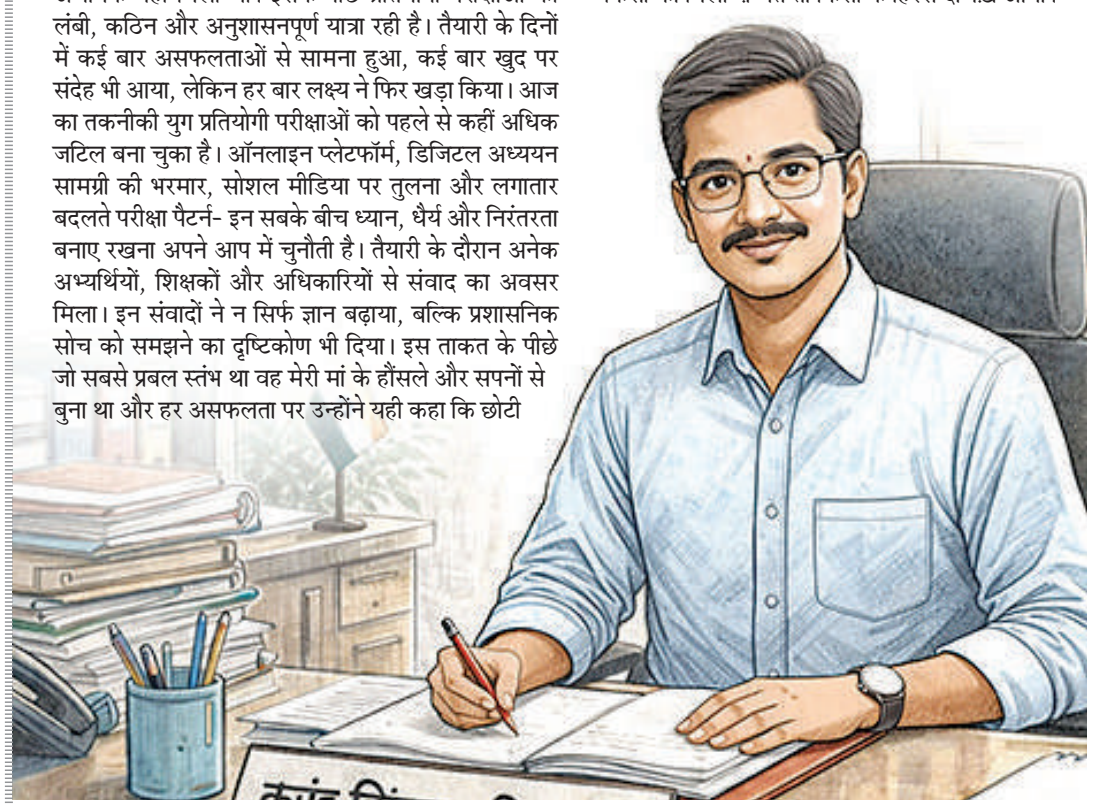

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,537.70	25,048.65
गिरावट	769.67	241.25
प्रतिशत में	0.94	0.95

सोना 1,58,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,29,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 24 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2580, राज श्री 1890, फ़ॉर्चून कि. 2370, रविन्द्रा 2465, फॉर्चुन 13 किग्रा 2090, जय जवान 2095, सचिन 2090, सूरज 2095, अवसर 1925, उजाला 2050, गृहणी 13 kg 1940, क्लासिक (किग्रा) 2280, मोर 2290, चक्र टिन 2345, ब्लू 2170, आशीर्वाद मस्टर्ड 2340, स्वास्तिक 2535

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किशमिश पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-11000,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 8000, अरहर पटका मोटा 8400, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10500-11000, अरहर कोरी छोटी 11900

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 700, बासमती- 5400, परमल- 1050

दाल दलहन : काला चना- 2100, साबुत चना दाल- 1300, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8200-11200, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 1900, उड़द साबुत- 3400, काबुली चना- 7600, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1100

रुपया 92 तक गिरकर 91.90 पर बंद

कमजोर घरेलू बाजारों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी का नहीं झेल पाया दबाव

मुंबई, एजेंसी

लगातार गिर रहा रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 92 तक पहुंच गया। हालांकि आखिर में मामूली सुधार के साथ 91.90 पर बंद हुआ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.45 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद डॉलर के मुकाबले 91.41 के उच्च और 92.00 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा। अंत में 91.88 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद स्तर से 32 पैसे की गिरावट है। बृहस्पतिवार को रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ 91.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले 21 जनवरी को 68 पैसे टूटकर 91.65 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस महीने अब तक रुपया 200 पैसे तक यानी दो प्रतिशत तक लुढ़क चुका है।

वर्ष 2025 में विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और डॉलर की मजबूती से घरेलू मुद्रा में पांच प्रतिशत की गिरावट आई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक आयात से डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर और दबाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि घरेलू मुद्रा विदेशी पूंजी और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से दबाव में रही। कमजोर घरेलू बाजारों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से भारतीय रुपया शुरुआती बढ़त गंवा बैठा। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल से भी रुपये पर दबाव पड़ा।

विदेशी मुद्रा भंडार 14 अरब डॉलर बढ़ा : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.16 अरब डॉलर बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 में मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

रुपये की गिरावट से सहमा शेयर बाजार... सेंसेक्स में 770 और निफ्टी में 241 अंकों की भारी गिरावट

मुंबई। रुपये के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और चौतरफा बिकवाली के दबाव में घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को फिर भारी गिरावट हुई। सेंसेक्स करीब 770 और निफ्टी 241 अंक लुढ़क गया। निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख करना बेहतर समझा। इस बीच विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी शेयर बाजार पर दबाव बढ़ा दिया।

सेंसेक्स 769.67 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,537.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के बीच एक समय यह 835.55 अंक फिसलकर 81,471.82 तक आ गया।

निवेशकों ने 6 लाख करोड़ रुपये गंवाए

एनएसई का निफ्टी भी 241.25 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूटकर 25,048.65 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी एक समय 25,025.30 अंक तक फिसल गया था। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, इंडिगो, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, ट्रेंट, एलएंडटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज में प्रमुख रूप से गिरावट रही।

- व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 2.19 प्रतिशत और मझोली कंपनियों का मिडकैप सूचकांक 1.56 प्रतिशत टूट गया।
- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 2,549.80 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,222.98 करोड़ रुपये की खरीदारी की।
- जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त में बंद हुए।

बैंकिंग धोखाधड़ी : अनिल अंबानी और एडीएजी को नए नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- अदालत की निगरानी में जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का कदम
- ईडी और सीबीआई को 10 दिन के अंदर लिफाफा बंद रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी और अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) को एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को नए नोटिस जारी किए। याचिका में कंपनी और उसकी समूह कंपनियों से जुड़े बड़े पैमाने पर बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की अदालत की निगरानी में जांच का अनुरोध किया गया है। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को कथित धोखाधड़ी की जांच पर 10 दिन के भीतर सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश भी दिया।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि अनिल अंबानी और एडीएजी को याचिकाकर्ता तथा पूर्व केंद्रीय सचिव ईएएस शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका के नोटिस पहले ही तामील किए जा चुके हैं। पीठ ने पिछले साल 18 नवंबर को जनहित याचिका पर केंद्र सरकार, सीबीआई, ईडी, अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस जारी किए थे। कोर्नेट कहा कि अनिल अंबानी और एडीएजी को पेश होने और मामले में अपना जवाब दाखिल करने का यह आखिरी मौका है। बंबई हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस तामील कराने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया। पीठ ने याचिका पर 10 दिन बाद सुनवाई तय की।

पीठ ने इससे पहले याचिकाकर्ता शर्मा की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण की ओर से दिए गए निवेदनों पर दोनों पक्षों से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था। जनहित याचिका पर आगे की सुनवाई तीन सप्ताह बाद के लिए स्थगित कर दी थी। भूषण ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियां इस बड़े बैंकिंग घोटाले में बैंकों और उनके अधिकारियों की कथित संलिप्तता की जांच नहीं कर रही हैं।

सोना 1,500 रुपये बढ़कर 1.58 लाख, चांदी 9,500 रुपये चढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचो गईं। कारोबारियों के मुताबिक 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना इससे पिछले सत्र में 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को इसने 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ था। चांदी की कीमतों में भी 9,500 रुपये यानी लगभग तीन प्रतिशत का जोरदार उछाल आया और यह पिछले बंद भाव 3,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। चांदी ने बुधवार को स्थानीय सर्राफा बाजार में 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड बनाया था।

प्रमुख वित्तीय संस्थाओं में वेतन और पेंशन संशोधनों को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए व्यापक वेतन एवं पेंशन संशोधनों को मंजूरी दे दी। यह कदम सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा तथा पूर्व कर्मचारियों को लाभान्वित करेगा।

केंद्र सरकार के इस संशोधन से कुल मिलाकर लगभग 46,322 कर्मचारी, 23,570 पेंशनर, और 23,260 परिवार पेंशनर लाभान्वित होंगे। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन एक अगस्त 2022 की पूर्ववर्ती तिथि से लागू होगा। इसमें मूल वेतन और महंगाई भत्ता में 14 प्रतिशत वृद्धि की गई है, जिससे कुल वेतन खर्च में 12.41 प्रतिशत वृद्धि होगी। इसके अलावा जो एक अप्रैल 2010 के बाद जुड़े कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में कर्मचारियों का योगदान 10 से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया गया है। परिवार पेंशन में भी 30 प्रतिशत की एक समान वृद्धि की गई है, जो आधिकारिक गजट में प्रकाशन की तिथि से लागू होगी। इन संशोधनों से पीएसजीआईसी पर 8,170.30 करोड़ रुपये का वित्तीय असर पड़ने का अनुमान है।

चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए डब्ल्यूईएफ भारत समेत विश्व में खोलेगा पांच नए केंद्र

उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास से समाज को अधिकतम लाभ और न्यूनतम जोखिम रखने का उद्देश्य

दावोस, एजेंसी

- आंध्रप्रदेश में खुलेगा नया केंद्र, मुंबई, तेलंगाना में पहले से हैं दो

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए पांच नए केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है, जिनमें से एक भारत के आंध्र प्रदेश में होगा। इसके साथ ही भारत में ऐसे केंद्रों की संख्या बढ़कर तीन हो जाएगी। इससे पहले मुंबई और तेलंगाना में दो केंद्र पहले से कार्यरत हैं।

चौथी औद्योगिक क्रांति नेटवर्क एक बहु-हितधारक मंच है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों को साथ लाकर यह सुनिश्चित करना है कि उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास एवं उपयोग से समाज को अधिकतम लाभ हो और जोखिमों को न्यूनतम रखा जा सके। वर्ष 2017 में डब्ल्यूईएफ द्वारा शुरू किया गया यह नेटवर्क यूरोप, पश्चिम एशिया, एशिया और अमेरिका में स्थित स्वतंत्र राष्ट्रीय एवं विषयगत केंद्रों को एक साथ जोड़ता है, जो उन्नत और तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार विकास और उपयोग को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए नए केंद्र आंध्र प्रदेश के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थापित किए जाएंगे।

डब्ल्यूईएफ ने कहा कि हरेक केंद्र सरकारों और उद्योग जगत के साथ मिलकर व्यावहारिक नीतिगत ढांचे और पायलट परियोजनाओं पर काम करेगा, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं का ध्यान रखेगा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देगा। इन केंद्रों के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में एआई नवाचार, ऊर्जा बदलाव, साइबर सुरक्षा और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां शामिल होंगी। ये केंद्र क्षेत्रीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए वैश्विक संवाद और सहयोग को भी आगे बढ़ाएंगे।

डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी बोर्गे ब्रेंडे ने कहा, "चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए पांच नए केंद्रों की स्थापना सरकारों, उद्योगों और विशेषज्ञों को साझा तकनीकी चुनौतियों पर एक साथ लाने के महत्व को दर्शाती है।" ब्रेंडे ने कहा कि स्थानीय और क्षेत्रीय अनुभवों के योगदान से साझेदार देश उभरती प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार विकास के लिए वैश्विक प्रयासों को मजबूत करेंगे।

राष्ट्रीय

केरल निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- भाजपा नेतृत्व संभालने के लिए तैयार, कांग्रेस पर लगाया सांप्रदायिकता का आरोप

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केरल एक निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर खड़ा है। उन्होंने केरल के तिरुवनंतपुरम के पुथरीकंडम मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश करने के लिए तैयार है और जनता का मौजूदा मिजाज स्पष्ट रूप से दशकों की विभाजनकारी राजनीति से आगे बढ़ने की इच्छा को दर्शाता है।

मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम प्रधानमंत्री ने कहा- भाजपा नेतृत्व संभालने के लिए तैयार, कांग्रेस पर लगाया सांप्रदायिकता का आरोप चुनावों में भाजपा की हालिया जीत का जिक्र करते हुए इसे ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि इसने केरल में पार्टी के विस्तार और विकास की नींव रखी है। उन्होंने कहा, जो सालों से नहीं बदला, वह अब बदलेगा। जो गुजरात की एक नगर पालिका से शुरू हुआ था, वह अब तिरुवनंतपुरम में जड़ें जमाएगा और पूरे केरल में फैलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य की राजधानी का चुनावी फैसला सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों के प्रति जनता के बढ़ते मोहभंग को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले इन दो मोर्चों ने दशकों तक ''फिक्स्ड मैच'' खेला है, जिसने विकास को रोक दिया और युवाओं से अवसर छीन लिए। उन्होंने कहा, केरल अब भ्रष्टाचार, कुशासन और राजनीतिक अवसरवाद से मुक्ति चाहता है।

मोदी ने आंशिक रूप से मलयालम में बोलते हुए आश्वासन दिया कि भाजपा के नेतृत्व में तिरुवनंतपुरम में तेज विकास और उत्तरदायी शासन देखने को मिलेगा। उन्होंने गुजरात के साथ तुलना करते हुए याद किया कि कैसे भाजपा को वहां बार-बार हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन जनता का विश्वास जीतकर वह एक प्रमुख राजनीतिक ताकत बनकर उभरी। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी कार्यकर्ता प्रतिबद्ध रहें तो केरल में भी ऐसा ही बदलाव संभव है। मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि पार्टी ने अपना विकास का एजेंडा छोड़ दिया है और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केरल को सांप्रदायिक प्रयोगों की प्रयोगशाला बना दिया गया है। राज्य को अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास करने के लिए ऐसे प्रभावों से मुक्त होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने एलडीएफ को भी निशाने पर लिया और उन पर केरल के सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान न करने तथा भ्रष्टाचार के माध्यम से जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने सहकारी बैंक घोटालों सहित कथित वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते हुए कहा कि आम नागरिकों की बचत को जोखिम में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा, भाजपा को एक मौका दें। जनता से लूटा गया एक-एक रुपया वसूल किया जाएगा।

तिरुवनंतपुरम में प्रधानमंत्री का स्वागत करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व अन्य नेता।

विजयन ने ओडिशा में पादरी पर हमला याद दिलाया

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से माकपा और एलडीएफ सरकार की आलोचना पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में भाजपा शासित ओडिशा के ढेंकनाल जिले में धर्मांतरण के आरोपों को लेकर एक पादरी पर हुए क्रूर हमले हमले का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ओडिशा में पादरी पर क्रूर हमला कोई छोटी घटना नहीं है, यह संघ परिवार द्वारा सुनियोजित रूप से फैलाई जा रही हिंसा और नफरत को दर्शाती है। किसी मनुष्य को गोबर खिलाना घोर अमानवीय कृत्य है, जिसे भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों की चुप्पी से बढ़ावा मिल रहा है। विजयन ने यह भी कहा कि जब देश में धर्म प्रचारक ग्राहम स्टेन्स और उनके दो छोटे बेटों की जघन्य हत्या के 27 वर्ष पूरे हो रहे हैं। सिर्फ ओडिशा में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने पर लगातार हमले हो रहे हैं।

वसंत पंचमी पर धार के विवादित परिसर में अखंड पूजा, नमाज भी अदा की गई

धार के विवादित परिसर में वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा करने में भारी संख्या में लोग पहुंचे।

धार, एजेंसी

- अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैनात रहे पुलिस व अर्धसैनिक बलों के 8000 जवान

वसंत पंचमी पर शुक्रवार को धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में हिंदू समुदाय के हजारों लोगों ने वाग्देवी (देवी सरस्वती) की पूजा-अर्चना की। विवादित परिसर के एक अलग स्थान पर मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज भी अदा की। हिंदू त्योहार और जुमे की नमाज एक ही दिन पड़ने के कारण इस ऐतिहासिक शहर में किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए करीब 8,000 की तादाद में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी।

सूर्योदय के साथ ही विवादित परिसर में हिंदू श्रद्धालुओं के जुटने का सिलसिला शुरू हो गया था। स्थानीय संगठन ''भोज उत्सव समिति'' के सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वाग्देवी (सरस्वती) का चित्र स्थापित करके पूजा शुरू की। इस दौरान हवन कुंड में आहुति डाल कर सूर्योदय से सूर्यास्त तक अखंड पूजा की शुरुआत की गई।

पूजा स्थल को फूलों की मालाओं और भगवा झंडों से सजाया गया था। विवादित परिसर के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मी तैनात थे। दिन चढ़ने के साथ ही विवादित परिसर में हिंदू पक्ष के श्रद्धालुओं की तादाद बढ़नी शुरू हो गई और दोपहर 12 बजे हजारों श्रद्धालु भगवा झंडे थामे शोभायात्रा के रूप में विवादित परिसर पहुंचे। इनमें बड़ी तादाद में महिलाएं भी शामिल थीं।

इस बीच, धार के जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में मुस्लिम समाज की ओर से नियत किए गए स्थान पर दोपहर एक बजे से तीन बजे के मध्य निर्विघ्न नमाज अदा की गई। हालांकि, इस बयान में नमाज में शामिल लोगों की संख्या और नमाज अदा करने के स्थान के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया। मुस्लिम समाज द्वारा दोपहर 1 से 3 बजे के बीच तय व्यवस्था के तहत नमाज अदा की गई। पुलिस ने विशेष वाहनों के जरिए नमाजियों को सुरक्षित रूप से परिसर तक पहुंचाया और नमाज के बाद वापस भेजा।

इस वर्ष वसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ने के कारण दोनों समुदायों ने विवादित परिसर में पूजा-अर्चना और नमाज के लिए दावा किया था। स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने बृहस्पतिवार को हस्तक्षेप किया और समय-विभाजन का स्पष्ट फॉर्मूला तय किया। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है।

बीएमसी चुनाव में दरवाजों के नीचे से डाले गए थे पैसों से भरे लिफाफे: उद्धव

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव से पहले मतदाताओं को पैसे बांटे गए। उन्होंने शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की जन्म शताब्दी के मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुंबई में पहली बार पैसे का इस्तेमाल किया गया।

उन्होंने इस संबंध में कई जगहों से शिकायतें मिलने का जिक्र किया। उन्होंने विजयी महायुति गठबंधन पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए आरोप लगाया, अगर दरवाजा बंद था तो उन्होंने दरवाजे के नीचे की जगह से लिफाफे फेंके, लिफाफों में नकदी भरी हुई थी। उन्होंने पूछा, क्या आप महाराष्ट्र बेच रहे हैं। आप वोट खरीद सकते हैं लेकिन आप दिल कैसे खरीदेंगे, वे धड़कते दिल आज भी मेरे पास हैं। शिवसेना प्रमुख की शिवसेना के साथ हैं। आपने आज फिर यह दिखाया है।

अर्थव्यवस्था पर न पड़ने दें अपनी कमजोरी का असर प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

- राहुल गांधी ने कपड़ा उद्योग को हो रहे नुकसान पर साधा निशाना

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी टैरिफ के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को हो रहे नुकसान को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपनी कमजोरी का असर अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले।

राहुल गांधी ने हाल ही में गुरुग्राम के निकट मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा किया और इसका वीडियो उन्होंने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। राहुल ने कहा, मोदी जी, आपकी जवाबदेही बनती है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए। उनका कहना था, भारत का कपड़ा उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में रोजगार देने के मामले में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। हमारे कपड़े दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं और हमारे दर्जियों की कारीगरी का सच में कोई मुकाबला नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के कारण कपड़ा उद्योग बहुत अनिश्चितता का सामना कर रहा है।

राहुल गांधी ने दावा किया, अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश एवं चीन से कड़ा मुकाबला है, हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक हर तरफ से पिस रहे हैं। इसका सीधा असर नौकरियों पर पड़ रहा है, इकाइयां बंद हो रही हैं, खरीद घट रही है और पूरे क्षेत्र में खलबली है।

थिरुप्परनकुंद्रम मंदिर का नियंत्रण एएसआई को क्यों न दिया जाए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र, तमिलनाडु सरकार और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें एएसआई को थिरुप्परनकुंद्रम मंदिर का नियंत्रण लेने और 'दीपथून' (पत्थर का स्तंभ) के ऊपर रोजाना दीया जलाने के बारे में निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने हिंदू धर्म परिषद की याचिका पर भारत सरकार, तमिलनाडु सरकार, एएसआई और अन्य को नोटिस जारी किए। शीर्ष कोर्ट को बताया गया कि मद्रास हाईकोर्ट ने छह जनवरी को दीया जलाने के एकल न्यायाधीश के आदेश को बरकरार रखा था। शीर्ष अदालत हिंदू धर्म परिषद की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें एएसआई को मदुरै में थिरुप्परनकुंद्रम स्थित भगवान मुरुगन सुब्रमण्यम मंदिर का नियंत्रण लेने और 'दीपथून' के ऊपर हर समय एक दीया जलाने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

जापान की पीएम साने ताकाइची ने भंग किया संसद का निचला सदन

- आठ फरवरी को देश में मध्यावधि चुनाव कराने का रास्ता साफ

तोक्यो, एजेंसी

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने शुक्रवार को संसद के निचले सदन को भंग कर दिया जिससे आठ फरवरी को मध्यावधि चुनाव कराए जाने का रास्ता साफ हो गया। यह कदम मात्र तीन महीने पहले प्रधानमंत्री का पद संभालने वाली ताकाइची का, अपनी लोकप्रियता का लाभ उठाने का प्रयास है ताकि सत्तारूढ़ दल हाल के वर्षों में हुए भारी नुकसान के बाद फिर से अपनी स्थिति मजबूत कर सके।

हालांकि उनके इस कदम से उस बजट पर मतदान टल जाएगा जिसका मकसद जूझती अर्थव्यवस्था को गति देना और महंगाई से निपटना है।

ताकाइची को अक्टूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना गया था। ताकाइची को प्रधानमंत्री बने मात्र तीन महीने हुए हैं लेकिन उन्हें करीब 70 प्रतिशत की मजबूत स्वीकृति रेटिंग मिली है। ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को अब भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि वह भ्रष्टाचार से जुड़े कई घोटालों और यूनिफिकेशन चर्च से पार्टी के पुराने संबंधों को लेकर विवादों से जूझ रही हैं। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि नया विपक्षी दल सेंट्रिस्ट रिफॉर्म अलायंस मध्यमार्गी मतदाताओं को आकर्षित कर पाएगा या नहीं जबकि विपक्षी दल अब भी बिखरे हुए हैं। ताकाइची की ताइवान समर्थक टिप्पणियों के बाद चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि ताकाइची हथियारों पर अधिक खर्च करें। वाशिंगटन और बीजिंग इस क्षेत्र में सैन्य प्रभुत्व हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

उत्कृष्ट सिनेमा का महाकुंभ

ऑस्कर अवार्ड

जादुई सुनहरी प्रतिमा 'ऑस्कर', जिसे आधिकारिक तौर पर एकेडमी अवार्ड्स कहा जाता है, दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित सिनेमा सम्मान है। यह न केवल एक कलाकार की प्रतिभा का पैमाना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर सिनेमाई उत्कृष्टता का सर्वोच्च शिखर है। ऑस्कर की शुरुआत 16 मई, 1929 को हुई थी। इसकी स्थापना एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा की गई थी। इस संस्था की नींव एमजीएम स्टूडियो के मालिक लुई बी. मेयर ने रखी थी। पहला समारोह हॉलीवुड के रूजवेल्ट होटल में एक निजी रात्रिभोज के दौरान आयोजित किया गया था, जिसमें केवल 270 लोग शामिल थे। भारत को अब तक विभिन्न श्रेणियों में कुल 10 ऑस्कर मिले हैं जो व्यक्तिगत और सामूहिक पुरस्कार हैं।

10 हजार सदस्य चुनते हैं विजेता

- ऑस्कर विजेताओं का चयन कोई छोटी जूरी नहीं, बल्कि 'एकेडमी' के लगभग 10,000 से अधिक सदस्य करते हैं। ये सदस्य फिल्म उद्योग के पेशेवर (अभिनेता, निर्देशक, निर्माता, तकनीशियन) होते हैं। इसके लिए एक गुप्त मतदान कराया जाता है। मतदान एक गुप्त प्रक्रिया है जिसे प्राइस वाटर हाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) द्वारा ऑडिट किया जाता है। जिससे चयन को लेकर मतभेद की स्थिति न उत्पन्न हो। विजेताओं को लगभग एक प्रतिमा मिलती है। दिलचस्प तथ्य यह है कि ऑस्कर विजेता मिलने वाली ट्रॉफी को बेच नहीं सकते हैं। अगर वे इसे बेचना चाहें, तो उन्हें इसे पहले एकेडमी को मात्र 1 डॉलर में वापस करने का प्रस्ताव देना होता है।

नामांकन श्रेणियां

- वर्तमान में ऑस्कर मुख्य रूप से 24 श्रेणियों में दिया जाता है। इनमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सहायक भूमिकाएं, पटकथा (ओरिजिनल और एडाप्टेड), एडिटिंग, सिनेमैटोग्राफी, कॉस्ट्यूम डिजाइन, और अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म जैसी श्रेणियां शामिल हैं।

नामांकन व जीत के रिकॉर्ड

- ऑस्कर इतिहास में तीन फिल्मों के नाम सर्वाधिक 14 नामांकनों का संयुक्त रिकॉर्ड रहा है लेकिन 2026 में यह रिकॉर्ड टूट गया, फिल्म सिनर्स ने 16 श्रेणियों में नामांकन हासिल कर इतिहास बनाया है। पहले की तीन फिल्मों में ऑल अबाउट ईव (1950), टाइटैनिक (1997), ला ला लैंड (2016) में निर्मित फिल्म शामिल हैं।
- सबसे ज्यादा 11 ऑस्कर जीतने का रिकॉर्ड इन तीन फिल्मों के पास है जिनमें बेन-हर (1959), टाइटैनिक (1997), द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स: द रिटर्न ऑफ द किंग (2003) शामिल है।

भारत को अब तक 10

- भारत का ऑस्कर का सफर 1983 में शुरू हुआ। अब तक 10 ऑस्कर मिले हैं। वर्ष 1983 में भानु अथैया को फिल्म गांधी में बेस्ट कास्ट्यूम डिजाइन के लिए, 1992 में सत्यजीत रे को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, 2009 में रेसुल पुकुट्टी को स्लमडॉग मिलेनियर में बेस्ट साउंड मिक्सिंग, एआर रहमान को संगीत, गुलजार को बेस्ट सांग के लिए ऑस्कर मिला। 2023 एमएम. कीरावनी/चंद्रबोस को नाटू नाट के लिए बेस्ट ओरिजनल सांग और कार्तिकी गोंजाल्विस को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म के लिए मिला।

समारोह का स्थान

- वर्तमान में ऑस्कर समारोह लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में आयोजित किया जाता है। यह आमतौर पर हर साल फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में होता है। 2026 में भी यह आयोजन इसी भव्यता के साथ संपन्न होने की उम्मीद है।

वर्ल्ड ब्रीफ

सिंगापुर एयर शो में भाग लेगी सारंग टीम

सिंगापुर। भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम अगले महीने की शुरुआत में कई प्रसिद्ध सैन्य एरोबेटिक टीम के साथ कदम से कदम मिलाते हुए सिंगापुर एयरशो 2026 में उड़ान प्रदर्शन करेगी। एयरशो के आयोजकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सारंग टीम ने एक्स पर लिखा कि सिंगापुर, हम आ गए हैं। सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम चांगी प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित सिंगापुर एयरशो 2026 में सांसें रोक देने वाले करतब दिखाने के लिए तैयार है। इसे देखने के लिए तैयार हो जाइए। यह शानदार होने वाला है!

चिली में आग बुझा रहे कर्मियों पर हमले

फ्लोरिडा। चिली में इस सप्ताह लगी भीषण आग बुझाने का प्रयास कर रहे दमकलकर्मियों और सुरक्षा बलों को हमले के प्रयासों से लेकर ड्रोन के टकराने के जोखिम जैसे खतरों का सामना करना पड़ रहा है। इस आग से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और जंगल का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया है। गुरुवार को नेशनल फॉरेस्ट्री कॉर्पोरेशन ने एक नई रिपोर्ट जारी की है। जिसमें देश के हालिया इतिहास की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक इस आग ने 45,700 हेक्टेयर (176 वर्ग मील) वन क्षेत्र और कुछ कस्बों को राख में तब्दील कर दिया है। जिसमें 8,500 हेक्टेयर (33 वर्ग मील) से अधिक क्षेत्र नष्ट हो गया था और 131 लोगों की जान चली गई थी।

इंडोनेशिया में विमान हादसा, 10 शव बरामद

जकार्ता। इंडोनेशिया में पिछले सप्ताह दक्षिण सुलावेसी प्रांत में लापता हुए निगरानी विमान में सवार सभी 10 लोगों के शव पहाड़ी क्षेत्र से बरामद कर लिए गए हैं। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट (आईएटी) द्वारा संचालित टर्बोप्रॉप एटीआर 42-500 विमान का शनिवार को दक्षिण सुलावेसी के मारोस क्षेत्र के पास हवाई यातायात नियंत्रण से संपर्क टूट गया था। विमान में चालक दल के सात सदस्य और तीन यात्री सवार थे।

ऑस्ट्रेलिया में तीन के हत्यारे की तलाश जारी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स की पुलिस घरेलू हिंसा से जुड़ी गोलीबारी में तीन लोगों की हत्या करने वाले आरोपी की तलाश कर रही है। गुरुवार की शाम करीब 4.20 बजे हुई गोलीबारी के बाद पुलिस 37 वर्षीय संदिग्ध जूलियन इनग्राम को तलाश कर रही है। तलाश के लिए हेलीकॉप्टरों को भी तैनात किया गया है।

ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस से कनाडा के पीएम कार्नी का निमंत्रण वापस लिया

नहीं बताया कोई स्पष्ट कारण, कनाडा-अमेरिका के रिश्तों में तल्खी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रस्तावित 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट से इस निर्णय की जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्नी को संबोधित एक संक्षिप्त पत्र के रूप में लिखे संदेश में ट्रंप ने बिना कोई विशेष कारण बताए स्पष्ट किया कि कनाडा के इस निकाय में शामिल होने के निमंत्रण को रद्द माना जाए।

यह घटनाक्रम दोनों देशों के बीच गहराते कूटनीतिक मतभेदों की ओर इशारा कर रहा है। यह कदम दोनों नेताओं के बीच इस सप्ताह हुई सार्वजनिक बयानबाजी और तीखी नोकझोंक के बाद उठाया गया है। इससे पहले गुरुवार को कार्नी ने ट्रंप के उस विवादास्पद दावे को सिरे से खारिज कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि कनाडा अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच से लौटने के बाद कार्नी ने क्यूबेक सिटी में कहा था कि कनाडा और अमेरिका के बीच आर्थिक और सुरक्षा के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय साझेदारी है, लेकिन कनाडा अमेरिका के कारण जीवित नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा अपनी विशिष्ट पहचान और नागरिकों के कारण फल-फूल रहा है। दावोस शिखर सम्मेलन के दौरान कार्नी ने वैश्विक व्यवस्था में आने वाली 'दरार' के प्रति आगाह किया था और प्रमुख शक्तियों द्वारा टैरिफ (शुल्क) तथा आर्थिक दबाव के उपयोग की खुलकर आलोचना की थी। उन्होंने ग्रीनलैंड और डेनमार्क के प्रति भी अपना समर्थन व्यक्त किया था, जिसे अमेरिकी नीतियों के विरोध के रूप में देखा गया। इसके विपरीत, ट्रंप ने उसी मंच से बोलते हुए दावा किया था कि कनाडा अमेरिका की वजह से ही जीवित है। दावोस में ट्रंप और कनाडाई प्रधानमंत्री के बीच कोई द्विपक्षीय मुलाकात भी नहीं हुई थी, जिससे तनाव की स्थिति पहले ही स्पष्ट हो गई थी।

अमेरिका की डब्ल्यूएचओ से हटने की प्रक्रिया पूरी

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से हटने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। संघीय अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक स्वास्थ्य निकाय के प्रति वाशिंगटन की 78 साल पुरी प्रतिबद्धता खत्म किए जाने का नोटिस देने के लगभग एक साल बाद सामने आया है। हालांकि, इस सिलसिले में कुछ सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अमेरिका को वैश्विक स्वास्थ्य निकाय को 13 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने हैं। ट्रंप प्रशासन ने माना है कि कुछ मुद्दों को अभी नहीं सुलझाया जा सका है।

ट्रंप की इच्छा, कनाडा अमेरिका का 51 वां राज्य बन जाए

व्हाइट हाउस में दोबारा वापसी के बाद से ट्रंप ने कनाडा के साथ व्यापारिक और राजनीतिक मोर्चे पर कड़ा रुख अपना रखा है। कनाडा पर व्यापक व्यापारिक शुल्क लगा दिए हैं और बार-बार यह सुझाव देकर विवाद पैदा किया है कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। निमंत्रण वापसी के इस ताजा फैसले के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापारिक और राजनीतिक संबंधों में और अधिक कड़वाहट आने की संभावना जताई जा रही है।

नेपाल में पूर्व पीएम भट्टराई नहीं लड़ेंगे आम चुनाव

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई ने देश में मार्च में प्रस्तावित आम चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी शुक्रवार को वापस ले ली। उन्होंने कहा कि वह नेपाली युवाओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह कदम उठा रहे हैं। भट्टाराई (71) ने गंडकी प्रांत के गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्र से प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा संदेश में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की। भट्टराई ने कहा कि युवा पीढ़ी और गोरखा जिले के मतदाताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह फैसला लिया है।

बच गई फ्रांस में लेकोर्नू सरकार

पेरिस। फ्रांस की सरकार के खिलाफ लाए गए दो अविश्वास प्रस्ताव शुक्रवार को गिर गए जिससे प्रधानमंत्री सेबस्टियन लेकोर्नू की सरकार पर मंडरा रहा संकट फिलहाल टल गया है। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने से वर्ष 2026 के लिए पूर्ण राज्य बजट को अपनाने की दिशा में एक बड़ी बाधा दूर हो गई है। अविश्वास प्रस्ताव को 269 सांसदों का समर्थन मिला।

अमेरिका, यूक्रेन और रूस में त्रिपक्षीय वार्ता

- यूक्रेन-रूस के बीच जंग समाप्ति को महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम

अबू धाबी, एजेंसी

रूस के यूक्रेन पर 2022 में शुरू किए गए हमले के बाद पहली बार अमेरिका, यूक्रेन और रूस के वार्ताकार शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात में एक साथ मेज पर बैठेंगे। यह तीनों देशों के बीच होने वाली पहली ज्ञात त्रिपक्षीय बैठक है, जिसे युद्ध समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम माना जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के सहायक यूरी उशाकोव ने पुष्टि की है कि रूस सुरक्षा मुद्दों पर त्रिपक्षीय कार्य समूह की पहली बैठक के लिए अबू धाबी में यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों के साथ शामिल होगा।

इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इस बैठक के आयोजन की पुष्टि की थी। यह ऐतिहासिक वार्ता राष्ट्रपति ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर की रूसी राष्ट्रपति के साथ हुई गहन मुलाकात के बाद आयोजित की जा रही है। गुरुवार देर रात पुतिन के साथ इन अमेरिकी प्रतिनिधियों की बैठक तीन घंटे से अधिक समय तक चली थी। रूस ने इस चर्चा को अत्यंत ठोस, रचनात्मक और गोपनीय बताया है। हालांकि, रूसी अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि अबू धाबी में होने वाली त्रिपक्षीय वार्ता किस समय शुरू होगी, लेकिन इसे लेकर वैश्विक स्तर पर उम्मीदें बढ़ गई हैं। सकारात्मक संकेतों के बावजूद रूस ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि क्षेत्रीय मुद्दों को सुलझाए बिना किसी भी दीर्घकालिक समाधान की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी।

पुतिन ने ट्रंप के दूतों से की लंबी बातचीत

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन मुद्दे के समाधान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूतों से चर्चा की। रातभर चली वार्ता के दौरान क्रेमलिन ने इस बात पर जोर दिया कि शांति समझौते तक पहुंचने के लिए क्षेत्रीय विवाद का समाधान जरूरी है। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब इससे कुछ घंटे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने अपने यूरोपीय सहयोगियों की तीखी आलोचना की थी। ज़ेलेंस्की ने कहा था कि रूस के लगभग चार वर्ष पहले शुरू किए गए आक्रमण और उसकी लगातार जारी आक्रामकता के प्रति यूरोप की प्रतिक्रिया धीमी, बिखरी हुई और अपर्याप्त रही है।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड केस ईडी ने की तीन राज्यों में छापेमारी

- लूथरा बंधुओं के कार्यालय और घर सहित नौ परिसरें में तलाशी

पणजी/नई दिल्ली, एजेंसी

गोवा के नाइटक्लब बर्च बाय रोमियो लेन के प्रवर्तकों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को गोवा, हरियाणा और दिल्ली में छापे मारे। इसी नाइटक्लब में पिछले साल दिसंबर में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि कम से कम नौ परिसरों पर तलाशी ली जा रही है जिनमें राजधानी दिल्ली के किंग्सवे कैंप में स्थित सौरभ और गौरव लूथरा बंधुओं के कार्यालय और आवास, हरियाणा के गुरुग्राम में तत्त्वम विला में सह-मालिक अजय गुप्ता का ठिकाना, इसके अलावा गोवा में अरपोरा-नागोआ के पूर्व सरपंच रोशन रेडकर और पंचायत सचिव रघुवीर बागकर के परिसर शामिल हैं। जांचकर्ताओं ने कुछ परिसरों से कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं। ईडी के अनुसार, रेडकर और बागकर पर क्लब के लिए अवैध व्यापार लाइसेंस और एनओसी जारी करने एवं सुविधा प्रदान करने का आरोप है। एजेंसी के अधिकारी सुरिंदर कुमार खोसला के परिसर में भी मौजूद हैं ताकि उस धन शोधन के पहलू की जांच की जा सके जो खजान भूमि (विशिष्ट पारंपरिक कृषि भूमि जिसे आर्द्र दलदली भूमि को सुखाकर बनाया जाता है) के अवैध रूपांतरण से उत्पन्न हुआ है जिस पर बर्च बाय रोमियो लेन क्लब स्थित है। खोसला एक ब्रिटिश नागरिक है और माना जाता है कि वह क्लब के मालिकों में से एक है।

हादसे में 25 लोगों की हुई थी मौत, 50 जख्मी

गोवा के अरपोरा गांव में स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नामक नाइट क्लब में छह दिसंबर 2025 को आग लग गई थी। इस घटना में 25 लोगों की मौत हुई थी और लगभग 50 लोग भी घायल हो गए। घटना के कुछ घंटों बाद ही दोनों भाई देश छोड़कर थाईलैंड भाग गए थे। उन्हें करीब दस दिन बाद 17 दिसंबर 2025 को भारत वापस भेज दिया गया और वे गोवा पुलिस की हिरासत में है।

विमानन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और ईयू

दावोस। भारत और यूरोपीय संघ ने विमानन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए नियामकों के बीच सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई है तथा ढांचागत विकास के लिए एक कार्ययोजना तैयार की है। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने गुरुवार को दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक आर्थिक शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय संघ के परिवहन आयुक्त अपोस्टोलोस त्जित्जिकोस्टास से मुलाकात की। दोनों के बीच नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणालियों पर गहन चर्चा हुई। बैठक में हरित विमान ईंधन जैसे नवाचारों पर विशेष रूप से बात हुई। इसमें पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता दी गई।

47 लाख के इनामी नौ नक्सलियों का सरेंडर

- आत्मसमर्पण के साथ भारी संख्या में हथियार भी सौंपे

धमतरी, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में शुक्रवार को 47 लाख रुपये के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली ओडिशा के धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा संभाग के अंतर्गत आने वाली माओवादी कमेटी की नगरी और सीतानदी एरिया कमेटी तथा मैनपुर लोकल गुरिल्ला स्क्वाड से संबंधित हैं, जिनमें सात महिलाएं शामिल हैं।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में से सीतानदी एरिया कमेटी की सचिव ज्योति उर्फ जैनी (28) और संभागीय समिति सदस्य उषा उर्फ बलम्मा पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था। छह अन्य नक्सलियों रामदास मरकाम, रोनी उर्फ उमा, निरंजन उर्फ पोडिया, सिंधु उर्फ सोमादी, रीना उर्फ चिरो और अमिला उर्फ सन्नी पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था, जबकि लक्ष्मी पुनेम पर एक लाख रुपये का इनाम था।

उन्होंने कहा कि बलम्मा तेलंगाना की रहने वाली है, जबकि अन्य नक्सली छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से हैं। पुलिस महानिरीक्षक मिश्रा ने बताया कि पांच नक्सलियों ने आत्मसमर्पण के साथ दो इंसास राइफल, दो एसएलआर, एक कार्बाइन और एक बंदूक अधिकारियों को सौंपी।

श्रीलंका नौसेना ने 7 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने अपने जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में सात भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। नौसेना ने कहा कि मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मंगलवार को उत्तरी जाफना प्रायद्वीप के कोविलन के पास उनकी दो नौकाएं जब्त कर ली गई हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों को कानूनी कार्यवाही के लिए जाफना के मायलिड्डी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। दोनों देशों के मछुआरों को अक्सर अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद विषय रहा है। श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की है।

आज का भविष्यफल
-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 24 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 25 जनवरी 00.39 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

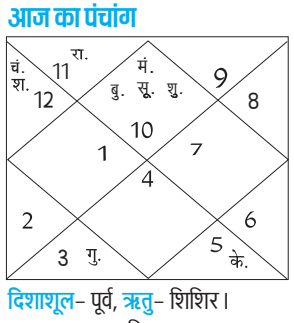

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तर भाद्रपद 14.16 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज बड़े भाई-बहन को लेकर थोड़े तनाव में आ सकते हैं। धन संबंधी परेशानियों से घिरे रहेंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। आपको गैस और पित्त की समस्या हो सकती है। स्वयं द्वारा बनाए हुए नियमों और सिद्धांतों की स्वत: अवहेलना न करें।

वृष — आज व्यवसाय को लेकर बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। व्यापार में आ रहे विघ्नों पर विजय प्राप्त कर लेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर समर्पण की भावना में वृद्धि होगी। आपको नौकरी में पदोन्नति मिल सकती है। घर के बड़े-बुजुर्ग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ प्राप्त होगा। आपकी कार्यशैली में सुधार हो सकता है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए परिश्रम करेंगे। विदेश यात्रा से धन लाभ मिलेगा। पाचनतंत्र में कुछ परेशानी हो सकती है।

कर्क — आज आपको सहकर्मियों का साथ नहीं मिलेगा। शेयर और जोखिम भरे निवेशों में थोड़ी परेशानी होगी। शारीरिक और मानसिक थकान रहेगी। जीवनसाथी आपके ऊपर नाराज हो सकते हैं। व्यर्थ के प्रपंचों से आपको दूर रहना चाहिए।

सिंह — आज गुप्त विद्याओं के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। बच्चों की सेहत का ध्यान रखें। जिस काम में मन न लग रहा हो उसे बिल्कुल न करें। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में नए विरोधी उभर सकते हैं। प्रेम संबंधों में शंका की भावना न पनपने दें।

कन्या — आज साहस और बुद्धिमत्ता युक्त निर्णय लेने से आपको व्यवसाय में शानदार सफलता मिलेगी। मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। अविवाहित लोगों को विवाह के अवसर मिलने के योग बन रहे हैं। सरकारी नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा।

तुला — आज नया काम शुरु करने के लिए दिन उत्तम है। विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ कुछ अतिरिक्त नौकरी करने की योजना बनाएंगे। नि:संतान दंपतियों को शुभ समाचार मिल सकते हैं। विरोधी भी आपकी प्रतिभा का सम्मान करेंगे।

वृश्चिक — आज नया व्यापार शुरू करने में सफलता मिलेगी। अपनी वाणी में संयम भाव रखें। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने व्यवहार में लचीलापन रखें। संपत्ति के मामलों में विजय प्राप्त हो सकती है। कारोबारी उद्देश्य से यात्रा हो सकती है।

धनु — आज अपने काम से काम रखें दूसरों के मामले में हस्तक्षेप न करें। युवा जातक प्रेमीजन से प्रणय निवेदन कर सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में सुधार होने की संभावना है। आप कला में रुचि ले सकते हैं। नए दोस्त बनने के योग बन रहे हैं।

मकर — आज महत्वपूर्ण वस्तुओं को संभालकर रखें। आईटी से जुड़े व्यवसाय से धन लाभ प्राप्त होगा। कुछ लोग आपकी निश्छलता का गलत फायदा उठाने का प्रयास करेंगे। यदि पार्टनरशिप में कोई व्यापार कर रहे हैं, तो उसमें पारदर्शिता अवश्य रखें।

कुंभ — आज व्यायाम और ध्यान अवश्य करें। हर समस्या का व्यवहार कुशलता से समाधान निकाल लेंगे। बच्चों के लिए कुछ उपहार ले सकते हैं। परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। पुरानी यादें दोबारा ताजा होंगी। आपकी कलात्मक क्षमता का विकास होगा।

मीन — आज आपकी प्रतिभा को सम्मान मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। रात के समय सड़क यात्रा करने से बचें। बिना जांच-पड़ताल के निवेश करने से आर्थिक हानि हो सकती है। अपनी उपलब्धियों का अधिक बखान न करें।

सुडोकू-41

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7		2			1	
		9			8			3
		4	9		6			5
2			5	3	7			6
		1				7		
6			1	9	2			4
4			7		1	5		
5			8			9		
	8			5		6		

सुडोकू - 40 का हल

6	9	8	5	4	7	3	2	1
4	2	3	9	6	1	7	8	5
5	1	7	8	2	3	6	4	9
3	4	9	2	7	5	8	1	6
2	5	6	3	1	8	9	7	4
7	8	1	4	9	6	5	3	2
8	7	4	6	5	2	1	9	3
1	6	2	7	3	9	4	5	8
9	3	5	1	8	4	2	6	7

रोहित भाई पावरप्ले में जो शुरुआत देते थे, उससे प्रतिद्वंद्वी टीम पर दबाव होता था। कोच और कप्तान मुझसे यही चाहते थे। यह मेरी शैली के अनुरूप है क्योंकि मुझे आक्रामक खेलने का शौक है।

अभिषेक शर्मा भारतीय बल्लेबाज

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 24 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर के पूल बी में भारत

नई दिल्ली। हैदराबाद में होने वाले 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर में भारत को चार टीमों वाले पूल बी में रखा गया और मेजबान देश अभियान की शुरूआत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। भारत इसके बाद नौ मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स के खिलाफ पूल मुकाबले खेलेगा। इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में शामिल हैं। सेमीफाइनल मुकाबले 13 मार्च को खेले जाएंगे जबकि तीसरे स्थान का प्ले-ऑफ और फाइनल 14 मार्च को आयोजित होगा। दूसरा क्वालीफाइंग टूर्नामेंट चिली के सैंटियागो में 28 फरवरी से आठ मार्च तक खेला जाएगा जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, आयरलैंड, चिली, फ्रांस, कनाडा, मलेशिया और स्विट्जरलैंड की टीम भाग लेंगी।

राइफल ट्रायल्स में माने साक्षी का बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की साक्षी सुनील पडेककर और रेलवे के शाहू तुषार माने ने शुक्रवार को राष्ट्रीय चयन ट्रायल 1 और 2 (ग्रुप ए) में क्रमशः 10 मीटर एयर राइफल महिला और पुरुष स्पर्धाओं के फाइनल और क्वालिफिकेशन राउंड में राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर स्कोर बनाया। साक्षी ने टी2 फाइनल में 254.3 अंक बनाए जबकि शाहू तुषार माने ने क्वालिफिकेशन में 637.1 का स्कोर किया। ये दोनों स्कोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर होने के बावजूद आधिकारिक रिकॉर्ड बुक में दर्ज नहीं किए जाएंगे। ओलंपियन अर्जुन बबूता ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी2 फाइनल में जीत दर्ज की जबकि साक्षी ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टी2 फाइनल अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शाहीन पाक टीम में

कराची। पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए शुक्रवार को तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को राष्ट्रीय टी20 टीम में शामिल किया। अफरीदी के घुटने की चोट से वापसी और बाबर आजम के बिग बैश लीग से लौटने के अलावा इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ खेलने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अफरीदी को ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए घुटने में चोट लग गई थी और वह लाहौर के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में उपचार के लिए घर लौट आए थे।।

भारत ने भूटान को 11-3 से हराया

नोंथाबुरी (थाईलैंड)। भारत ने सैफ फुटसल चैंपियनशिप 2026 में भूटान को 11-3 से हराने के लिए दमदार अटैकिंग प्रदर्शन किया। निखिल माली ने हैट्रिक लगाई, उन्होंने तीनों गोल मैच के आखिरी मिनट में किए। विंसेंट लालतलुआंगजेला और अनमोल अधिकारी ने दो-दो गोल किए। जोनाथन लालरावंगबावला, लालसॉम्पिया और सीन डिसूजा ने एक-एक गोल किया, जबकि भूटान के जिग्नम सेल्टोब दोरजी ने एक आत्मघाती गोल किया। इस बड़ी जीत से भारत चार मैचों में पांच अंकों के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। मालदीव के दिन में पहले नेपाल को 2-1 से हराने के बाद फुटसल टाइगर्स पहले ही टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान की दौड़ से बाहर हो गए थे।

भारत ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

दूसरा टी20 : कप्तान सूर्यकुमार ने नाबाद 82 और इशान ने 76 रनों की खेलीं विस्फोटक पारियां

रायपुर, एजेंसी

- भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बनाई बढ़त, कीवी कप्तान सैंटनर और रचिन रवींद्र की उपयोगी पारियां हुईं बेकार

कप्तान सूर्यकुमार यादव (नाबाद 82) और इशान किशन (76) की विस्फोटक पारियों के दम पर भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी20 में शुक्रवार को न्यूजीलैंड को 28 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराया। न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 208 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 15.2 ओवर में तीन विकेट पर 209 रनों के साथ श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली।

सूर्यकुमार यादव

टी20 विश्व कप से पहले लय हासिल करते हुए सूर्यकुमार ने 23 पारियों से चले आ रहे अर्धशतक के सूखे को खत्म किया। उन्होंने 37 गेंद की नाबाद पारी के दौरान नौ चौके और चार छक्के लगाने के अलावा तीसरे विकेट के लिए इशान के साथ महज 49 गेंद में 122 और शिवम दुबे (नाबाद 36) के साथ चौथे विकेट के लिए 37 गेंद में 81 रन की अटूट की साझेदारी के साथ टीम के आसानी से जीत दिला दी। भारत ने इसके साथ ही टी20 में लक्ष्य का सफलता से सबसे बड़े स्कोर के पीछा करने के अपने रिकॉर्ड की बराबरी की। टीम ने इससे पहले 2023 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी लक्ष्य का पीछा करते हुए 209 रन बनाये थे। इशान ने 32 गेंद की पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाए जबकि दुबे ने 18 गेंद की नाबाद पारी में तीन छक्के और एक चौका जड़ा।

न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी, जैकब डफी और ईश सोढ़ी ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले कुलदीप यादव ने बीच के ओवरों में दो अहम विकेट लेकर शानदार वापसी की, जिससे भारत ने न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 208 रनों पर रोक दिया। न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्र (44 रन, 26 गेंद) और कप्तान मिचेल सैंटनर (नाबाद 47 रन, 27 गेंद) ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 200 रनों के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए संजू सैमसन को दूसरी गेंद पर जीवनदान मिला जब मैट हेनरी की गेंद पर कोन्वे ने बाउंड्री के बाद उनका कैच छोड़ दिया। सैमसन स्कोर कार्ड में इजाफ किए बगैर रवींद्र को कैच देकर पवेलियन लौट गए। अभिषेक शर्मा खाता खोले बगैर जैकब डफी का शिकार बने। छह रन पर दो विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव में थी, लेकिन इशान पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने जैक फोक्स के खिलाफ तीन चौके और एक छक्का के साथ तीसरे ओवर से 24 रन बटोर लिया। उन्होंने कप्तान सैंटनर के खिलाफ हैट्रिक चौका लगाया और छठे ओवर में हेनरी के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और दो चौका जड़ते हुए 21 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। पावरप्ले में भारत ने 75 रन बना लिए। सूर्यकुमार ने सैंटनर के खिलाफ चौका लगाकर टीम के रनों का शतक पूरा किया। अब तक संभल कर खेल रहे भारतीय कप्तान ने नौवें ओवर में फोक्स के खिलाफ चार चौके और एक छक्का लगाया। टीम ने इस ओवर से 25 रन बटोर लिये। इशान 10वें ओवर में ईश सोढ़ी के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में गेंद हवा में लहरा बैठे और हेनरी ने आसान कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया।

इशान किशन

दूसरे टी20 मैच के दौरान ग्लेन फिलिप्स का विकेट लेने के बाद साथियों के साथ जश्न मनाते कुलदीप यादव।

भारतीय कप्तान को डफी की गेंद पर मुश्किल जीवनदान मिला जब चैपमैन उनका कैच लपकने में नाकाम रहे और गेंद उनके हाथ से लगकर छह रन के लिए चली गयी। सूर्यकुमार ने अगली गेंद पर एक रन चुराकर 23 पारियों के बाद अपना अर्धशतक पूरा किया। शिवम दुबे ने सोढ़ी के खिलाफ दो छक्के लगाकर हाथ खोला और फिर भारतीय कप्तान के साथ आक्रामक बल्लेबाजी कर आसान जीत दिला दी।

सूर्यकुमार ने इससे पहले ओस की संभावना को देखते हुए टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। चोटिल अक्षर पटेल और आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह की जगह हर्षित राणा और कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल किया गया। कॉन्वे (19 रन, नौ गेंद) और टिम सिफर्ट (24 रन, 13 गेंद) ने न्यूजीलैंड को तेज शुरुआत दिलाई लेकिन दोनों बल्लेबाज टीम के 43 रन के स्कोर पर आउट हो गए। कोन्वे ने पहले ओवर में ही आउटस्विंगर से छकाए जाने के बावजूद अर्शदीप सिंह पर आक्रामक रुख अपनाया और तीन चौके व एक छक्का लगाकर 18 रन बटोरे। इसके बाद सिफर्ट ने भी अर्शदीप के अगले ओवर में चार चौके जड़ते हुए 18 रन निकाल लिए। चौथे ओवर में गेंदबाजी के लिए आए हर्षित राणा ने दूसरी ही गेंद पर कोन्वे को आउट किया। यह सफेद गेंद की इस श्रृंखला में चौथी बार था जब राणा ने बायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज को पवेलियन भेजा। रवींद्र ने कुछ शानदार शॉट्स लगाए, लेकिन वह कुलदीप की फिरकी को पढ़ने में नाकाम रहे और आउट हो गए। इससे पहले कुलदीप ने खतरनाक ग्लेन फिलिप्स को गुगली पर छकाते हुए बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच करवाया था। शुरुआती 10 ओवरों में तीन विकेट पर 111 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड बड़े स्कोर की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन भारत ने मैच में वापसी की।

शिवम दुबे ने 12वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए और अपनी धीमी गेंद पर फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल को आउट कर दबाव बना दिया। अंतिम पांच ओवरों में कप्तान सैंटनर ने मोर्चा संभालते हुए कुछ आकर्षक चौके और हार्दिक पंड्या पर एक सीधा छक्का जड़ा। जैक्स फोक्स ने आखिरी दो गेंद पर छक्का और चौका जड़ जिससे टीम को अंतिम पांच ओवरों में 57 रन बटोरे।

न्यूजीलैंड

208/6 (20 ओवर)

डेवोन कोन्वे का पंड्या बो राणा	19
टिम सिफर्ट का इशान बो चक्रवर्ती	24
रचिन रविंद्र का अर्शदीप बो कुलदीप	44
ग्लेन फिलिप्स का पंड्या बो कुलदीप	19
डेरिल मिचेल का पंड्या बो दुबे	18
मार्क चैपमैन का अभिषेक बो पंड्या	10
मिचेल सैंटनर नाबाद	47
जैक फोक्स नाबाद	15

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-53-0, पंड्या 3-0-25-1, राणा 3-1-35-1, चक्रवर्ती 4-0-35-1, कुलदीप 4-0-35-2, अभिषेक 1-0-12-0, दुबे 1-0-7-1

भारत

209/3 (15.2 ओवर)

संजू सैमसन का रवींद्र बो हेनरी	06
अभिषेक शर्मा का कोन्वे बो डफी	00
इशान किशन का हेनरी बो सोढ़ी	76
सूर्यकुमार यादव नाबाद	82
शिवम दुबे नाबाद	36

गेंदबाजी : हेनरी 3-0-41-1, डफी 4-0-38-1, फोक्स 3-0-67-0, सैंटनर 2-0-27-0, सोढ़ी 3-0-34-1, मिचेल 0.2-0-2-0

झारखंड के 561 रनों के जवाब में उत्तर प्रदेश बैकफुट पर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रणजी ट्रॉफी के एलीट पूल मुकाबले में उत्तर प्रदेश की नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगता नजर आ रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में झारखंड के खिलाफ खेले जा रहे मैच के दूसरे दिन मेजबान यूपी पूरी तरह दबाव में दिखी। झारखंड की पहली पारी के 561 रनों के जवाब में यूपी ने महज 32 रन पर अपने शीर्षक्रम के तीन अहम विकेट गंवा दिए। झारखंड की ओर से शरणदीप ने 139, आर्यमान सेन ने 75 तथा कुशाग्र ने 102 रन की शतकीय पारी खेली। यूपी की ओर से कुनाल त्यागी व शिवम शर्मा को दो-दो विकेट मिले। जवाब में यूपी की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने चार रन पर ही माधव कौशिक (2) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद आर्यन जुयाल (4) और आदित्य शर्मा (2) भी जल्दी पवेलियन लौट गए। दिन का खेल समाप्त होने तक अभिषेक गोस्वामी 14 रन और शिवम शर्मा 8 रन बनाकर क्रीज पर टिके थे।

रणजी ट्रॉफी

शतक जड़ने के बाद खुशी जाहिर करते झारखंड के कुशाग्र।

सरफराज ने जड़ा दोहरा शतक

हैदराबाद। सरफराज खान की 227 रन की पारी की बदौलत मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद पर दबदबा बना लिया। हैदराबाद ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में दो विकेट पर 138 रन बना लिए है लेकिन टीम मुंबई से 422 रनों से पीछे है। मुंबई की पहली पारी 560 रन पर सिमटी। ग्रुप के अन्य मुकाबलों में खराब रोशनी से पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर के बीच खेल जल्दी रोकना पड़ा। पुडुचेरी के 233 रन के जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम 150 रन पर छह विकेट गंवा चुकी। छत्तीसगढ़ ने आठ विकेट शेष रहते हुए दिल्ली पर 135 रन की बढ़त बनाई।

गिल नाकाम, सौराष्ट्र ने पंजाब को 194 रनों से रौंदा

राजकोट। स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल लगातार दूसरी बार विफल रहे, जिससे पंजाब की टीम सौराष्ट्र के सामने टिक नहीं सकी और 194 रनों से हार गई। 320 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की उम्मीद गिल 32 गेंद में 14 रन बनाकर आउट हो गए। इससे मेहमान टीम अपनी दूसरी पारी में महज 125 रन पर सिमट गई। पहली पारी में भी गिल दो गेंद खेलने के बाद खाता खोले बिना आउट हो गए थे। दोनों पारियों में गिल को बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ भुट ने पगबाधा आउट किया।

सिंधु और लक्ष्य की हार से भारतीय चुनौती समाप्त

इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन

- चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधु 6-8 से पीछे

जकार्ता, एजेंसी

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सीधे गेम में हारकर बाहर हो गये, जिससे पांच लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती शुक्रवार को समाप्त हो गई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार खिलाड़ी चेन यू फेई के खिलाफ 42 मिनट तक चले मुकाबले में

13-21, 17-21 से हार मिली। इस हार के साथ ही सिंधु का सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधु 6-8 से पीछे हो गई हैं। सिंधु की चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ पिछली जीत 2019 में दर्ज हुई थी।

पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल से कड़े मुकाबले में 18-21, 20-22 से हार मिली। यह मैच 46 मिनट चला। लक्ष्य दोनों गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद भी जीत दर्ज करने में नाकाम रहे। लक्ष्य को हराने से पहले थाईलैंड का खिलाड़ी प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता ली जी जिया को भी टूर्नामेंट से बाहर कर चुका है।

इससे पहले गुरुवार को किदांबी श्रीकांत और अनमोल खरब पुरुष और महिला एकल वर्ग में हारकर बाहर हो गए थे। पुरुष युगल में हरिहरन अमसकरुणन और एम आर अर्जुन की जोड़ी भी प्री-क्वार्टरफाइनल से आगे बढ़ने में नाकाम रही। महिला युगल वर्ग में भारत की कोई भी जोड़ी भाग नहीं ले रही थी जबकि दो भारतीय जोड़ियां पहले दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं।

बांग्लादेश की अपील पर सुनवाई डीआरसी के अधिकार क्षेत्र में नहीं

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी की विवाद समाधान समिति (डीआरसी) को पत्र लिखकर राष्ट्रीय पुरुष टीम के टी20 विश्व कप मुकाबले भारत में कराने के संचालन परिषद के फैसले को पलटने की मांग की है, लेकिन यह अपील सुनी नहीं जाएगी क्योंकि यह मामला उप-समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भले ही स्कॉटलैंड को स्टैंडबाय पर रखा हो, लेकिन अमीनुल इस्लाम बुलबुल के नेतृत्व वाला बीसीबी आखिरी विकल्प के तौर पर आईसीसी की डीआरसी के पास पहुंचा। इस समिति के अध्यक्ष इंग्लैंड के माइकल बेलॉफ (किंग्स काउंसिल) हैं। बीसीबी के सूत्र ने बताया कि बीसीबी ने डीआरसी का रुख किया है क्योंकि वह अपने सभी विकल्प आजमाना चाहता है। अगर डीआरसी बीसीबी के खिलाफ फैसला देती है तो फिर स्विट्जरलैंड स्थित खेल पंचाट (सीएएस) ही बचेगा।

प्लेऑफ में बने रहने को दिल्ली की निगाहें ऑलराउंड प्रदर्शन पर

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए शनिवार को शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली ने पिछले मैच में मुंबई को सात विकेट से हराकर वापसी के संकेत दिए थे और वह चार अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। अब तक अजेय रही आरसीबी को हराने के लिए दिल्ली को अपने खेल का स्तर और ऊंचा करना होगा। अब तक दिल्ली की बल्लेबाजी की अगुआई अनुभवी लिजेल ली (213 रन) ने की है जबकि लॉरा वोलवार्ट (123 रन) और शेफाली वर्मा (149 रन) ने बीच-बीच में उनका सहयोग किया है।

आर्यना सबालेंका

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | दानिल मेदवेदेव ने दो सेट से पिछड़ने के बाद मारोजसन पर जीत की हासिल

कार्लोस अल्काराज और आर्यना सबालेंका चौथे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल के तीसरे दौर में कोरेंटिन माउटेट पर जीत दर्ज की। स्पेन के अल्काराज करियर ग्रैंडस्लैम की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने 32वीं वरीयता प्राप्त माउटेट पर 6-2, 6-4, 6-1 से जीत हासिल की। महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को 7-6 (4), 7-6 (7) से मात दी।

कार्लोस अल्काराज

अल्काराज ने कहा कि जब आप कोरेंटिन जैसे किसी खिलाड़ी के साथ खेलते हैं तो आपको नहीं पता होता कि आगे क्या होने वाला है। जैसा कि आप देख सकते हैं, हम दोनों ने शानदार शॉट्स लगाए। शानदार अंक जुटाए। अल्काराज अब रविवार को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे, जिन्होंने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के चोट के कारण रिटायर होने से अगले दौर में प्रवेश किया। पॉल ने पहले दो सेट 6-1, 6-1 से अपने नाम किए थे।

महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज आर्यना सबालेंका चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। सबालेंका ने 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता और एक साल पहले वह मैडिसन कीज से हारकर उपविजेता रही थीं। सबालेंका ने दो बार अमेरिकी ओपन भी जीता है। अब चौथे दौर में सबालेंका का सामना उभरती हुई स्टार विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने क्लारा टौसन को हराया है।

पुरुषों के अन्य मुकाबलो में दानिल मेदवेदेव ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फैबियन मारोजसन पर 6-7 (5), 4-6, 7-5, 6-0, 6-3 से जीत हासिल की। यह पांचवीं बार है जब मेदवेदेव ने 0-2 से पिछड़ने के बाद ग्रैंड स्लैम मैच जीता है। 2021 के अमेरिकी ओपन चैंपियन और तीन बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन उप विजेता मेदवेदेव अब अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन से भिड़ेंगे, जिन्होंने उन्हें पिछले साल दूसरे दौर के पाच सेट चले मैच में हराया था। 25वीं वरीयता प्राप्त टिएन ने नूनो बोर्गेस को 7-6 (9), 6-4, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

इवा जोविक ने पाओलिनी को हराकर किया बड़ा उलटफेर

महिला खिलाड़ी इवा जोविक ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए जैस्मीन पाओलिनी को तीसरे राउंड में 6-2, 7-6(3) से हरा दिया। इस नतीजे से जोविक सिर्फ अपने छठे प्रयास में पहली बार किसी मेजर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचीं। यह चार मुलाकातों में किसी टॉप 10 खिलाड़ी के खिलाफ़ उनकी पहली जीत भी है। इस टीनएजर की पिछली तीन हार में से दो पाओलिनी के खिलाफ़ थीं, पिछले साल इंडियन वेल्स और यूएस ओपन में।

इवा जोविक

कोको गॉफ लगातार चौथी बार चौथे राउंड में पहुंची

मेलबर्न। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद अपनी साथी अमेरिकी खिलाड़ी हेले बैपटिस्ट को 3-6, 6-0, 6-3 से मात देकर चौथे दौर में प्रवेश किया। यह जीत उनके 77वें ग्रैंड स्लैम मैच की जीत, उनके 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में आई। गॉफ ओपन एरा में 22 साल की उम्र से पहले अपने 100वें महिला सिंगल्स ग्रैंड स्लैम मेन-ड्रॉ मैच में खेलने वाली नौवीं खिलाड़ी हैं। मैरी जो फर्नांडीज, स्टेफी ग्राफ, मार्टिना हिंगिस, गैब्रिएला सबातिनी, अरांशा सांचेज विकारियो, मारिया शारापोवा, सेरेना विलियम्स, वीनस विलियम्स जैसी दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुई हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में से केवल वीनस विलियम्स (85) और इगा स्वियाटेक (83) ने अपने पहले 100 ग्रैंड स्लैम मैचों में जीत हासिल की है।